नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 13

अंक : 48

सोमवार, 01 से 07 जनवरी 2024

मूल्य : 5 रू प्रति

रू 250 वार्षिक

राजधानी में कड़ाके की ठंड के बीच येलो अलर्ट जारी 03

पीएम पद और सीट शेयरिंग बड़ी बाधा 08

केपटाउन जीत सर्वश्रेष्ठ टेस्ट जीतों में से एक : रोहित शर्मा 10

बनें साइबर सुरक्षा के मास्टर 11

NCR समाचार

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

BY C.R.O. TEAM

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

38 साल की हो गई दीपिका 12

दिल्ली-एनसीआर समेत कई शहरों में 9 दिन से धूप के दर्शन नहीं

दिल्ली के अलावा बाकी शहरों का भी ऐसा ही हाल

नई दिल्ली के अलावा एनसीआर के इलाकों में भी कुछ ऐसा ही हाल है। कई दिनों से लोगों को सूर्य की रोशनी नहीं मिली है जिससे ठिठुरने और ज्यादा बढ़ गई है। राष्ट्रीय राजधानी के अलावा लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, झांसी, वाराणसी तक यही स्थिति है। साथ ही हरियाणा, पंजाब में भी ऐसा ही बिगड़ा हुआ मौसम देखने को मिल रहा है। इन शहरों में लोग सूरज का दर्शन करने के लिए तरस जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल का हाल भी कुछ ऐसा ही है। आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर और आसपास के जिलों में सूर्य की रोशनी ढकी हुई है। यहां बीच-बीच में दोपहर के वक्त कभी-कभार हल्की धूप देखने को मिल जाती है मगर ज्यादातर वक्त धुंध ही छाई रहती है। इसके अलावा, बादलों और बारिश ने भी मौसम काफी बिगाड़ दिया है।

जानें कब तक ठंड से राहत मिलने के आसार

भारत मौसम विभाग के अनुसार, 9 जनवरी तक ठंड की स्थिति यही रहने वाली है। हालांकि, अधिकतम तापमान जरूर 13 से 14 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। इस दौरान न्यूनतम तापमान 6 डिग्री से 8 डिग्री के बीच रहने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि 8 जनवरी से सूर्य के दर्शन हो सकते हैं। इसके साथ ही ठंड से कुछ हद तक राहत भी मिलने की उम्मीद है। हालांकि, इस बीच बारिश की भी आशंका जताई गई है। माना जा रहा है कि हल्की से मध्यम बरसात होने के बाद आसमान कुछ हद तक साफ हो सकता है। ऐसे में लोगों को सूरज के दर्शन होने की संभावना है।

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में शनिवार सुबह हल्का कोहरा छाया रहा। न्यूनतम तापमान 8.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत से 2 डिग्री अधिक है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के मुताबिक, दिल्ली के मुख्य मौसम विज्ञान केंद्र सफदरजंग और पालम में सुबह साढ़े पांच बजे दृश्यता 500 मीटर दर्ज की गई। कोहरे के कारण ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं और दिल्ली आने वाली 14 ट्रेन देरी से चल रही हैं। नई दिल्ली में बीते 27 दिसंबर से ही ठंड काफी बढ़ी हुई है। राजधानी के लोग बीते 9 दिनों से सूर्य की रोशनी के लिए तरस रहे हैं। मौसम जानकारों का कहना है कि 5 साल बाद इस तरह की स्थिति सामने आई है। इससे पहले 2019 में 12 दिसंबर से लेकर 31 दिसंबर तक सूर्य की रोशनी धुंध में ठकी रही।

मौसम विभाग के मुताबिक, घने कोहरे और धुंध की वजह से दिल्ली में ऐसे हालात बने हैं। सूरज की रोशनी ढक जाने के चलते ठंड से कंपकंपी और ज्यादा बढ़ गई है। दोपहर के वक्त भी लोगों को सर्दी महसूस हो रही है। ऐसी स्थिति में लोगों का काम-धाम भी काफी हद तक प्रभावित हुआ है। मौसम वैज्ञानिक कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा, 'साल-दर-साल ठंड में कुछ बदलाव होता रहता है। कुछ बरस ऐसे होते हैं जब शीतलहर का प्रकोप बढ़ जाता है और कभी-कभी कोहरे की जोरदार मार पड़ती है। कभी-कभी शीत दिवस लंबे खींच जाते हैं। इस बार 25 दिसंबर से ही नई दिल्ली में घने कोहरे की मार पड़ने लगी। इसके दो दिन बाद कोहरा और भी ज्यादा घना हो गया।

भारत ने लगाई मालदीव की क्लास

पीएम मोदी पर टिप्पणी मामले में फटकारा

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई अशोभनीय टिप्पणी का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। मालदीव में मंत्री मरियम शिउना ने पीएम मोदी पर कमेंट किया था। दो अन्य मंत्रियों मालशा और हसन जिहान ने भी पीएम मोदी पर टिप्पणी की थी। इस मामले में मालदीव सरकार हालांकि तीन मंत्रियों को सस्पेंड करते हुए उनके बयान से किनारा ले चुकी है लेकिन, सूत्रों के हवाले से खबर मिली है कि इस ऐक्शन से पहले भारतीय उच्चायोग ने मुइज्जू सरकार के समक्ष इस मामले को उठाया और बयान का कड़ा विरोध जताया था।

मालदीव के तीन मंत्रियों मरियम शिउना, मालशा और हसन जिहान का पीएम मोदी के बारे में आपत्तिजनक कमेंट मालदीव की मुइज्जू सरकार के गले की फांस बन गया है। भारत में मालदीव की मंत्री के बयान की कड़ी निंदा की जा रही है। इस बयान को लेकर मालदीव सरकार चौतरफा घिर चुकी है। बयान के विरोध में कई भारतीय सेलिब्रेटी मालदीव के बहिष्कार के पक्ष में सामने आए हैं। जिसके बाद मालदीव की मुइज्जू सरकार को बैकफुट में आना पड़ा।

दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लक्षद्वीप यात्रा पर मालदीव के एक मंत्री के ट्वीट से सोशल मीडिया पर विवाद पैदा हो गया था। मालदीव की मंत्री मरियम ने भारत पर मालदीव को निशाना बनाने का आरोप लगाया। मरियम शिउना ने कहा कि समुद्र तट पर्यटन में मालदीव के साथ प्रतिस्पर्धा करने में भारत को महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसके बाद मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ने मंत्रियों की टिप्पणियों की निंदा की और भारत को मालदीव की सुरक्षा और समृद्धि का "प्रमुख सहयोगी" बताया।

सूत्रों का कहना है कि भारतीय उच्चायोग ने इस पूरे प्रकरण को मालदीव सरकार के सामने प्रमुख और कड़े विरोध के साथ उठाया है। ऐसी जानकारी मिली है कि भारतीय उच्चायोग ने मालदीव विदेश मंत्रालय के सामने पीएम मोदी के खिलाफ किए कमेंट का कड़ा विरोध जताया।

मालदीव में भी हो रही बयान की आलोचना

मालदीव में ही पीएम मोदी के खिलाफ बयान को लेकर आलोचना हो रही है। मालदीव नेशनल पार्टी ने पर एक पोस्ट में लिखा कि वह एक विदेशी नेता के खिलाफ "एक सरकारी अधिकारी द्वारा की गई नस्लवादी और अपमानजनक टिप्पणियों की निंदा करती है। यह अस्वीकार्य है और हम सरकार से इसमें शामिल लोगों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह करते हैं। बयान विवाद पर मालदीव के पूर्व उपराष्ट्रपति अहमद अदीब ने कहा, "यह बहुत दुखद घटना है, जो नहीं होनी चाहिए थी।

मोदी सरकार के अन्याय के खिलाफ आवाज है कांग्रेस की 'न्याय यात्रा' : खड़गे

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संविधान को नहीं मानते और हमें संसद में बोलने भी नहीं देते इसलिए 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' आयोजित कर कांग्रेस लोगों के बीच जा रही है ताकि हम अपनी बात उनसे कह सकें तथा समाज के हर वर्ग से मिलकर उनकी बात सुन सकें।

श्री खड़गे शनिवार को यहां पार्टी मुख्यालय में पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में 14 जनवरी से पूरब से पश्चिम की ओर होने वाली ह्यभारत जोड़ो न्याय यात्राह्व के लोगो और नारे का लोकार्पण करते हुए संवाददाता सम्मेलन में कहा कि श्री मोदी के लिए संविधान से ज्यादा नागपुर के आदेश का मतलब है इसलिए वह नागपुर से मिले आदेश का संविधान की तरह पालन करते हैं।

उन्होंने कहा,ह्लमोदी सरकार मनमाने तरीके से पुराने कानूनों को बदल रही है और तानाशाही तरीके से काम कर रही है। हम संसद में देश से जुड़े मुद्दे उठाने की कोशिश करते हैं तो हमें बोलने का कोई मौका नहीं दिया जाता। विपक्ष के 146 सांसदों को संसद की कार्यवाही से निलंबित कर दिया गया। देश के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है।

श्री खड़गे ने कहा कि श्री मोदी खुद संसद में नहीं आते हैं। इस बार वह कम से कम लोकसभा में आए लेकिन उन्होंने एक बार भी राज्यसभा की ओर नहीं देखा। यह अन्याय है और कांग्रेस पार्टी मोदी सरकार के अन्याय के खिलाफ 'भारत जोड़ा न्याय यात्रा' कर रही है। यात्रा में हम जनता को बताएंगे कि इसके अलावा कोई रास्ता नहीं है। हमने संसद में बोलने और मुद्दों को उठाने की कोशिश की लेकिन हमें निलम्बित कर दिया गया।

उन्होंने कहा, 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' का मंच एनजीओ, पत्रकारों, किसान, छोटे व्यापारी, दलित-पिछड़े वर्ग, आदिवासियों और बौद्धिक वर्ग को जोड़ने का भी है।

भीषण ठंड की वजह से पाँचवी तक दिल्ली के स्कूल 12 जनवरी तक बंद रहेंगे

नयी दिल्ली। राजधानी में पड़ रही कड़ाके की ठंड की वजह से पाँचवी कक्षा तक के सभी स्कूलों को 12 जनवरी तक बंद रखा जाएगा हालाँकि इस दौरान ऑनलाइन पढ़ाई जारी रहेगी।

शिक्षा विभाग की ओर आज जारी आदेश में कहा गया है कि मौसम को देखते हुए पाँचवी कक्षा तक के सभी स्कूलों को 12 जनवरी तक बंद करने का निर्णय लिया गया है जबकि बाकी कक्षाओं के लिए स्कूल खुले रहेंगे। उन्होंने कहा कि जहां तक संभव हो, स्कूल संबंधित प्राथमिक कक्षाओं के छात्रों के लिए ऑनलाइन कक्षाएं चला सकते हैं। आदेश में कहा गया है कि मौसम की स्थिति को देखते हुए कोई भी स्कूल सुबह आठ बजे से पहले शुरू नहीं होगा और शाम पाँच बजे के बाद कक्षाएं नहीं लगेंगी। इससे पहले दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि राजधानी दिल्ली में अगले पांच दिन स्कूलों की छुट्टी रहेगी।

प्रधानमंत्री 9 जनवरी को गांधीनगर में करेंगे देश के सबसे बड़े ट्रेड शो का उद्घाटन

- 10वें वीजीजीएस-2024 के तहत दो लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला है 'ग्लोबल ट्रेड शो'
- अनुसंधान क्षेत्र के एक हजार से अधिक प्रदर्शक ग्लोबल ट्रेड शो में लेंगे हिस्सा

एनसीआर समाचार

गांधीनगर। राज्य में द्विवार्षिक 10वीं वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट (वीजीजीएस) की शुरूआत से एक दिन पूर्व 9 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल ट्रेड शो-2024' का उद्घाटन करेंगे।

दरअसल, 10वीं वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के हिस्से के रूप में गुजरात सरकार आगामी 09 से 13 जनवरी तक गांधीनगर स्थित हेलीपैड मैदान पर 'वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल ट्रेड शो-2024' का आयोजन कर रही है। इस ट्रेड शो में प्रदर्शनी और स्टॉल के साथ 2 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में फैले देश के सबसे बड़े ग्लोबल ट्रेड शो का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 9 जनवरी की अपराह्न 03.00 बजे करेंगे। इस मौके पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सहित देश और दुनिया के गणमान्य और उद्योगपति मौजूद रहेंगे।

यह उद्योग होंगे आकर्षक का केन्द्र

इस ट्रेड शो में कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, ऑटोमोबाइल और ऑटो कम्पोनेंट्स, सिरामिक्स, केमिकल्स और पेट्रोकेमिकल्स, जेम्स एंड ज्वैलरी, फार्मास्युटिकल्स और पोर्ट और मरीन जैसे क्षेत्रों में अत्याधुनिक उत्पादनों एवं सेवाओं को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके अलावा टेक्सटाइल व गार्मेंट, इलेक्ट्रिक व्हीकल, ग्रीन हाइड्रोजन, एयर क्राफ्ट और अनुषांगिक उद्योग, नवीकरणीय ऊर्जा, सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग (ईएसडीएम), फिनटेक, साइबर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन लर्निंग सहित अन्य उद्योग भी आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

'मेक इन गुजरात' व 'आत्मनिर्भर भारत' सहित 13 थीमें तय

ट्रेड शो के के लिए 'मेक इन गुजरात' और 'आत्मनिर्भर भारत' सहित विभिन्न 13 थीमें तय की गई हैं। प्रधानमंत्री के 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को साकार करने के लिए लगभग 450 सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) इकाइयां इस ट्रेड शो में सहभागी हो रही हैं। सूचना प्रौद्योगिकी और सूचना प्रौद्योगिकी संबद्ध सेवाओं (आईटी और आईटीईएस) स्टार्टअप्स एवं उनकी नवीन उत्पादों एवं सेवाओं को प्रदर्शित करने के लिए 'टेकेड' पवेलियन तैयार किया गया है। ट्रेड शो के दौरान रिवर्स बायर सेलर मीट और वेंडर्स डेवलपमेंट प्रोग्राम जैसी गतिविधियों का भी आयोजन किया जाएगा।

ब्रिटेन यात्रा पर जाएंगे राजनाथ सिंह

22 साल में किसी भारतीय रक्षा मंत्री की पहली ब्रिटेन यात्रा

- अपने समकक्ष रक्षा राज्य सचिव ग्रांट शाप्स के साथ करेंगे द्विपक्षीय बैठक

एनसीआर समाचार

लंदन। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार से ब्रिटेन की तीन दिवसीय यात्रा पर होंगे। उनकी इस यात्रा को रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में भारत तथा ब्रिटेन के बीच द्विपक्षीय साझेदारी के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि 22 वर्षों के बाद किसी भारतीय रक्षा मंत्री की यह पहली ब्रिटेन यात्रा होगी।

जून 2022 में राजनाथ सिंह की ब्रिटेन की पूर्व नियोजित यात्रा को भारतीय पक्ष ने 'प्रोटोकॉल कारणों' का हवाला देते हुए रद्द कर दिया था। इसलिए सोमवार से शुरू होने वाली इस यात्रा को काफी अहम माना जा रहा है। इस दौरान राजनाथ ब्रिटेन के रक्षा मंत्री ग्रांट शाप्स के साथ विभिन्न मुद्दों पर व्यापक बातचीत करेंगे। इसके अलावा वह औपचारिक 'गार्ड ऑफ ऑनर' का निरीक्षण करेंगे तथा लंदन में स्थित महात्मा गांधी और

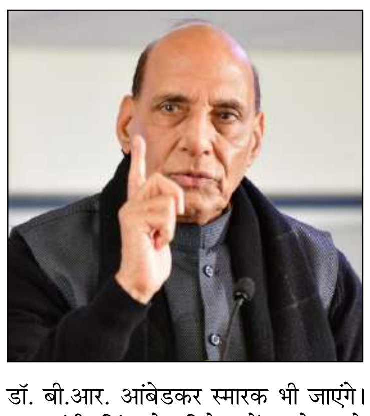

डॉ. बी.आर. आंबेडकर स्मारक भी जाएंगे। रक्षा मंत्री सिंह के ब्रिटेन में रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों से भी मुलाकात करने की उम्मीद है।

लंदन स्थित विचार समूह 'इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज' (आईआईएसएस) में दक्षिण और मध्य एशियाई देशों के रक्षा, रणनीति और कूटनीतिक मामलों के वरिष्ठ फेलो राहुल रॉय चौधरी ने कहा, "राजनाथ सिंह की यह यात्रा रणनीतिक और सामरिक दोनों ही दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। बीते 22 वर्षों के बाद किसी भारतीय रक्षा मंत्री की यह पहली ब्रिटेन यात्रा होगी। पिछली बार भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार में रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडिस ने 22 जनवरी 2002 को ब्रिटेन की यात्रा की थी।"

रॉय-चौधरी के अनुसार, राजनाथ सिंह की प्रस्तावित यात्रा ब्रिटेन के साथ भारत के राजनीतिक संबंधों में सुधार का संकेत देती है। इसके अलावा पिछले साल सितंबर में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की भारत यात्रा के बाद दोनों देशों के रिश्तों में विकसित होती आपसी विश्वास की भावना का भी पता चलता है। उन्होंने कहा, "वास्तविक रूप से राजनाथ की यह यात्रा ब्रिटेन के साथ सैन्य सहयोग और रक्षा औद्योगिक साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में सार्थक प्रयास करेगी।"

नवंबर 2023 में दोनों देशों के बीच सचिव स्तर पर दिल्ली में रक्षा सलाहकार समूह (डीसीजी) की बैठक हुई थी। इसके अलावा अक्टूबर 2023 में संयुक्त सचिवों के स्तर पर भारत और ब्रिटेन के बीच 2+2 विदेश और रक्षा वार्ता की पहली बैठक हुई थी।

रॉय-चौधरी ने कहा, "ब्रिटेन अब भारत के शीर्ष पांच रणनीतिक साझेदारों में से एक नहीं है। हालांकि, रोल्स-रॉयस के साथ एयरो-इंजन पर चल रही परियोजनाओं की आपूर्ति के माध्यम से एक मजबूत भारत-ब्रिटेन रक्षा तकनीकी और औद्योगिक साझेदारी की शुरूआत हो सकती है।" उन्होंने कहा, "रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के अपनी ब्रिटेन यात्रा के दौरान ब्रिटेन के प्रमुख हथियार निर्माण स्थलों में से एक का दौरा करने की भी संभावना है।"

भारतीय रक्षा मंत्री की यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि ब्रिटेन में खालिस्तान समर्थक हिंसा को लेकर भारत ने चिंता व्यक्त की है। इसके अलावा भारत को ब्रिटेन की रक्षा आपूर्ति पर कुछ विवादास्पद ऐतिहासिक मुद्दों पर भी बातचीत होने की उम्मीद है।

हालांकि, विश्लेषकों का मानना है कि मंत्री स्तर पर बातचीत के इस अवसर के साथ, रक्षा क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' एजेंडे के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित होना चाहिए।

बांग्लादेश में फिर एक बार हसीना सरकार

पांचवी बार संभालेंगी बांग्लादेश की सत्ता, चुनाव में शामिल नहीं था विपक्ष

एनसीआर समाचार

ढाका। शेख हसीना एक बार फिर बांग्लादेश में सत्ता के शीर्ष पर विराजमान होंगी। रविवार को हुए चुनाव में उन्होंने रिकॉर्ड पांचवीं बार चुनाव जीत लिया है। हालांकि विपक्ष के चुनाव बहिष्कार के चलते मतदान बेहद कम रहा था। चुनाव अधिकारियों का कहना है कि प्रारंभिक रिपोर्ट से पता चलता है कि इस बार करीब 40 फीसदी मतदान हुआ है, हालांकि यह अभी अंतिम आंकड़ा नहीं है। विपक्ष ने हसीना से चुनाव से पहले इस्तीफा

देने की मांग की थी, जिसे उन्होंने मानने से इनकार कर दिया था। जिसके बाद विपक्ष 48 घंटे की हड़ताल पर चला गया था।

चुनाव आयोग के एक प्रवक्ता ने एएफपी को बताया, मतगणना जारी है और हसीना की सत्तारूढ़ अवामी लीग ने "50 प्रतिशत से अधिक सीटें जीत ली हैं।"

बांग्लादेश के चुनाव अधिकारियों ने कहा कि प्रधान मंत्री शेख हसीना ने पांचवें कार्यकाल के लिए फिर से चुनाव जीत लिया है।

एनसीआर समाचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन :
8888883968
9811111715

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली- 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 सम्पर्क करें।

नेपाल: भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर ने विद्यालय भवनों व हेल्थ पोस्ट का किया उद्घाटन

एनसीआर समाचार

काठमांडू। नेपाल दौरे पर भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने शुक्रवार को त्रिभुवन विश्वविद्यालय के नवनिर्मित केन्द्रीय पुस्तकालय का उद्घाटन किया। उन्होंने भारत सरकार के सहयोग से निर्मित कई पुनर्निर्माण कार्यों का भी उद्घाटन किया। इनमें 25 विद्यालय भवन और 32 हेल्थ पोस्ट शामिल हैं।

कीर्तिपुर स्थित त्रिभुवन विश्वविद्यालय प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने नेपाल के विदेश मंत्री एनपी साउद के साथ संयुक्त रूप से केन्द्रीय पुस्तकालय का उद्घाटन किया। तीन हजार व्यक्तियों के एक साथ बैठने की क्षमता वाले पुस्तकालय का निर्माण भारत सरकार की मदद से किया गया है। यह दिव्यांग मैत्री पुस्तकालय है।

इसके अलावा एस जयशंकर ने भारत सरकार के आर्थिक

अनुदान से निर्मित कई पुनर्निर्माण परियोजनाओं का उद्घाटन किया। जिसमें 25 विद्यालय भवन और 32 हेल्थ पोस्ट शामिल हैं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी के तहत पड़ोसी देशों में आई प्राकृतिक आपदा के समय भारत सरकार हमेशा उनके साथ खड़ी होती है। 2015 में आए विनाशकारी भूकम्प के बाद तत्काल मानवीय सहायता और राहत के अलावा भारत सरकार ने नेपाल की पुनर्निर्माण कार्यों के लिए 1 बिलियन डॉलर की सहायता की थी। उन्होंने कहा कि गत नवम्बर में आए जाजरकोट भूकम्प में भी पुनर्निर्माण के लिए 100 करोड़ की सहायता देने पर समझौता हुआ है। नेपाल में 2015 में आए विनाशकारी भूकम्प के बाद भारत ने नेपाल के पुनर्निर्माण में सबसे बड़े सहयोगी के रूप में मदद की थी। इनमें भूकम्प के केन्द्र बिंदु रहे गोरखा जिले के बारपाक गांव में 50 हजार घरों के पुनर्निर्माण से लेकर कई अन्य अस्पताल, स्कूल, धर्मशाला का निर्माण संपन्न किया गया है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने काठमांडू में पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन किए

काठमांडू, एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को नेपाल के प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर में भगवान शिव के दर्शन किए और दोनों देशों के लोगों की कुशलक्षेम तथा भारत-नेपाल संबंधों के लिए प्रार्थना की। जयशंकर 2024 में अपनी पहली विदेश यात्रा पर बृहस्पतिवार को नेपाल पहुंचे थे। उन्होंने यात्रा के दूसरे दिन देश में अपने कार्यक्रमों की शुरूआत करने से पहले सुबह-सुबह पशुपतिनाथ मंदिर में दर्शन किए। जयशंकर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "आज सुबह पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। हमारे दोनों देशों के लोगों के कुशलक्षेम और भारत-नेपाल संबंधों के लिए प्रार्थना की।" उन्होंने मंदिर परिसर में रुद्राक्ष का एक पौधा भी लगाया।

काठमांडू के पूर्वी बाहरी भाग में पवित्र बागमती नदी के किनारे स्थित पशुपतिनाथ नेपाल में सबसे प्रसिद्ध हिंदू मंदिर है। दुनियाभर से हजारों हिंदू श्रद्धालु इस मंदिर के दर्शन करने आते हैं। सदियों पुराना यह मंदिर हिंदू देवता शिव को समर्पित है और वह पशुओं के संरक्षक पशुपति के अपने अवतार में यहां विराजमान हैं।

कैलिफोर्निया में तीन हिंदू मंदिरों को एक के बाद एक बनाया गया निशाना

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया के बे एरिया क्षेत्र में अज्ञात बदमाशों ने एक के बाद एक तीन हिंदू मंदिरों को निशाना बनाया है, जिससे समुदाय के लोग सदमे में हैं। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) ने शुक्रवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बदमाशों ने हेवर्ड में विजय के शेरावाली मंदिर को तोड़ दिया और भारत विरोधी और खालिस्तान समर्थक नारे लिखे।

हिंदू एडवोकेसी ग्रुप ने कहा कि कुछ हफ्ते पहले, नेवार्क में श्री स्वामीनारायण मंदिर की बाहरी दीवारों को इसी तरह के नारों और तस्वीरों से भर दिया गया था, और उसी क्षेत्र में शिव दुर्गा मंदिर में चोरी की सूचना मिली थी। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने एक्स पर पोस्ट में कहा, "खालिस्तान समर्थक नारों और तस्वीरों के साथ बे एरिया के एक और हिंदू मंदिर पर हमला किया गया।" "हेवर्ड में विजय के शेरावाली मंदिर को स्वामीनारायण मंदिर पर हमले के ठीक दो सप्ताह बाद और उसी क्षेत्र

में शिव दुर्गा मंदिर में चोरी के एक सप्ताह बाद निशाना बनाया गया।"

20789 गार्डन एवेन्यू में स्थित, काली स्याही से पेंट किए गए ग्रैफिटी स्प्रे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाना बनाया गया और खालिस्तान की प्रशंसा की गई। समूह ने कहा कि वह इस मामले को सुलझाने के लिए मंदिर के प्रमुखों, अल्मेडा पुलिस विभाग और न्याय विभाग के नागरिक अधिकार प्रभाग के संपर्क में है। खालिस्तान समर्थक तत्वों से बढ़ते खतरे को देखते हुए, एचएएफ ने पूरे अमेरिका में मंदिर प्रशासन से इसके सेफ्टी गाइड डाउनलोड करने का आग्रह किया।

एचएएफ ने एक्स पर सेफ्टी गाइड लिखा और पोस्ट किया, "गाइड विशेष रूप से चर्चा करता है कि मंदिर के नारे और तस्वीरें घृणा अपराध के अंतर्गत हैं और खालिस्तान समर्थकों से बढ़ते खतरे के साथ-साथ हिंदू विरोधी उपद्रवियों से सर्वव्यापी खतरे को देखते हुए वर्किंग सिक्योरिटी कैमरे और अलार्म सिस्टम स्थापित करने का महत्व भी है।" इस बीच अमेरिकी अधिकारी संभावित घृणा अपराध के रूप में श्री स्वामीनारायण मंदिर, हिंदू मंदिर पर हमले की जांच कर रहे हैं।

मध्य प्रदेश में मोहन यादव सरकार का क्षेत्रीय मजबूती पर जोर

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के मुख्यमंत्री में हुए बदलाव के बाद सरकार और संगठन की रणनीति में भी बदलाव नजर आने लगा है। अब दोनों का लक्ष्य क्षेत्रीय मजबूती है और उसके लिए अभियान भी छेड़ दिया गया है।

राज्य के विधानसभा चुनाव में भाजपा को भारी बहुमत मिला और पार्टी के साथ नवनिर्वाचित विधायकों ने बतौर नेता मोहन यादव को चुना। यादव मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने और मंत्रिमंडल के गठन के बाद से लगातार सक्रिय हैं और उनका प्रशासनिक कसावट लाने के साथ सियासी गणित को साधने की कोशिश जारी है।

इसी क्रम में मुख्यमंत्री का जोर क्षेत्रीय जमावट पर भी है। मोहन यादव ने मुख्यमंत्री बनने के बाद जहां संभागीय स्तर पर भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारियों को प्रशासनिक कसावट की जिम्मेदारी सौंपी तो वहीं वरिष्ठ पुलिस अफसर को कानून व्यवस्था की स्थिति को दुरुस्त करने के लिए संभागीय स्तर पर नजर रखने को कहा गया है।

एक तरफ जहां प्रशासनिक कसावट के मद्देनजर वरिष्ठ अधिकारियों को संभाग और जिले स्तर पर नजर रखने के साथ सक्रिय रहने की हिदायतें दी गई हैं, वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री यादव खुद क्षेत्र के दौरे कर रहे हैं।

बीते कुछ दिनों की गतिविधियों पर नजर दौड़ाएं तो पता चलता है कि मुख्यमंत्री निमाड़-मालवा के नीमच गए, उसके बाद महाकौशल के जबलपुर पहुंचे, फिर उन्होंने ग्वालियर-चंबल के ग्वालियर पहुंचकर विकास कार्यों के साथ सरकारी मशीनरी की कार्यप्रणाली की समीक्षा की और अब विंध्य में हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राज्य की कमान संभालने के बाद मुख्यमंत्री यादव राज्य में जमीनी स्तर पर कसावट लाना चाहते हैं।

भगवान श्री राम सिद्धारमैया को कभी माफ नहीं करेंगे: कर्नाटक एलओपी

एनसीआर समाचार

बेंगलुरु। कर्नाटक में विपक्ष के नेता (एलओपी) आर. अशोक ने शुक्रवार को कहा कि भगवान श्री राम झूठे मामलों में कार सेवकों को गिरफ्तार करने के लिए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को कभी माफ नहीं करेंगे। सिद्धारमैया, आपने स्पष्ट रूप से झूठ बोला कि श्रीकांत पुजारी के खिलाफ 16 मामले हैं। श्री राम तुम्हें कभी माफ नहीं करेंगे। पुजारी के खिलाफ 16 मामलों में से 15 खत्म हो चुका।" उन्होंने कहा कि बाकी मामला 1992 में उनके लापता होने का है। उन्होंने कहा, केवल दो संभावनाएं हैं। या तो सिद्धारमैया ने अपने प्रशासन पर नियंत्रण खो दिया है, जबकि अदृश्य हाथ उन्हें गुमराह कर रहे हैं या उन्होंने राम मंदिर के उद्घाटन के दौरान हिंदू कार्यकर्ताओं को उकसाने के लिए जानबूझकर मामले को फिर से खोल दिया है। उन्होंने कहा कि अगर दोनों में से कोई भी दावा सही है तो मुख्यमंत्री ने राज्य का मुखिया

बने रहने की नैतिकता खो दी है। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया, अपनी गलतियों को स्वीकार करें, पुजारी को रिहा करें, लोगों से माफी मांगें और अपना इस्तीफा सौंपें। राज्य की कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए, एक कुशल मुख्यमंत्री के लिए रास्ता बनाएं। सिद्धारमैया ने इससे पहले श्रीकांत पुजारी को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा कि पुजारी - जिसने खुद को राम के भक्त और कार सेवक के रूप में प्रदर्शित किया था, वास्तव में कानून की नजर में एक सामाजिक दुराचारी है।

मुख्यमंत्री ने कहा था,ह्पुजारी वह व्यक्ति है जो अपनी आपराधिक गतिविधियों को बचाने के लिए धर्म को ढाल के रूप में उपयोग करता है। अगर ऐसे लोगों को गिरफ्तार नहीं किया गया और उन्हें स्वतंत्र रूप से घूमने की अनुमति नहीं दी गई, तो भगवान राम भी हमें माफ नहीं कर सकते।

सिद्धारमैया ने कहा कि भाजपा नेता, जो अवैध शराब की बिक्री, जुआ और मटका सहित 16 असामाजिक गतिविधियों में शामिल होने के आरोपों का सामना कर रहे एक व्यक्ति के समर्थन में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं - को खुले तौर पर या सार्वजनिक रूप से उसके सभी आपराधिक कार्यों के लिए अपनी पार्टी के समर्थन की घोषणा करनी चाहिए या सार्वजनिक रूप से माफी मांगें और अपना विरोध वापस लें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2023 में, हुबली-धारवाड़ आयुक्तालय के अधिकार क्षेत्र के भीतर, मारिजुआना बिक्री, चोरी, जबरन वसूली, धोखाधड़ी और जुआ सहित अपराधों के संबंध में 36 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा था,ह्पुजारी इस सूची में 32वें व्यक्ति हैं। क्या उन्हें सिर्फ इसलिए रिहा कर दिया जाना चाहिए क्योंकि वह कार सेवक हैं या उन्हें संदिग्ध होने के कारण गिरफ्तार कर लिया जाना चाहिए? भाजपा का विरोध हमारी सरकार के खिलाफ नहीं है, बल्कि देश के कानून और संविधान के खिलाफ है।

एक नजर

इंदिरा कैंटीन और मध्याह्न भोजन में शामिल किया जाएगा बाजरा : सिद्धरमैया

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित खाद्य सब्सिडी कार्यक्रम 'इंदिरा कैंटीन' और स्कूली बच्चों के मध्याह्न भोजन में बाजरे का उपयोग किया जाएगा। उन्होंने बाजरे की फसल को बढ़ावा देने के लिए एक केंद्र स्थापित करने की भी घोषणा की। सिद्धरमैया यहां कृषि विभाग द्वारा आयोजित बाजरा एवं जैविक अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 2024 में प्रदर्शनी और बिक्री के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदिरा कैंटीन और स्कूली भोजन में बाजरे के उपयोग पर चर्चा और निर्णय लेने के लिए जल्द ही संबंधित विभागों की एक बैठक बुलाई जाएगी ताकि राज्य के लोग और स्कूली बच्चे अधिक स्वस्थ और ताकतवर बन सकें। सिद्धरमैया ने आश्वासन दिया कि उनकी सरकार बाजरे की फसल को बढ़ावा देने के लिए एक केंद्र स्थापित करेगी। साथ ही उच्च गुणवत्ता वाले बीजों के उत्पादन, बाजरे की नई किस्मों के विकास और बाजरे के निर्यात की सुविधा भी प्रदान करेगी। उन्होंने कहा, ह्बाजरा उन जगहों पर भी उगाया जा सकता है जहां बारिश कम हो और मिट्टी की उर्वरता भी कम हो। बाजरा अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत उपयोगी है। इसलिए, राज्य सरकार लगातार बाजरा मेलों का आयोजन कर रही है।

महाराष्ट्र सरकार कोविड-19 की स्थिति पर नजर रख रही है : अजित पवार

पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार कोविड-19 की स्थिति पर नजर रखे हुए है तथा स्वास्थ्य विभाग को इस वायरस के प्रसार की रोकथाम के लिए जरूरी एहतियात बरतने को कहा गया है। यहां ससून जनरल अस्पताल के दौरे के दौरान संवाददाताओं से बातचीत करते हुए पवार ने कहा कि वैसे तो कोरोना वायरस का जेएन.1 स्वरूप अधिक घातक नहीं है लेकिन लोगों को मास्क लगाने की सलाह दी गयी है। उपमुख्यमंत्री ने कहा, "स्वास्थ्य विभाग ने बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को (कोविड-19 की) स्थिति के बारे में बताया। हम रोजाना मामलों को लेकर रिपोर्ट हासिल कर रहे हैं। राज्य में सिविल सर्जन और स्वास्थ्य विभाग को एहतियाती उपाय करने के निर्देश दिये गये हैं ताकि पॉजिटिव मामले न बढ़ें।" उन्होंने लोगों से भी कोविड उपयुक्त आचरण का पालन कर सहयोग करने की अपील की। पवार ने कहा, "वैसे तो कोविड-19 का वर्तमान स्वरूप अधिक घातक नहीं है तथा व्यक्ति पृथकवास में रहकर स्वस्थ हो सकता है, लेकिन फिर भी लोगों से मास्क लगाने का अनुरोध है।" महाराष्ट्र में बृहस्पतिवार को कोरोना वायरस के 171 पॉजिटिव मामले सामने आये तथा सोलापुर और कोल्हापुर में एक एक मरीज की जान चली गयी। राज्य में फिलहाल 914 मरीज उपचाराधीन हैं तथा जे एन .1 स्वरूप से संक्रमित मरीजों की संख्या 110 हो गयी है।

तेलंगाना में व्यक्ति ने मां को पत्थर से कुचलकर मार डाला

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना में एक चौंकाने वाली घटना में, एक व्यक्ति ने अपनी मां को सोते समय पत्थर से मारकर हत्या कर दी। यह घटना बुधवार रात तेलंगाना के जयशंकर भूपालपल्ली जिले में हुई।

पुलिस के अनुसार, राजी रेड्डी ने अपनी मां हेमा (70) पर उस समय पत्थर से हमला किया, जब वह रेगोंडा मंडल के तिरूमलागिरी गांव में अपने घर पर सो रही थीं। बचाव करने पहुंची एक अन्य महिला पर भी राजी रेड्डी ने हमला कर दिया। महिला घायल हो गई और उसे पास के अस्पताल में ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर उसे इलाज के लिए हैदराबाद लाया गया। हत्या के बाद आरोपी भाग गया लेकिन पड़ोसी गांव के लोगों ने चोर होने के संदेह में उसे पकड़ लिया। उन्होंने उसकी पिटाई की और उसके हाथ-पैर बांधकर पुलिस को सौंप दिया। ग्रामीणों ने बताया कि व्यक्ति की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है और वह मानसिक रोगी जैसा व्यवहार कर रहा था।

उधमसिंह नगर पुलिस ने ड्रग्स के साथ 3 को पकड़ा

उधमसिंह नगर, एजेंसी। उत्तराखंड में उधमसिंह नगर पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस को बॉलीवुड की पार्टियों के लिए ड्रग्स की सप्लाई करने वाले 3 बदमाशों को पकड़ने में कामयाबी हासिल हुई है। पुलिस बॉलीवुड की पार्टियों में इस्तेमाल होने वाले ड्रग्स के साथ तीन आरोपियों को उधमसिंह नगर के पुलभट्टा शंकर फार्म कट के पास से गिरफ्तार किया है। उनके पास से 365 ग्राम एमडीएमए ड्रग्स बरामद हुई है जिसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 1.82 करोड़ बताई गई है।वहीं एक आरोपी फरार बताया जा रहा है। दरअसल, पुलिस को चेकिंग के दौरान एक बाइक में तीन युवक के पास से यह हाई प्रोफाइल ड्रग्स बरामद हुआ। पकड़े गए आरोपियों में 2 यूपी और 1 उत्तराखंड के रहने वाले हैं। पुलिस के मुताबिक एमडीएमए (मिथाइलीन डाई ऑक्सी मीथेन फेटामाईन) ड्रग्स बॉलीवुड की हाई प्रोफाइल पार्टियों में इस्तेमाल होता है। वहीं पुलिस अब फरार आरोपी की तलाश कर रही है, साथ ही इनके और साथियों और इनसे जुड़े नेटवर्क की भी जानकारी ढूंढने की कोशिश कर रही है।

शोपियां में सुरक्षाबलों ने ढेर किया एक आतंकी

श्रीनगर, एजेंसी। दक्षिण कश्मीर में शोपियां जिले के चोटीगाम इलाके में शुक्रवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के एक आतंकी को मार गिराया।

पुलिस ने सुरक्षा बलों के साथ मिलकर दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में आतंकवाद विरोधी अभियान में प्रतिबंधित आतंकी संगठन के एक आतंकवादी को ढेर कर दिया।

पुलिस ने कहा कि शोपियां के गांव चोटीगाम इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष सूचना मिली थी। जिस

पर कार्रवाई करते हुए पुलिस, सेना और सीआरपीएफ ने तड़के संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया।

तलाशी अभियान के दौरान जैसे ही संयुक्त दल संदिग्ध स्थान की ओर पहुंचा, छिपे हुए आतंकियों ने उन पर फायरिंग कर दी। सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की, जिससे मुठभेड़ शुरू हो गई।

पुलिस ने कहा, "मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया। मुठभेड़ स्थल से उसका शव बरामद कर लिया गया है।" आतंकी की पहचान चेक चोलन निवासी बिलाल अहमद भट्ट के रूप में की गई है। वह प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, मारा गया आतंकी कई आतंकी अपराध मामलों में शामिल था। जिसमें स्थानीय सेना के जवानों की हत्या भी शामिल थी। सुदसन कुलगाम के निवासी उमर फैयाज पुत्र फैयाज अहमद पॉरे ने हरमैन में गैर-स्थानीय मजदूरों पर ग्रेनेड फेंका था, जिसमें दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई थी।

पुलिस ने आगे कहा कि वह कश्मीरी पंडित सुनील कुमार भट्ट की हत्या और चोटीगाम के रहने वाले अन्य कश्मीरी पंडित प्रीतिम्बर नाथ को हमला कर घायल करने में भी शामिल था।

भीषण लड़ाई के बीच गाजा में मरने वालों की संख्या बढ़कर 22,438 हुई

गाजा, एजेंसी। फिलीस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, गाजा में इजरायली सेना और हमास के बीच लड़ाई तेज हो गई है। अक्टूबर 2023 में युद्ध शुरू होने के बाद से घिरे इलाके में मारे गए लोगों की संख्या बढ़कर 22,438 हो गई है। मंत्रालय ने अपने नवीनतम अपडेट में कहा कि कुल मृतकों में से 70 प्रतिशत बच्चे और महिलाएं हैं। इसमें कहा गया है कि पिछले 24 घंटों में कम से कम 125 फिलिस्तीनी मारे गए और 318 अन्य घायल हो गए। इस बीच, घायल लोगों की संख्या भी बढ़कर 57,614 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता अशरफ अल-केदरा ने गुरुवार देर रात एक बयान में कहा कि गाजा शहर और उत्तर में तीन प्रमुख अस्पतालों के निदेशकों सहित 99 स्वास्थ्य कर्मचारियों को इजरायली बलों ने पकड़ लिया है। अल-केदरा ने चेतावनी दी कि दक्षिणी शहर खान यूनिस में नासिर मेडिकल कॉम्प्लेक्स और रेड क्रिसेंट सोसाइटी से संबद्ध अल-अमल अस्पताल इजरायली हमलों के निशाने पर आ गए हैं। अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से अस्पतालों की सुरक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई करने और घायलों और बीमारों को चिकित्सा सुविधाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया है। 2023 के अंत तक 1.9 मिलियन लोग या गाजा की कुल आबादी का लगभग 85 प्रतिशत युद्ध के कारण आंतरिक रूप से विस्थापित होने का अनुमान लगाया गया था, जिसमें कई लोग कई बार विस्थापित हुए हैं।

भाजपा में शामिल हुए केरल के पादरी को चर्च के सभी पदों से हटाया गया

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरल के ऑर्थोडॉक्स चर्च के सचिव शैजू कुरियन को चर्च में सभी पदों से अस्थायी रूप से हटा दिया गया है।

केरल में कुछ समय से ईसाई समुदाय को लुभाने में लगी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 31 दिसंबर को घोषणा की थी कि राज्य में फादर कुरियन और अल्पसंख्यक समुदाय के लगभग 50 परिवार पार्टी में शामिल हो गए हैं।

निलाक्कल भद्रसनम द्वारा शुक्रवार को जारी एक बयान के अनुसार जांच लंबित रहने तक पादरी को चर्च के सभी मौजूदा पदों से अस्थायी रूप से हटाने का निर्णय चार जनवरी को हुई एक बैठक में लिया गया था।

जनसंपर्क अधिकारी के बयान में हालांकि उनके खिलाफ कार्रवाई का कारण नहीं बताया गया है।

बयान के अनुसार कुरियन निलाक्कल भद्रसनम के सचिव और निलाक्कल भद्रसानम संडे स्कूल के उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे।

इसके अनुसार फादर कुरियन के खिलाफ मिली शिकायत की जांच के लिए मलंकारा ऑर्थोडॉक्स चर्च के प्रमुख से एक जांच आयोग का गठन करने का अनुरोध किया गया।

बयान के अनुसार जांच दो माह के भीतर पूरी करने का निर्णय लिया गया है।

इसमें कहा गया है कि एक नये पादरी को निलाक्कल भद्रसनाम संडे स्कूल के उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया जाएगा।

भाजपा ने 31 दिसंबर को फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा था कि दक्षिणी केरल के पत्तनमतिट्टा जिले में ऑर्थोडॉक्स चर्च निलाक्कल भद्रसानम के सचिव फादर कुरियन समेत लगभग 50 ईसाई परिवार केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हो गए।

गुजरात ने वृद्धि के राष्ट्रीय औसत को पीछे छोड़ा, विकास इंजन के रूप में उभरा: राज्य सरकार

एनसीआर समाचार

अहमदाबाद। गुजरात सरकार ने कहा है कि वित्त वर्ष 2002-03 से 2022-23 तक गुजरात ने 15 प्रतिशत की संचयी वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) के साथ राष्ट्रीय औसत को पीछे छोड़ते हुए देश में सबसे तेजी से वृद्धि करने वाले राज्यों में से एक होने का अपना स्थान बरकरार रखा है।

राज्य सरकार ने सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा है कि मजबूत आर्थिक बुनियाद के साथ गुजरात लंबे समय से ह्भारत के विकास इंजनह्न के रूप में अपनी पहचान बनाए हुए है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, गुजरात 22.61 लाख करोड़ रुपये के साथ भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग आठ प्रतिशत का योगदान देता है।

राज्य सरकार को अगले हफ्ते होने वाले ह्वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक शिखर सम्मेलनह्न (वीजीजीएस) के नवीनतम संस्करण से राज्य में विकास की रफ्तार में और तेजी आने की उम्मीद है। इस निवेशक सम्मेलन से गुजरात और भारत की अर्थव्यवस्था के बुनियादी सिद्धांतों को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। इस द्विवार्षिक निवेशक सम्मेलन का 10वां संस्करण 10 से 12 जनवरी के बीच गांधीनगर में आयोजित होने वाला है।

इस निवेशक सम्मेलन के आयोजन की शुरूआत गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री एवं देश के मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में हुई थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में कहा था, ह्याब हमने वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन शुरू किया था तो हमारा इरादा गुजरात को देश की प्रगति का विकास इंजन बनाना था। भारत के क्षेत्रफल का सिर्फ छह प्रतिशत और पांच प्रतिशत जनसंख्या वाले गुजरात ने औद्योगिक रूप से सर्वाधिक विकसित राज्यों में से एक होने का गौरव हासिल किया है।

गुजरात के अर्थशास्त्री हेमंत शाह ने कहा, ह्राज्य की जीडीपी वृद्धि दर भारत की जीडीपी वृद्धि दर से अधिक थी। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में अन्य राज्यों की जीडीपी वृद्धि दर बढ़ी, लेकिन हमारी आर्थिक वृद्धि दर अन्य राज्यों की तुलना में अधिक रही। इसी वजह से कारोबारी घराने निवेश के लिए गुजरात का रुख करते हैं। वित्त वर्ष 2021-22 के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण क्षेत्र की गुजरात के जीएसडीपी (सकल राज्य घरेलू उत्पाद) में लगभग 36.7 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (जीसीसीआई) की कार्यकारी समिति के सदस्य सचिन के पटेल ने कहा कि राज्य सरकार की व्यापार-अनुकूल नीतियों ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र को बढ़ावा देने का काम किया है।

गुजरात सरकार की एक विज्ञप्ति के मुताबिक, इस आर्थिक वृद्धि का रोजगार और श्रमिकों के जीवन स्तर पर बदलावकारी प्रभाव पड़ा है।

निश्चित अवधि पर होने वाले श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2020-21 में गुजरात में श्रम बल भागीदारी दर 44.3 प्रतिशत, श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) 43.3 प्रतिशत और बेरोजगारी दर प्रमुख औद्योगिक राज्यों में सबसे कम 2.2 प्रतिशत थी।

राजधानी में कड़ाके की ठंड के बीच येलो अलर्ट जारी

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में अब ठंड के साथ-साथ कोहरा भी बढ़ाएगा। मौसम विभाग का अनुमान है कि शनिवार को दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में मध्यम से घना कोहरा देखने को मिल सकता है। इसके चलते शनिवार और रविवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, शुक्रवार को ज्यादातर हिस्सों में शीत दिवस की स्थिति बनी रही।

दिल्ली के लोग पिछले तीन दिनों से कड़ाके की ठंड का सामना कर रहे हैं। धूप नहीं निकलने के चलते शुक्रवार की सुबह दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में ठिठुरन बनी रही। ठंडी हवाओं और गलन के चलते दोपहिया वाहन चालकों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। मानक वेधशाला सफदरजंग में दिन का अधिकतम तापमान 14.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया जो कि सामान्य से पांच डिग्री कम है। न्यूनतम तापमान दस डिग्री से नीचे होने और अधिकतम तापमान सामान्य से साढ़े चार डिग्री से लेकर साढ़े छह डिग्री तक कम होने पर उसे शीत दिवस यानी कोल्ड डे की स्थिति माना जाता है। जबकि, न्यूनतम तापमान 9.5 डिग्री सेल्सियस रहा जो कि सामान्य से तीन डिग्री ज्यादा है। यहां पर आर्द्रता का स्तर 93 से 86 फीसदी तक रहा।

दिल्ली का जाफरपुर इलाका शुक्रवार को सबसे ज्यादा ठंडा रहा। यहां का अधिकतम तापमान 13.1 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। जबकि, रिज मौसम केन्द्र का अधिकतम तापमान 13.2, पालम का 13.8 और मयूर विहार मौसम केन्द्र का अधिकतम तापमान 13.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

न्यूनतम तापमान सामान्य से ज्यादा रहा

दिल्ली में इस समय मौसम की एक अलग ही परिघटना देखने को मिल रही है। सफदरजंग मौसम केन्द्र में न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री ज्यादा रहा। जबकि, अधिकतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री कम रिकार्ड किया गया। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक जब आसमान साफ रहता है तो न्यूनतम तापमान में ज्यादा गिरावट होती है क्योंकि दिन भर की गर्मी का विसर्जन हो जाता है। लेकिन, आसमान खुला नहीं होने पर यह गर्मी वायुमंडल में बनी रह जाती है और न्यूनतम तापमान में ज्यादा गिरावट नहीं आती है।

मौसम की तीन परिघटनाओं से सर्दी बढ़ रही

प्रादेशिक मौसम पूवार्नुमान केन्द्र के निदेशक कुलदीप श्रीवास्तव बताते हैं कि मौसम के तीन कारकों की वजह से दिल्ली में दिन के समय कड़ाके की ठंड देखने को मिल रही है। दिल्ली में इस समय हवा उत्तरी पश्चिमी दिशा से आ रही है जो कि अपने साथ उच्च हिमालयी क्षेत्रों की ठंडक ला रही है। जबकि, सतह से पचास से सौ मीटर ऊपर कोहरे की परत जमी हुई है। इसके चलते सतह तक धूप नहीं पहुंच रही है।

राज्यसभा में दिल्ली देहात के 360 गांवों की अनदेखी भारी पड़ेगी- चौ0 सुरेन्द्र सोलंकी

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी की तरफ से अपने तीन राज्यसभा उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किए जाने के बाद से दिल्ली देहात के पूरे क्षेत्र से भारी नाराजगी सामने आ रही है। चौधरी सुरेन्द्र सोलंकी की अध्यक्षता में आज दिल्ली के झाडोदा कलाँ गांव में पालम-360 के सभी तपेदारों की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई जिसमें आम आदमी पार्टी के नामित राज्यसभा उम्मीदवारों में से एक भी दिल्ली देहात से ना लिए जाने का कड़ा विरोध किया गया। इस बारे में पालम-360 के प्रधान चौधरी सुरेंद्र सोलंकी ने कहा कि दिल्ली देहात के 360 गांवों का देश के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत में गौरवशाली योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे पुरखों ने मुगलों से लेकर अंग्रेजों तक के खिलाफ देश की लड़ाई लड़ी है, मगर आज जिस तरह से दिल्ली के सत्ताधारी दल आम आदमी पार्टी ने अपने तीनों राज्यसभा उम्मीदवारों में दिल्ली देहात के 360 गांव के 36 बिरादरी में से किसी एक को भी प्रतिनिधित्व देना उचित नहीं समझा। इससे यहां के सभी लोगों में काफी आक्रोश और निराशा है। चौधरी सुरेंद्र सोलंकी ने कहा कि दिल्ली के विधानसभा चुनाव हों या एमसीडी के चुनाव, दिल्ली देहात के लोगों ने आम आदमी पार्टी को कई विधायक और पार्षद जीता कर दिए हैं, मगर आज जब राज्यसभा में प्रतिनिधित्व देने की बात आई तो आम आदमी पार्टी ने पूरे दिल्ली देहात के क्षेत्र के लोगों और 360 गांवों की अनदेखी कर दी है। निश्चित रूप से इसका खामियाजा आने वाले चुनाव में आम आदमी पार्टी को भुगतना पड़ेगा। आपको बता दें कि इस महत्वपूर्ण बैठक में शामिल चौ धारा सिंह प्रधान बवाना 52, चौ नरेश प्रधान लाडोसराय 96, धर्मपाल भारद्वाज मुंढेला, राव त्रिबूहन सिंह सुरेहडा 17, राजेन्द्र डागर अध्यक्ष ग्राम सुधार समिति झाड़ौदा कलाँ सहित मौजूद सभी गणमान्य लोगों और गांव देहात के प्रतिनिधियों ने आम आदमी पार्टी के इस निर्णय पर अपना घोर विरोध जाहिर करते हुए आने वाले लोकसभा चुनाव में पार्टी को इसका सबक सिखाने की बात कहते नजर आए।

महापौर शैली ओबराय ने अधिकारियों के साथ किया भजनपुरा वार्ड का निरीक्षण

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मेयर डॉ. शैली ओबरॉय ने शुक्रवार को शाहदरा उत्तरी क्षेत्र के वार्ड 230 भजनपुरा क्षेत्र का निरीक्षण किया। मेयर दिल्ली के सभी वार्डों में नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से लगातार विभिन्न वार्डों का दौरा कर रही हैं। इस दौरान मेयर ने गोकुलपुर ड्रेन पर एक पुलिया के निर्माण कार्य का उद्घाटन भी किया। इस दौरान पार्षद रेखा रानी ने मेयर को गोकुलपुर ड्रेन की समस्या के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि ड्रेन खुली है और इसमें कूड़ा चला जाता है, जिससे यह ड्रेन कूड़े से पटी रहती है। ऐसे में पार्षद रेखा ने मांग की इस ड्रेन को कवर कर दिया जाये। जिससे लोग इसमें कूड़ा ना डाल सकें। मेयर डॉ शैली ओबरॉय ने कहा कि स्थानीय लोगों के समस्या के मद्देनजर 6 महीनों के भीतर ड्रेन को कवर करवाया जाएगा। इससे लोगों को सुविधा भी होगी और सुरक्षा भी मिलेगी। इसके लिए जल्द प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके अलावा वरिष्ठ नागरिक केंद्र में सीनियर सिटीजन के लिए उपयुक्त इंतजाम किये जाएं। यहां पर जल्द ही लाइब्रेरी बनाई जाये जिससे ना केवल सीनियर सिटीजन बल्कि बच्चों के लिए पढ़ने के लिए उपयुक्त जगह मिल सके। भजनपुरा वार्ड में एक भी डिस्पेंसरी नहीं है, जिससे लोगों को काफी दिक्कतें आती हैं। हफ्ते में दो बार मोबाइल डिस्पेंसरी आती है, लेकिन बहुत भीड़ हो जाती है और सभी की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताएं पूरी नहीं हो पाती हैं। इस समस्या को दूर करते हुए मेयर डॉ शैली ओबरॉय ने कहा कि वार्ड में एमसीडी का ऑफिस है, जिसमें 4 कमरे हैं। यहां पर डिस्पेंसरी बनाई जा सकती है। मेयर ने एमसीडी ऑफिस मे डिस्पेंसरी बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है और इस दिशा में प्रमुखता से कार्य करने की आवश्यकता है। इसके अलावा मेयर ने एमसीडी स्कूल का दौरा किया और मिड डे मील, पानी की उपलब्धता, टीचर्स की उपलब्धता, स्टेशनरी, स्कूल बैगस, सीसीटीवी कैमरे आदि के बारे में बात की। साथ ही एमसीडी पार्क में चारदीवारी बनाने के लिए कहा। इस मौके पर शाहदरा उत्तरी क्षेत्र के उपायुक्त, संजीव कुमार मिश्रा सहित वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित थे। पूर्व विधायक श्रीदत्त शर्मा तथा स्थानीय पार्षद रेखा रानी उपस्थित रहे।

शिक्षा मंत्री आतिशी ने किया पूर्वी विनोद नगर में बन रहे स्कूल का निरीक्षण

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। पूर्वी विनोद नगर, पटपड़गंज में बन रही स्कूल बिल्डिंग का शुक्रवार को शिक्षा मंत्री आतिशी ने पीडब्ल्यूडी व शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। पूर्वी विनोद नगर स्कूल की नई स्कूल स्कूल अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगी, जहाँ बच्चों के लिए स्मार्ट क्लासरूम, शानदार लैब, लाइब्रेरी, लिफ्ट सहित अन्य वर्ल्ड-क्लास सुविधाएँ मौजूद होंगी। इस स्कूल का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। निरीक्षण के दौरान शिक्षा मंत्री आतिशी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि, जल्द से जल्द बचे हुए निर्माण कार्य को पूरा किया जाए ताकि नए सत्र में बच्चे अपने स्कूल की चमचमाती नई बिल्डिंग में पढ़ सकें।

इस मौके पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि दिल्ली शिक्षा क्रांति के जनक मनीष सिसोदिया जी के विधानसभा में बनकर तैयार हो रही ये शानदार स्कूल हर बच्चे तक वर्ल्ड-क्लास शिक्षा पहुंचाने के विजन का हिस्सा है। अपने हर नए शानदार स्कूल के साथ हम इस विजन को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ते जा रहे है। उन्होंने कहा कि इस स्कूल की शानदार बिल्डिंग जो शिक्षा को लेकर केजरीवाल सरकार की गंभीरता और प्राथमिकता का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि, जब मैंने इस स्कूल की ड्राइंग को देखा था तो ऐसा लग रहा था मानो ये अमेरिका के किसी टॉप यूनिवर्सिटी की बिल्डिंग हो। उन्होंने कहा कि हमारे बच्चे सर्वश्रेष्ठ शिक्षा के हकदार हैं और उन्हें विश्व स्तरीय शैक्षणिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए हम इस शानदार स्कूल का निर्माण कर रहे हैं।

मुझे खुशी है कि इस क्षेत्र के लगभग 5000 बच्चों को एक शानदार सरकारी स्कूल बिल्डिंग मिलने जा रही है। कभी इस स्कूल को लोग 'टेंट वाला स्कूल' कहते थे लेकिन नई बिल्डिंग बनने के बाद लोग इसे 'अमेरिका के यूनिवर्सिटी जैसी बिल्डिंग वाले स्कूल' के नाम से जानेंगे। और यहां पढ़ने वाला या इसमें पहले पढ़ चुका हर छात्र इसपर गर्व करेगा। उन्होंने कहा कि, मनीष सिसोदिया जी ने इस बिल्डिंग के डिजाइन को अपने मार्गदर्शन में तैयार करवाया था। बेशक आज उन्हें झूठे केस में जेल में रखा गया है लेकिन शिक्षा के उनके सपने को जेल में नहीं डाला जा सकता। मनीष सिसोदिया जी ने शिक्षा को लेकर जो भी सपने देखे हैं वो जरूर पूरे होंगे। और इस स्कूल में पढ़ने वाले छात्र न केवल खुद को और अपने परिवार को बल्कि मनीष सिसोदिया जी को भी गौरवान्वित करेंगे।

बता दें कि स्कूल की नई बन रही इमारत चार मंज़िला होगी जिसमें 101 कमरे होंगे। स्कूल स्मार्ट क्लासरूम, लैब-लाइब्रेरी, लिफ्ट, एक्टिविटी रूम सहित अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। निरीक्षण के दौरान शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए है कि बचे हुए निर्माण कार्य को जल्द पूरा किया जाए ताकि नये सत्र में स्कूल क्षेत्र के बच्चों को समर्पित किया जा सके।

चोरी की बाइक पर स्नैचिंग करने वाले 3 बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। स्नैचिंग की ताबड़तोड़ वारदात करने वाले तीन बदमाश को सीमापुरी थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में इशु उर्फ मयंक, इमरान और जावेद उर्फ मोंटू है। इशु पर तीन और इमरान पर 20 मामले दर्ज है। पुलिस ने इनके पास से बाइक और मोबाइल बरामद किए है। इनकी गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने चार मामले सुलझाने का दावा किया है। पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

एडिशनल डीसीपी राजीव कुमार ने बताया कि 1 जनवरी को सीमापुरी थाना इलाके में मोबाइल फोन छीनने की एक कॉल मिली थी। इसके कुछ देर बाद जीटीबी एंक्लेव थाना इलाके में एक और कॉल मिली। सीमापुरी थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू किया गया। आरोपियों को पकड? के लिए एसएचओ विनय यादव के नेतृत्व में टीम बनाई गई। टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। टीम ने 25 किलोमीटर के अंदर लगे 100 से अधिक कैमरों की फुटेज खंगाली। कैमरे में शिकायतकर्ता को एक बाइक पर सवार दो आरोपी पीछा कर रहे थे। पुलिस को फुटेज की मदद से बाइक का नंबर मिला।

आम आदमी पार्टी लगातार नागरिकों पर करो का बोझ बढ़ती जा रही है : राजा इकबाल सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम में नेता विपक्ष व पूर्व महापौर राजा इकबाल सिंह से आज बताया की आम आदमी पार्टी द्वारा शासित दिल्ली नगर निगम ने भूमि एवं विकास कार्यालय/संपदा निदेशालय द्वारा हस्तांतरित संपत्तियों के जमीनी किराये में संशोधन कर कई गुना तक बढ़ा दिया है।

उन्होंने बताया कि इससे कुल 79 मार्केट प्रभावित होंगे जहाँ पर दिल्ली नगर निगम में कई गुना तक जमीनी किराया बढ़ा दिया है। उन्होंने बताया कि आम आदमी पार्टी ने आज तक इन मार्केट में किसी भी प्रकार का मरम्मत का कार्य नहीं करवाया है मगर आज दिल्ली नगर निगम इन सभी मार्केट से कई गुना जमीनी शुल्क वसूलने की तैयारी में है। राजा इकबाल सिंह ने बताया कि जब से आम आदमी पार्टी ने दिल्ली नगर निगम की सत्ता हासिल की है तब से इन लोगों ने विभिन्न प्रकार से नागरिकों का शोषण करने का कार्य किया है। आम आदमी पार्टी लगातार विभिन्न करों को बढ़ाती जा रही है जिसकी सीधी मार नागरिकों पर पड़ रही है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में आम आदमी पार्टी अपने बजट में विभिन्न करों को और बढ़ाने की तैयारी कर रही है जिसका सीधा असर नागरिकों पर पड़ेगा। आम आदमी पार्टी को निगम के सत्ता प्राप्त किए हुए लगभग एक साल हो चुका है मगर इन्होंने आज तक नागरिकों के लिए कोई विकास कार्य या जनहित का कोई कार्य नहीं किया है। जिसके कारण आम नागरिक व व्यापारी वर्ग काफी परेशान हैं। आम आदमी पार्टी नागरिकों को संपत्तिकर, सेल्फ साईन्ज के नोटिस भेजकर डराने धमकाने का कार्य कर रही है। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी के शासन काल में दिल्ली नगर निगम में भ्रष्टाचार नई सीमाएं छू रहा है, कर्मचारियों को समय से वेतन नहीं मिल रहा, अधिकारी निरंकुश हो गए हैं, जगह जगह कूड़े के ढेर लगे हुए हैं व नागरिकों से आए दिन किसी न किसी रूप में वसूली की जा रही है।

गृह मंत्रालय ने दिल्ली सरकार के अस्पतालों में 'घटिया' दवाओं के मामले की सीबीआई जांच के आदेश दिए

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने दिल्ली सरकार के अस्पतालों में 'घटिया' दवाओं की आपूर्ति के मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने का आदेश दिया है।

सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक, सीबीआई जांच करेगी कि क्या मोहल्ला क्लीनिक के माध्यम से इन दवाओं का वितरण किया गया है नहीं। पिछले वर्ष दिसंबर में दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के.सक्सेना ने गृह मंत्रालय से मामले की सीबीआई जांच की सिफारिश की थी।

सक्सेना ने कहा कि ये दवाएं कथित तौर पर गुणवत्ता मानक परीक्षण में विफल रहीं और दिल्ली सरकार द्वारा चलाए जा रहे अस्पतालों में लोगों की जान के लिए संभावित खतरा बन सकती थीं। दिल्ली सरकार के सतर्कता निदेशालय ने जांच का अनुरोध करते हुए गृह मंत्रालय को पत्र लिखा था। पत्र के मुताबिक, 'इस बात की भी जांच होनी चाहिए कि क्या जो दवाएं केंद्रीय खरीद एजेंसी (सीपीए) ने खरीदी हैं, वही दवाएं ह्यमोहल्ला क्लीनिकह्न के जरिए मरीजों को बांटी भी जा रही हैं या नहीं। पत्र में कहा गया कि ह्यघटियाह्न दवाओं की आपूर्ति के लिए कोई भी कार्रवाई सीपीए तक सीमित नहीं होनी चाहिए और इन दवाओं की आपूर्ति करने वाली सभी कड़ियों की जांच की आवश्यकता है।

पत्र में कहा गया है कि साथ ही उन आपूर्तिकताओं की भूमिका की भी जांच की जानी चाहिए, जिन्होंने दवा बनाने वाली कंपनियों से दवाएं खरीदीं और अंतिम उपयोगकर्ता यानी अस्पताल (मरीज) को प्रदान की।

सतर्कता निदेशालय ने पत्र में कहा, 'इसके अलावा 'घटिया' दवाओं की आपूर्ति के मामले की गंभीरता और उद्देश्यों को समझने के लिए कॉर्पोरेट संबंधों से पर्दा उठाने की जरूरत है।

अधिकारियों के अनुसार, जो दवाएं 'घटिया गुणवत्ता' की पाई गईं, उनमें फेफड़े और मूत्र मार्ग के संक्रमण (यूटीआई) के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली महत्वपूर्ण जीवन रक्षक एंटीबायोटिक जैसे सेफैलेक्सिन शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस सूची में डेक्सामेथासोन (स्टेरॉयड) भी शामिल है, जिसका उपयोग फेफड़ों व जोड़ों में गंभीर सूजन और शरीर में सूजन को ठीक करने के लिए किया जाता है। इसके अलावा मिर्गी रोधी लेवेतिरसेटम और उच्च रक्तचाप (हाई ब्लड प्रेशर) की दवा एमलोडेपिन भी शामिल है।

उपराज्यपाल के समक्ष दाखिल सतर्कता विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, 43 दवाओं के नमूने सरकारी प्रयोगशाला भेजे गए थे, जिनमें से तीन मानकों पर खरी नहीं उतरीं और 12 की रिपोर्ट लंबित है। इनके अलावा 43 अन्य नमूनों को निजी प्रयोगशाला भेजा गया था, जिसमें से पांच मानकों पर खरा नहीं उतरे। एमलोडेपिन, लेवेतिरसेटम और पैंटोप्राजोल जैसी दवाएं सरकारी व निजी दोनों प्रयोगशालाओं में मानकों पर खरी नहीं उतरीं। वहीं सेफैलेक्सिन और डेक्सामेथासोन निजी प्रयोगशालाओं में हुए परीक्षणों में घटिया साबित हुईं। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने इस मामले को लेकर शहर के स्वास्थ्य सचिव के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

एक नजर

सौरभ भारद्वाज की पीसी पर प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा सचिव सुश्री बांसुरी स्वराज ने कहा है कि मंत्री सौरभ भारद्वाज को दिल्ली सरकार के अस्पतालों से वितरित चिकित्सा मानक गुणवत्ता पर घटिया दवाओं पर बेशर्म बचाव करने की कोशिश करते देखना चौंकाने वाला है। यह खेदजनक है कि वह यह कहने की कोशिश कर रहे हैं कि जो दवाएं चिकित्सा मानकों के अनुरूप नहीं हैं, वे नकली या घटिया नहीं हैं। मैं मंत्री भारद्वाज से पूछना चाहती हूं कि क्या वह चाहते हैं कि मरीज ऐसी दवाएं खाएं जो चिकित्सा मानकों के अनुरूप नहीं हैं। इस तरह का बेशर्म बचाव करने से पहले उन्हें यह समझना चाहिए कि दवाएं मरीजों को ठीक करने के लिए दी जाती हैं और जो दवाएं चिकित्सा मानकों पर खरी नहीं उतरतीं, वे मरीजों को कैसे ठीक कर सकती हैं। इसलिए ये नकली दवाओं के अलावा कुछ नहीं हैं। सुश्री बांसुरी स्वराज ने कहा है कि जब यह घोटाला पहली बार सामने आया था तो सौरभ भारद्वाज ने कहा था कि स्वास्थ्य सचिव को निलंबित किया जाना चाहिए क्योंकि वह चिकित्सा मानक से नीचे की दवाओं के वितरण के लिए जिम्मेदार हैं लेकिन आज वह उन्हीं दवाओं का बचाव कर रहे हैं। सुश्री बांसुरी स्वराज ने कहा है कि ऐसा लगता है कि मंत्री भारद्वाज अब सी.बी.आई. जांच के आदेश के बाद इन दवाओं का बचाव कर रहे हैं क्योंकि उन्हें पता है कि अब उनके पूर्ववर्ती मंत्री मनीष सिसौदिया और उन पर भी इस घोटाले में मुकदमा चलेगा।

फर्जी पासपोर्ट के साथ दो ईरानी नागरिक पकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। आईजीआई एयरपोर्ट से दो ईरानी नागरिकों को सीआईएसएफ ने फर्जी पासपोर्ट के साथ पकड़ा है। आरोपियों के पास से बुलगेरिया के फर्जी पासपोर्ट बरामद हुए हैं, जबकि उनके मोबाइल में ईरान के पासपोर्ट थे। वह फर्जी पासपोर्ट की मदद से पेरिस जाने का प्रयास कर रहे थे। सीआईएसएफ के प्रवक्ता अखिलेश कुमार शुक्ला ने बताया कि शुक्रवार दोपहर उनकी सर्विलांस टीम ने चेक इन क्षेत्र में दो संदिग्ध यात्रियों को देखा। इनकी पहचान डेविड और फिलिपोव के रूप में हुई जो उनके बुलगेरिया के पासपोर्ट पर लिखा हुआ था। उन्हें विस्तारा एयरलाइंस के विमान से पेरिस जाना था। इनके सामान में कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया गया। सीआईएसएफ ने जब उनके मोबाइल देखे तो उसमें ईरान के पासपोर्ट की तस्वीरें मिली। इनमें उनका नाम किराश और फरीद लिखा हुआ था। पूछताछ में पता चला कि दोनों ईरानी नागरिक हैं और वह बुलगेरिया के फर्जी पासपोर्ट पर यात्रा करने जा रहे थे। इसी फर्जी पासपोर्ट पर वह बीते 31 दिसंबर को इस्तांबुल से दिल्ली आए थे। इनके पासपोर्ट बुलगेरिया दूतवास को दिखाए गए, जिन्होंने उसके फर्जी होने की पुष्टि की।

युवक के दिल में पांच चैंबर, सर्जरी कर बचाई जान

नई दिल्ली, एजेंसी। इंसान के दिल में चार चैंबर होते हैं लेकिन राजधानी में एक दुर्लभ मामला सामने आया है। यहां एक युवक के दिल में पांच चैंबर मिले। इससे उसकी जान पर बन आई। पटपड़गंज स्थित मैक्स अस्पताल के डॉक्टरों ने सर्जरी कर उसकी जान बचाई। इराक के 32 वर्षीय व्यक्ति ने सांस की तकलीफ और शारीरिक परिश्रम में कठिनाई महसूस होने पर स्थानीय अस्पताल में जांच कराई। इसमें पता चला कि उसके दिल में बचपन से ही पांच चैंबर हैं। इसके बाद वह इलाज के लिए भारत आया और मैक्स अस्पताल के डॉ. वैभव मिश्रा को अपनी समय बताई। डॉक्टर ने मरीज की ओपन-हार्ट सर्जरी करने का फैसला किया। प्रक्रिया के दौरान दाएं वेंट्रिकल में अतिरिक्त चैंबर को हटा दिया गया, जिससे प्रभावी ढंग से एक मानक हृदय शरीर रचना के समान एकल चैंबर में परिवर्तित कर दिया गया। डॉक्टर का कहना है कि कई बार मरीज को जन्मजात बीमारी होती है लेकिन उसके लक्षण युवा अवस्था में सामने आते हैं। ऐसे में लक्षणों को नजरदांज न करें और सही उपचार कराएं।

22 जनवरी को न खुलें शराब और मांस की दुकानें : बिधूड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन राजधानी में मांस और शराब की दुकानें बंद रखने की मांग की है। उन्होंने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से अनुरोध किया है कि इस पावन दिवस पर मांस और शराब की दुकानों को बंद रखने का आदेश जारी करें। बिधूड़ी ने कहा है कि अयोध्या में रामलला की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा समारोह की प्रतीक्षा पूरा भारतवर्ष सदियों से कर रहा है। यह एक ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण दिवस है। इस दिन राजधानी दिल्ली सहित पूरा देश राममय होगा। इस दिन की पवित्रता और गरिमा की तुलना ही नहीं की जा सकती। दिल्ली में भी तमाम मंदिरों में सजावट की जाएगी, दीप जलाए जाएंगे और लोग भक्ति रस में डूबे होंगे। ऐसे में अगर मांस और शराब की दुकानें खुलेंगी तो यह करोड़ों लोगों की भावनाओं को आहत करेंगी। बिधूड़ी ने मुख्यमंत्री केजरीवाल से मांग की है कि वह तुरंत आदेश जारी करें कि उस दिन कहीं भी शराब की बिक्री नहीं होगी और पूरी तरह से ड्राई डे रहेगा।

ट्रेन में पकड़ा गया पंजाब का वांछित बदमाश

नई दिल्ली, एजेंसी। नांदेड़ से अमृतसर जा रही सचखंड एक्सप्रेस में सफर कर रहे वांछित अपराधी को पंजाब पुलिस ने पकड़ लिया। यात्रियों के विरोध के चलते नई दिल्ली स्टेशन पर एक घंटे से ज्यादा समय तक ट्रेन खड़ी रही। किसी तरह यात्रियों को समझाया गया और गाड़ी को भेजा गया। गुरुवार दोपहर नांदेड़ से अमृतसर जा रही सचखंड एक्सप्रेस नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पहुंची। पंजाब पुलिस को सूचना मिली थी कि उनका वांछित अपराधी गुरप्रीत एस-1 कोच में सफर कर रहा है। इस सूचना पर गाड़ी के नई दिल्ली ठहरते ही पंजाब पुलिस ने उसे पकड़ लिया। वहां मौजूद यात्री इसका विरोध करने लगे। गाड़ी के चलते ही वह बार-बार चेन खींचकर गाड़ी को रोक देते। ऐसे में आरपीएफ, जीआरपी और रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे। पंजाब पुलिस ने उन्हें इस मामले से जुड़े दस्तावेज दिखाए।

सर्दी के प्रकोप में ज्यादा बढ़ता है हार्ट रोग का खतरा : डॉक्टर कालरा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में दिन व दिन सर्दी के प्रकोप से हार्ट रोग से पीड़ित मरीजों को सावधानी बरतने की जरूरत है। ये जानकारी कालरा अस्पताल के हार्ट रोग विशेषज्ञ डॉ. आर.एन कालरा ने दी। उन्होंने कहा कि सर्दी का मौसम हार्ट रोगियों के लिये हानिकारक होता है। डॉ. कालरा ने कहा कि सर्दी के मौसम में उच्च रक्त चाप से पीड़ित मरीजों को समय-समय पर हार्ट की जांच करवाते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि सीने में दर्द के साथ वाये हाथ में दर्द हो तो उसे अनदेखा नहीं करना चाहिए। मोटापा से पीड़ित लोगों को नियमित रूप से 40 मिनट का व्यायाम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि डायबीटीज तमाम बीमारियों की जड़ है। इसलिए डायबीटीज को काबू में रखें। खान पान पर विशेष ध्यान दें। तलीय पदार्थो का सेवन कम से कम करे। कोलेस्ट्रॉल को लेकर जागरुकता की जरूरत है। इसलिए कोलेस्ट्रॉल को न बढ़ने दे। डॉक्टर कालरा का कहना है की सर्दियों का मौसम अपने में गंभीर होता है और इसका हमें हमेशा ध्यान रखना चाहिए इस मौसम में दिल के रोगियों को तमाम समस्या पैदा होती है लेकिन है उन्हें नजरअंदाज कर देते हैं जो कि अपने में आत्मघाती होता है डॉक्टर कालरा कहते हैं कि इस मौसम में अपने डॉक्टर की सलाह को मनाना चाहिए डॉक्टर कालरा ने कहा की कई बार हम हृदय रोग के लक्षण को देखने के बाद भी जानबूझकर नजरअंदाज कर देते हैं जो कि अपने में बहुत खतरनाक है।

पवन हत्याकांड के मुख्य आरोपी को न्यायालय ने 60 हजार जुर्माना व आजीवन कारावास की सुनाई सजा

आकिल अली

उत्तर प्रदेश: प्राप्त जानकारी के अनुसार लगभग 3 वर्ष पूर्व नगर स्थित कोल्ड स्टोर मे क्षेत्र के ग्राम पाड़ला निवासी पवन कुमार पुत्र रमेश सिंह की किरतपुर निवासी हेमंत पुत्र चंद्रपाल निवासी मोहल्ला टीचर्स कालोनी ने पवन कुमार की पत्नी के साथ की गई छेड़खानी व कहासूनी को लेकर पवन कुमार की चाकूओ से गोद कर हत्या कर दी थी।

जिसकी विवेचना न्यायालय मे प्रेषित की गई थी 5 जनवरी दिन शुक्रवार वर्ष 2024 को न्यायालय एडीजे -एफटीसी जनपद बिजनौर द्वारा मुकदमा अपराध संख्या 49/21 धारा 302 व 354 के अभियुक्त हेमंत पुत्र चंद्रपाल निवासी टीचर्स कालोनी को न्यायालय द्वारा 60000 रूपय अर्थदण्ड व आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई।

रमेश सिंह पुत्र रामकरन सिंह निवासी ग्राम पाडला थाना किरतपुर जनपद बिजनौर ने अभियुक्त हेमन्त पुत्र चन्द्रपाल निवासी टीचर्स कॉलोनी कस्बा व थाना किरतपुर जनपद बिजनौर के विरुद्ध वादी के बेटे पवन कुमार की पत्नी से अभियुक्त द्वारा दो दिन पूर्व छेडखानी करने व कहासुनी हो जाने के फलस्वरुप को अभियुक्त हेमन्त उपरोक्त द्वारा वादी के बेटे पवन कुमार की कोल्ड स्टोरेज किरतपुर पर चाकू मारकर हत्या कर देने के संबंध में थाना किरतपुर पर मु0अ0सं0 49/21 धारा 302 भादवि पंजीकृत कराया गया था।

विवेचना के दौरान यह तथ्य प्रकाश में आये कि अभियुक्त द्वारा घटना के दो दिन पूर्व मृतक की पत्नी के साथ छेड़खानी की गई थी जिसको लेकर कहासुनी हुई थी। जिसके आधार पर अभियोग में धारा 354 भादवि की वृद्धि की गयी थी। जीत सिंह, तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक/विवेचक द्वारा साक्ष्य संकलन करते हुये उपरोक्त अभियोग में आरोप पत्र माननीय न्यायालय में प्रेषित किया गया था।

पुलिस अधीक्षक बिजनौर द्वारा उपरोक्त अभियोग की लगातार समीक्षा की गयी तथा स्थानीय पुलिस एवं मॉनिटरिंग सैल को मा0 न्यायालय में सशक्त, प्रभावी पैरवी हेतु निर्देशित किया गया, जिसके क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन में स्थानीय पुलिस एवं मॉनिटरिंग सैल द्वारा अभियोजन की कार्यवाही सम्पन्न करायी गई, जिसके परिणामस्वरुप ट्रायल के 90 दिन के अंदर दिनांक 05.01.2024 को मा0 न्यायालय एडीजे-एफटीसी । जनपद बिजनौर द्वारा मु0अ0सं0 49/21 धारा 302/354 भादवि के अभियुक्त हेमन्त पुत्र चन्द्रपाल निवासी मौ० टीचर्स कॉलोनी थाना किरतपुर जनपद बिजनौर को आजीवन कारावास व 60 हजार रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

उक्त अभियोग श्रीमान पुलिस महानिदेशक महोदय, उत्तर प्रदेश द्वारा चलाये जा रहे अभियान "ऑपरेशन कन्विक्शन" के अन्तर्गत मा० न्यायालय में सशक्त एवं प्रभावी पैरवी कर अपराधियों को अधिकाधिक सजा दिलाये जाने हेतु चिन्हित अभियोगों में सम्मिलित था। जो दोषसिद्ध अभियुक्त का नाम पता बताया जा रहा हैं। हेमन्त पुत्र चन्द्रपाल निवासी मौ० टीचर्स कॉलोनी थाना किरतपुर जनपद बिजनौर।

ग्राहक मिलन समोराह का समापन

मुकेश हरियाणी

मध्य प्रदेश: अपैक्स बैंक संभागीय शाखा सागर में ग्राहक मिलन समोराह का आयोजन श्री शिवेन्द्र देव पाण्डेय, संयुक्त आयुक्त सहकारिता के मुख्य आतिथ्य में किया गया । कार्यक्रम के प्रारंभ में श्री कमल मकात्रे, संभागीय शाखा प्रबंधक द्वारा ग्राहक मिलन समारोह के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बैंक की गतिविधियों के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गयी।

साथ ही ये भी बताया कि, बैंक में सावधि निक्षेप पर अन्य व्यवसायिक बैंको की तुलना में अधिक ब्याज प्रदाय किया जा रहा है तथा लॉकर सुविधा भी बहुत कम दर पर उपलब्ध करायी जा रही है। साथ ही बैंक की वित्तीय स्थिति की सुदृढ़ता को दशार्ते हुए बताया कि, बैंक ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में रु. 193.34 करोड़ का सकल लाभ एवं रु.128.16 करोड़ का शुद्ध लाभ अर्जित किया है एवं बैंक का नेट एन.पी.ए 1.17 प्रतिशत है जो कि, बैंको के लिए निर्धारित मानको के अनुरूप है। बैंक द्वारा सभी प्रकार के ऑनलाइन लेन-देन यथा Internet Banking, NEFT, RTGS, IMPS, UPI EUÔ Debit Card की सुविधाये प्रदान की जा रही है।

शाखा प्रबंधक द्वारा सभी सम्मानीय ग्राहकों से अपील की गयी कि, अपनी अमूल्य अमानते बैंक में रखे तथा ग्राहकों से बैंक के कार्य कलापों व सेवाओ के सम्बन्ध में सुझाव भी मांगे ताकि, ग्राहकों को श्रेष्ठतम सेवाएं प्रदान की जा सके। सभी ग्राहकों द्वारा बैंक सेवाओ की भूरि- भूरि प्रशंसा की गयी ।

मुख्य अतिथि द्वारा सहकारिता में किये जा रहे नवाचारो यथा जन-औषधि केन्द्रों की स्थापना, पैक्स कम्प्यूटराइजेशन, जन सेवा केंद्र के सम्बन्ध में विस्तार से सभी को अवगत कराते हुए सहकारिता से जुड़ने का आव्हान किया तथा ग्राहकों से अपील की कि बैंक की सेवाओ का अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करे। कार्यक्रम के अंत में श्री शिवम् जैन, सहायक प्रबंधक द्वारा सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए उपहार वितरित किये गए। कार्यक्रम का संचालन श्री सुशील कुमार शुक्ला द्वारा किया गया।

लोगों को पूजित अक्षत देकर किया गया आमंत्रित

अक्षय कुमार प्रजापति

राजस्थान: 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान राम के मंदिर में भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इस ऐतिहासिक अवसर को लेकर कस्बे में भी उत्साह का माहौल होगा। इस अवसर पर मंदिर के समारोह में शामिल होने के लिए घर घर पूजित अक्षत देकर लोगों को आमंत्रित किया जा रहा है और यह भी बताया जा रहा है कि, आप 22 जनवरी को 11:00 से 1:00 बजे तक अपने आसपास के मंदिर को ही अयोध्या मानकर मंदिर में स्थित देवी देवताओं की स्तुति करनी है।

सुंदरकांड, हनुमान चालीसा, भजन, कीर्तन, आरती, पूजा तथा 'श्री राम जय राम जय जय राम' इस विजय मंत्र का 108 बार सामूहिक जाप कर सकते है और इस ही तरह कस्बे के प्रत्येक घर में अयोध्या से आए पत्रक, मंदिर चित्र, पूजित अक्षत, वितरित किए जा रहे हैं ।

रावतों के बड़े गाँव बहीन में राम अन्न कलश यात्रा का किया गया भव्य आयोजन

हेमन्द्र

हरियाणा: केबीसी संस्था के सचिव हुक्मसिंह रावत ने बताया कि आज दिनांक 6 जनवरी को रावत पाल के गाँव बहीन के बड़े बंगला से रामोत्सव के उपलक्ष्य में राम कलश यात्रा आयोजित की गई। यात्रा के समापन पर वनखडी आश्रम में कलश स्थापित किया। बाँके बिहारी मन्दिर में भी कलश की स्थापना हुई ।

इस यात्रा का आयोजन समस्त ग्रामवासी बहीन और केबीसी संस्था द्वारा दैनिक जागरण के सहयोग से डा० शिवसिंह रावत के मार्गदर्शन में किया गया। यात्रा में महिलाओं, बच्चों, युवाओं एवं बुजुर्गों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। ह्लसियावर रामचंद्र जी की जय ह्ल के नारों की गूंज से लोगों का उत्साह देखने लायक था। सैंकड़ों की संख्या में महिलाओं ने भगवान राम जी के भजन कीर्तन के साथ नृत्य भी किया। सभी महिलाओं ने श्रद्धा अनुसार अन्न दान किया।

डा० शिवसिंह रावत ने रामोत्सव के अवसर पर कहा कि आजादी के अमृत काल में हम सभी को मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के द्वारा स्थापित आदर्शों पर चलने का प्रयास करना चाहिए। आज जब जमीन जायदाद के लिए भाई भाई का दुश्मन बन गया है। वहीं भगवान राम अपने पिता के प्रण को पूरा करने के लिये राजा की गद्दी को छोड़कर वनवास चले गए। वहीं भरत ने त्याग का परिचय देते हुए अपने भाई राम की खड़ाऊँ रखकर राज्य चलाया।

डा० शिवसिंह रावत ने बताया कि इस पावन दिन पर आज उनका 59वां जन्मदिन भी है। और भगवान राम की कृपा से आज उनको कलश स्थापित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। डा० रावत ने आज के कार्यक्रम में लोगों से अपील करते हुए कहा कि, हम सबको 'एक मुट्ठी अन्न राम का नाम' कार्यक्रम में श्रद्धा अनुसार अन्न का दान भगवान श्री राम के लिए अवश्य करना चाहिए। विक्रम सिंह सरपंच ने भी लोगों से अन्न दान की अपील की। यात्रा में वनखडी आश्रम के महंत लक्ष्मीनांद का आशीर्वाद मिला। यात्रा में सरपंच विक्रम सिंह, रत्नसिंह सरपंच, पं मांगेराम, रतीराम मेम्बर, मा० रामफल, शेरा, अमरचंद, गोपाल और केबीसी संस्था की उपाध्यक्ष वन्दना रावत, एडवोकेट अभयसिंह रावत, रविन्द्र और संजय पुलिस यात्रा में उपस्थित रहे।

एक नजर

'सम्पूर्ण समाधान में न बढ़ते कोई लापरवाही' कुशीनगर जिलाधिकारी उमेश मिश्रा

श्रवण कुमार, उत्तर प्रदेश: जनपद कुशीनगर 6 जनवरी, जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने जनपद के समस्त अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायत को निर्देशित किया है कि सम्पूर्ण समाधान दिवस शासन के सर्वोच्च प्राथमिकताओं का कार्यक्रम है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नही है। प्रत्येक माह रोस्टर के अनुसार थाना समाधान दिवस का आयोजन होता है। जिसमें आपसे सम्बन्धित काफी संख्या में शिकायते प्राप्त हो रही है, जिनका निस्तारण मौके पर नहीं हो पा रहा है। उन्होंने उक्त समस्त को निर्देशित किया है कि प्रत्येक माह में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस/थाना समाधान दिवस में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर शिकायतो का गुणवत्तापरक निस्तारण करना सुनिश्चित करें।

प्रयागराज में 1 करोड़ रूपए की अवैध नशीली दवाएं जब्त

उत्तर प्रदेश: प्रयागराज में अवैध रूप से चल रहे नशीली दवाओं के कारोबार को नारकोटिक्स विभाग ने छापा मारकर पकड़ लिया है ।

प्रयागराज के सोहबतिया बाग में यह धंधा चलाया जा रहा था। जिसका पता दिल्ली नारकोटिक्स विभाग को पता लगने के बाद यह कार्यवाही शुक्रवार को की गई। यह कारोबार विपुल तिवारी नामक व्यक्ति के द्वारा चलाया जा रहा था। यह डॉक्टरो के नाम पर फर्जी दवाये मंगवा कर मेडिकल स्टोर वालो को सस्ते दाम पर बेचा करता था। इसके पकड़े जाने के बाद मेडिकल संचालको में भी खलबली मची हुई है।

राजगढ़ कस्बे में लगा ई-केवाईसी का कैंप

प्रदीप शर्मा, राजस्थान: राजगढ़ कस्बे के वार्ड नंबर 13 स्थित कोतवाल गली इमली नीचे हनुमान जी मंदिर में ई-केवाईसी का कैंप लगाकर सभी 35 वार्डों की ई-केवाईसी का काम किया जा रहा है। दूसरा कैंप सोमवंशी धर्मशाला में ई-केवाईसी आयुष्मान भारत कार्ड की की जा रही है। इसमें आयुष्मान कार्ड ई-केवाईसी के संचालक श्री मांगे लाल जी मीणा एवं अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

ई-केवाईसी के लिए काफी समस्या भी आ रही हैं। क्यों के खाद्य सुरक्षा में नाम होने के बावजूद भी उनका इसमें ई केवाईसी नहीं हो पा रही है। पूछने पर बताया गया कि, आगामी आदेश के बाद ही पता लग सकेगा। जिसमें वार्ड नंबर 1389 तेज प्रकाश गुप्ता पुत्र रघुनंदन गुप्ता वार्ड नंबर तेरे सत्यनारायण की गली निवासी हैं। इनका खाद्य सुरक्षा में नाम भी जुड़ा हुआ है। यह भी आयुष्मान कार्ड के लिए ई केवाईसी करवाने आए हुए थे। वहां पर इनका नाम चेक किया गया। जिसमें इनका नाम नहीं मिला है। ऐसे काफी संख्या में नाम है। जिनके साथ यह दिक्कतें आ रही है एवं साहित्य भी बहुत धीरे चल रही हैं। जिसकी वजह से भारी असुविधा वह भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

विद्युत विभाग के विजिलेंस टीम ने चलाया चेकिंग अभियान

अनुप कुमार, उत्तर प्रदेश: अहरौरा नगर में विद्युत विभाग के विजिलेंस अधिकारी राजेश सिंह व अवर अभियंता पंचधारी सिंह के टीम द्वारा अहरौरा नगर के विभिन्न वार्डों में जाकर घर-घर चेकिंग कर बकाया धनराशि पर विद्युत विच्छेदन किया गया।

वहीं आरसी कटे हुए उपभोक्ताओं के घर जाकर जल्द से जल्द जमा करने के लिए कहा और पोल से लाइट काट दिया गया। उपस्थित रहने वालो में अवर अभियंता पंचधारी पटेल, कमलेश सिंह, प्रवीण सिंह, संदीप कुमार, छोटू यादव, उमेश तिवारी, भानु यादव, सुशील कुमार, अरविंद कुमार समांतक प्रजापति अनिल त्यागी आदि रहे।

अनुष्का कैलाश वाल्के को स्वर्ण पदक जीतने पर दी गई बधाई

महेश सिंधी

महाराष्ट्र: खेलो इंडिया सेंटर आष्टी की तीरंदाजी खिलाड़ी अनुष्का कैलाश वाल्के महात्मा ज्योतिबा फुले हाई स्कूल और जूनियर स्कूल आष्टी 14 दिसंबर 2023 को गुजरात में आयोजित एस जी एफ आई अंडर-14, 67 वें तीरंदाजी राष्ट्रीय स्कूल खेलों में एक टीम सुवर्ण पदक जीतने पर तीरंदाजों को हार्दिक बधाई और माता-पिता को बधाई।

इन छात्रों ने भारतीय खेल वर्ग में कांस्य पदक भी जीते हैं। यह आष्टी और गढ़चिरौली के निवासियों के लिए बहुत गर्व की बात है। इस अवसर पर जिला खेल अधिकारी गढ़चिरौली प्रशांत डोंडल सहायक अधिकारी घनश्याम वरारकर, तालुका खेल अधिकारी प्रिलिक उइके, तालुका खेल अधिकारी बड़केलवार ने कुमारी अनुष्का वलके को बधाई दी।

खेलो इंडिया सेंटर आष्टी में नियमित अभ्यास करने के कारण अनुष्का वाल्के इस लक्ष्य को साबित करने में सफल रहीं। उन्होंने अपनी सफलता का पूरा श्रेय महात्मा ज्योतिबा फुले कला महाविद्यालय आष्टी के शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रमुख डॉ. श्याम कोरडे को दिया है और खेल शिक्षक सुशील अवसरमोल, रोशन सोलंके, कौमुदी श्रीरामवार, नितेश डोके पूजा दोर्लिकर ने भी समय-समय पर उनका मार्गदर्शन किया है।

इस अवसर पर वन वैभव शिक्षण संस्थान अहेरी के उपाध्यक्ष माननीय बबलू भैया हकीम एवं शाहीन भाभी हकीम उन्होंने अनुष्का वाल्के को उनके प्रदर्शन के लिए बधाई दी और राष्ट्रीय खेलों में उनकी सफलता की कामना की। इस अवसर पर महात्मा ज्योतिबा फुले हाई स्कूल एवं जूनियर कॉलेज आष्टी के प्राचार्य शैलेन्द्र खराती, महात्मा ज्योतिबा फुले कला महाविद्यालय आष्टी के प्राचार्य संजय फुलजेले, पर्यवेक्षक केजी बेस वरिष्ठ लिपिक राजूभाऊ पोटवार एवं समस्त शिक्षण स्टाफ एवं गैर-शिक्षण स्टाफ ने बधाई कर्मचारियों ने अनुष्का की प्रशंसा की है और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी है।

मध्य प्रदेश: शहडोल स्कूल शिक्षा विभाग ने किया खेल प्रतियोगिता का आयोजन

दिशेन्द्र विश्वकर्मा

मध्य प्रदेश: शहडोल सहदेव सिंह मेरावी संयुक्त संचालक लोक शिक्षण शहडोल संभाग एवं फूल सिंह मारपाची, जिला शिक्षा अधिकारी शहडोल के निर्देशन में 10वीं स्कूल शिक्षा विभाग डिपार्टमेंट राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता 2023 -24 के लिए शहडोल संभाग की टीम का चयन के लिए प्रतियोगिता का आयोजन 05 जनवरी 2024 को प्राचार्य आरडी प्रजापति, की देख रेख मे शासकीय उत्कृष्ट उत्तर माध्यमिक विद्यालय व्यौहारी खेल मैदान में कराया गया।

जिसमें क्रिकेट,(लेदरबाल) वॉलीबॉल, कबड्डी, बैडमिंटन, एथलेटिक्स, के शहडोल एवं उमरिया जिले के खिलाड़ियों को आपस में मैच खिलाकर उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर शहडोल संभाग टीम का गठन, चयन समिति द्वारा किया गया। खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते आर डी प्रजापति, प्राचार्य उत्कृष्ट विद्यालय व्यौहारी साथ में रईस अहमद सहायक संचालक खेल एन. आई .एस. फुटबॉल कोच द्वारा प्रतियोगिता में भाग ले रहे खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया।

चयनित खिलाड़ी राज्य स्तरीय की प्रतियोगिता में भाग लेंगे । क्रिकेट(लेदरबॉल) 19 से 22 जनवरी 2024 तक ग्वालियर, में वॉलीबॉल ,कबड्डी, एथलेटिक्स, 14 से 16 जनवरी 2024 तक सीहोर, में टेबल टेनिस ,बैडमिंटन 28 से 30 जनवरी 2024 तक सागर, में आयोजित होगी। इस प्रतियोगिताओं में शिक्षा विभाग में कार्यरत शासकीय कर्मचारी अधिकारी खिलाड़ी ही भाग ले सकते हैं।

जम्मू कश्मीर: राशन लेने पहुंची बच्ची नाजुक हालत में मिली

राजेश कुमार

जम्मू कश्मीर: इंसानियत को शर्मसार करने वाली खबर जम्मू कश्मीर से सामने आ रही है यदि आप सुनेंगे तो यकीन नहीं होगा कि ऐसा कभी हमारे जम्मू कश्मीर में भी हो सकता है। आखिरकार हमारे जम्मू कश्मीर में क्या हो रहा है ? हमारा जम्मू कश्मीर किस दिशा की ओर जा रहा है यह कहना हमारे लिए बहुत मुश्किल है। लेकिन इंसानियत को शर्मसार करने वाली खबर जम्मू कश्मीर से सामने आ रही है।

किस तरह 9 साल की नाबालिक बच्ची राशन डीलर के पास जो वहां पर अंगूठा लगाने के लिए गई थी। जिस तरह से आप सभी जानते हैं कि आज के समय में अंगूठा लगाने राशन डीलर के पास नहीं जाते हैं। तो आपका राशन बंद कर दिया जाता है लेकिन ऐसा ही मामला एक जम्मू कश्मीर से उस समय सामने आया इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला जब 9 साल की नाबालिक बच्ची जो राशन डीलर के पास अंगूठा लगाने के लिए जाती है लेकिन ऐसे में उसके बाद इस लड़की के साथ व्यक्ति ने ऐसा कर दिया।

यह कहे कि घनोनी हरकत कर डाली सायद ही किसी ने सोचा नहीं होगा यही वजह है। कि आज के दौड़ में हमारी बेटियां हमारी बहनें हमारी बच्चियों खुद को सुरक्षित नहीं समझती हैं। कुछ ऐसे लोग दरिंदे जो है इस समाज में जिनकी वजह से हमारी बेटियां सुरक्षित नहीं है लेकिन जम्मू कश्मीर पुलिस द्वारा समय रहते इस व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच जो है शुरू कर दी गई है।

जम्मू कश्मीर के बांदीपुर जिले से सारा मामला सामने आया है बताया जा रहा है कि जिला बांदीपुर के सुबन इलाके में एक जो है राशन डीलर पर एक नाबालिक के पिता द्वारा पुलिस मैं कंप्लीट वहां पर करवाई गई और ऐसे में इस नाबालिक बच्ची के पिता के मुताबिक यह बताया जा रहा है कि नाबालिक बच्ची जो है राशन डीलर के पास सुबन इलाके में वहां पर फिंगरप्रिंट लगाने के लिए गई हुई थी। राशन कार्ड की फामेर्टी के लिए ताकि उन लोगों को राशन समय पर मिल सके लेकिन आगे यह बताया गया कि उसे लड़की के साथ वहां पर दुष्कर्म किया गया।

जब लड़की घर पहुंची उसने अपनी सारी आपबीती सुनाई उसके बाद उसका पिता पुलिस स्टेशन में पहुंचा बांदीपुर में पिता द्वारा पुलिस को सारी आपबीती सुनाई गई इसके बाद पुलिस ने इस पिता की फरियाद को सुनकर एफआईआर नंबर 3/2024 अंडर सेक्शन पास्को एक्ट के तहत मामला जो है पुलिस स्टेशन सुबल में दर्ज कर लिया गया है आगे की जांच जो है शुरू कर दी गई है।

काफी हैरानगी है कि हमारे जम्मू कश्मीर में क्या हो रहा है लगातार इस तरह के मामले जो है देखने को मिल रहे हैं हालांकि जम्मू कश्मीर पुलिस की कोशिश है कि इस तरह के दरिंदों के खिलाफ सख्त से सख्त से निपट जाए कुछ ऐसे लोग हैं जो समाज में रहकर हमारी लड़कियों के लिए हमारी बच्चियों के लिए हमारी बहनों के लिए जो लगातार खतरा बनते जा रहे हैं जिसके चलते बच्चियों का घर से निकलना किसी भी खतरे से काम नहीं है लेकिन तारीफ करनी पड़ेगी जम्मू कश्मीर पुलिस की जिन्होंने समय रहते ऐसे दरिंदे को गिरफ्तार कर लिया और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से न रहे कोई वंचित- सांसद चाहर

कमल सिंह

उत्तर प्रदेश: फतेहाबाद आगरा केंद्र एवं प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से कोई भी विचित्र ना रहे। इसके लिए अधिकारियों को निर्देशित किए गए हैं। वक्त विचार शुक्रवार को जूनियर हाई स्कूल फतेहाबाद में आयोजित नगर फतेहाबाद द्वारा विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद राजकुमार चाहर ने व्यक्त किए। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक छोटेलाल वर्मा पूर्व मंत्री राम सकल गुर्जर जिला अध्यक्ष गिर्राज सिंह कुशवाहा समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

सांसद राजकुमार के प्रयास से चार हजार करोड़ रुपए की लागत से घर-घर नल योजना के तहत गंगाजल अब पीने के लिए मिलेगा। जो इस साल के अंत तक सभी गांव को गंगाजल मिलने लगेगा। वहीं क्षेत्र विधायक छोटेलाल वर्मा ने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि, दिव्यांग पेंशन, वुध्दा वस्था पेंशन, विधवा पेंशन के अलावा उज्ज्वला योजना, बिजली विभाग द्वारा चलाये जा रहे ओटीएस का लाभ आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

पूर्व मंत्री राम सकल गुर्जर ने कल्याण सुमंगला योजना प्रधानमंत्री आवास योजना और मुख्यमंत्री आवास योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता चेयरमैन बबीता श्र्या द्वारा की गई तथा संचालन अजय जादौन द्वारा किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष गिरिराज सिंह कुशवाह एसडीएम विजय शर्मा यू डीसी वर्मा जिला मंत्री बबीता चौहान, अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि प्रकाश शल्या भाजपा मंडल अध्यक्ष नितिन गुप्ता आदि ने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर जूनियर हाई स्कूल ग्राउंड सरकार द्वारा चलाई गई जन कल्याणकारी योजना की जानकारी के लिए प्रदर्शन भी लगाई गई। जिस पर योजना की जानकारी दी जा रही थी। वहीं ऑल सेंटर पब्लिक स्कूल के छात्र छात्राओं द्वारा कार्यक्रम के शुभ अवसर पर इस वंदना कर अनेक संस्कृत कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में भाग लेने वालों में प्रमुख रूप से सभासद प्रतिनिधि सुभाष वर्मा, सभासद प्रतिनिधि सचिन कर्दम, हरि सिंह कर्दम सभासद दीपक पोद्दार, विपुल लोहिया, अभिषेक गोला सभासद मोहन सिंह, सभासद करतार गुर्जर सभासद तुलसी न्यारिया, सभासद चंद्रभान सभासद विनोद गुप्ता, जानू गुप्ता के अलावा बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

शहडोल जिला अधिकारी ने जारी किये मतदाता सूची नामांकन प्रारूप

दिशेन्द्र विश्वकर्मा

मध्यप्रदेश: मतदाता सूची के प्रारूप का हुआ प्रकाशन शहडोल 6 जनवरी 2024 कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वंदना वैद्य एवं राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन किया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने,हटाने वोटर लिस्ट में नाम संशोधन, दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाताओं के नाम हटाने के आवेदन 22 जनवरी 2024 तक लिए जाएं।

उन्होंने कहा कि जो युवा 1 जनवरी 2024 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके हैं वह भी अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाने हेतु आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए ऑनलाइन एवं ऑफलाइन की सुविधा भी प्रदान की गई है। कलेक्टर ने जिले के समस्त बीएलओ को निर्देश दिए कि अपने-अपने मतदान केंद्रों में उपस्थित रहकर 6 जनवरी से 22 जनवरी तक प्रत्येक कार्य दिवस मतदाताओं का नाम जोड़ने, हटाने व संशोधन के लिए आवेदन प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा की फोटो निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 के अंतर्गत 13 जनवरी एवं 20 जनवरी को विशेष शिविर लगाए जाएं।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि कॉलेजो में भी जाकर 18 वर्ष पूर्ण कर चुके युवाओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े जाएं। बैठक में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी रोमोनुस टोप्पो, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अरविंद शाह, प्रगति वर्मा, ज्योति सिंह परस्ते राजनैतिक दल के प्रतिनिधि विष्णु प्रताप सिंह, अरफाना बेगम, निर्वाचन सुपरवाइजर संजय खरे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में 31 मामले आये, 3 निस्तारित

आनंद कुमार

उत्तर प्रदेश: सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता कर रहे अपर जिलाधिकारी ने कहा कि, मामलों के निस्तारण में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नही की जाएगी। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि, किसी भी प्रार्थना पत्रों का निस्तारण मौके पर जाकर संबंधित पक्षों को सुनने के बाद ही करें।

पक्षपात की शिकायत एवं पुष्टि होने पर संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लंबित प्रार्थना पत्रों का समयबद्ध तरीके से गुणवत्ता परक निस्तारण के निर्देश दिये। सम्पूर्ण समाधान दिवस में विभिन्न मामलों से सम्बंधित कुल 31 प्रार्थनापत्र पड़े। जिनमें से 2 मामलों का मौके पर निस्तारण किया गया। 1 मामले गठित टीम द्वारा निस्तारण किया गया।

अन्य प्रकरणों में राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर समयबद्ध और गुणवत्तापूर्वक निस्तारण करने के निर्देश दिए गये। समाधान दिवस में पुलिस उपाधिक्षक प्रदीप सिंह चंदेल, एसडीएम सुरेश राय, बीडीओ दुद्धी, म्योरपुर, बभनी सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

कालांवाली पुलिस ने गाँव हस्सु में वालीवाल खेल प्रतियोगिता आयोजित कर नशा के बारे में लोगों को किया जागरुक

इंद्रजीत

हरियाणा: जनवरी 06 पुलिस अघीक्षक डबवाली के दिशानिदेर्शानुसार व उप पुलिस अधीक्षक श्री गुरदयाल सिंह के कुशल नेतृत्व में प्रभारी थाना कालांवाली सब इंन्सपैक्टर रामफल द्वारा गाँव हस्सु में वालीवाल प्रतियोगिता करवाकर मौजुद युवा खिलाड़ीयो व ग्रामीणो को नशा के दुष्परिणामो तथा साईबर अपराध के बारे अहम जानकारी दी गई।

सब इंन्सपैक्टर रामफल ने वालीवाल टीम के खिलाड़ीयों से कहा कि नशा नाश की जड़ है। नशा कोई भी हो वह परिवार को बर्बाद कर देता है। समाज में अधिकांश अपराध नशे के कारण ही हो रहे है। शराब, चरस, गुटखा, सिग्रेट, बिड़ी, खैनी का चलन बढ रहा है। पहले युवा नशा शोक के कारण करता है और बाद मे धीरे-धीरे वह अन्य नशे हेरोईन, अफीम, पोस्त आदी जानलेवा नशे लेना शुरू कर देता है।

बाद में नशे की लत पड़ने पर उसका जीवन बर्बाद हो जाता है नशे की बुरी लत से हमारे स्वास्थ के साथ साथ धन की हानि होती है। नशे से हजारों लाखों घर बर्वाद हो चुके है। नौजवान बच्चे शौक-शौक में नशे की बुरी लत को पाल लेते हैं। बाद में नशे की पूर्ति के लिए क्राइम का सहारा लेते हैं। जिसमें नौजवान चोरी, स्नैचिंग, लूट तथा अवैध हथियार के साथ वारदातों को अंजाम देते हैं। जिसके कारण उनकी हंसती खेलती जिंदगी बर्बाद हो जाती है। हमें नशे से शुरूआत में ही लड़ना चाहिए। जिससे कि हम अपनी स्वास्थ्य व धन के साथ अपने परिवार की खुशियों को बचा सके।

उन्होने खिलाड़ियो का उत्साह बढ़ाया व नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया। वालीवाल खेल रहे युवाओ व आमजन को नशे के खिलाफ कमेटी बनाने के लिए भी प्रेरित किया। इस मौके पर थाना प्रभारी ने अपील करते हुए कहा कि, युवा देश की शान है। युवाओ को नशे से दूर रहकर समाजहित व देशहित में कार्य करने चाहिए। वंही युवाओ को खेलो में रुचि लेकर गांव स्तर पर स्टेडियम या खेल मैदान कबड्डी, क्रिकेट, बालीवाल जैसी खेलें खेलनी चाहिए। और नशा जैसी बीमारी को जड़ से खत्म करने के लिए गांव स्तर पर कमेटियां बनाकर प्रशासन का सहयोग करना चाहिए।

नशा मुक्त समाज हम सब के मिलकर चलने से ही बनेगा। उन्होने कहा कि अगर उनके क्षेत्र में कोई नशा तस्करी, नशा बेचने संबंध में कार्य करता है तो, पुलिस को सूचना भी दे। सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी।

एक नजर

महात्मा ज्योतिबा फुले महाविद्यालय आष्टी छात्र सुरेन्द्र आग्रे को मिले दो सुवर्णपदक

महेश सिंधी, महाराष्ट्र: महात्मा ज्योतिबा फुले महाविद्यालय आष्टी छात्र श्री सुरेन्द्र आग्रे दो सुवर्णपदक मिले। महात्मा ज्योतिबा फुले महाविद्यालय आष्टी के छात्र बी ए प्रथम वर्ष छात्र श्री सुरेंद्र आगरे को दिनांक 18 से 21 तक हुई भठिंडा पंजाब में वाले वेस्ट झोन धनुर्विद्या प्रतियोगिता में दो सुवर्ण पदक प्राप्त हो चुकी है।

अरुण का चैयन ऑल इंडिया धनुर्विद्या प्रतियोगिता पटियाला विद्यापीठ पंजाब पुणे वाले प्रतियोगिता के लिए किया गया है। उनका श्रेया वह अपने क्रीडा मार्गदर्शक डॉ. श्याम कोरडे माता पिता को देता है। उपलब्ध महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. संजय फुलझेले सरने सुरेंद्र को बधाई देते हुए होने वाले प्रतियोगिता के लिये शुभकामनायें दिए।

नवनियुक्त भाजपा के पदाधिकारियों को दी गई बधाई और शुभकामनाएं

अमित कुमार, उत्तर प्रदेश: आज दिनांक 6 जनवरी 2024 को राजीव सिंघल नवनियुक्त भाजपा नगर अध्यक्ष दादरी अपने सभी सहयोगी साथियों के साथ क्षेत्रीय अध्यक्ष पश्चिमी उत्तर प्रदेश सतेंद्र सिसोदिया जी एवं क्षेत्रीय मंत्री श्री आशीष वत्स जी के आवास पर बधाई व शुभकामनाएं देने के लिए पहुंचे। सतेंद्र सिसोदिया जी ने राजीव सिंघल जी को अध्यक्ष बनने पर हार्दिक शुभकामनाएं दी और कहा कि आप अपने पद पर कर्तव्य और निष्ठा के साथ कार्य करें।

दूसरी तरफ स्वर्णकार समाज के नगर अध्यक्ष मनोज वर्मा ने भाजपा नगर अध्यक्ष राजीव सिंघल जी को मिठाई खिलाकर और माला पहनकर हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस मौके पर श्री जग भूषण गर्ग, जय शिव शर्मा, सतेंद्र कश्यप, लब्बू शर्मा, राकेश वर्मा, ईश्वर वर्मा, अमित जैन, राजेश गोयल, साबिर खान, हर्ष बंसल, तरुण भारद्वाज, अक्षय बंसल, अनुभव बंसल, संजय शर्मा, आदि सदस्य गण उपस्थित रहे।

सुर्य देव को देखने के लिए लोग घरों से निकल कर छत व घर के बाहर नजर आयें

अक्षय कुमार प्रजापति, राजस्थान: पिछले एक सप्ताह से पड़ रही कड़ाके की सर्दी ने जनजीवन अस्त व्यस्त कर दिया है। हड्डी कंपकंपाने वाली इस सर्दी के कारण लोग घरों में दुबकने के लिए मजबूर थे। वहीं पिछले एक सप्ताह से सूर्य देव के दर्शन नहीं होने के कारण मौसम ठंडा रहा।

बीते एक सप्ताह मे सुबह, दोपहर, शाम को हलकी बूंदाबंदी के कारण शीत लहर व मौसम ने ठंडक बढ़ा दी। लोग तप जलाकर गर्माहट लेते हुए नजर आए। वहीं शनिवार को सुर्य देव को निकलता देख लोग घरों से निकल कर छत व घर के बाहर नजर आयें।

झारखंड में भी मौसम ने बदला मिजाज कड़ी ठंड के साथ झमाझम बारिश की हुई शुरूआत

संतोष कुमार यादव, झारखंड: गिरिडीह जिले में भी झमाझम बारिश के शुरूवात हुई है ,जो कि देवरी प्रखंड के कई इलाकों में कड़ी ठंड के साथ झमाझम बारिश हुई है। बता दें कि, आज की मौसम ने ऐसा करवट बदला कि, तकरीबन 1 बजे रात से ही झमाझम बरसात शुरू हुई। और इसी मौसम में कडाके ठंड के साथ कुहास अर्थात आसमान में बादल छाए है। जो कि किसानों की चेहरे पर उदासीनता बनी हुई है। किसानों का कहना है कि, ऐसा मौसम अर्थात ठंड से फसल की काफी नुकसान पहुंचती है। वहीं मौसम वैज्ञानिक के अनुसार बताया जा रहा है कि, फिलहाल कुछ दिन तक बादल छाए रहेंगे। जिससे झारखंड के कुछ हिस्से में घने बादल अथवा झमाझम बारिश की आसार हैं। जिसे ठंड का भी प्रकोप और भी ज्यादा होने की संभावनाएं जताई जा रही है।

श्रीराम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा की तिथि 22 जनवरी 2024 को किया जाये राष्ट्रीय अवकाश घोषित

शकील मोहम्मद शाह

गुजरात: मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीरामचन्द्र जी के जन्मस्थान अयोध्या में निर्मित भव्य मंदिर में 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के हाथों से होने वाली प्राण-प्रतिष्ठा एक ऐतिहासिक घटना है। सदियों से देश और दुनिया के करोड़ों रामभक्त अयोध्या रामजन्मभूमि पर प्रभु राम जी का भव्य मंदिर देखना चाहते थे।

कलियुग में श्री नरेन्द्र मोदी जी की अगुआई वाली भारत सरकार के सुशासन में करोड़ों रामभक्तों की यह अभिलाषा फलीभूत हो रही है। अयोध्या में रामलला का दिव्य मंदिर बन कर तैयार हो रहा है। 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी इस राम मंदिर में रामलला की भव्यातिभव्य प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा करने को अयोध्या आ रहे हैं।

पूरी अयोध्या नगरी सज-धज कर तैयार हो रही है। भारतीयों के साथ यूके में बसे हम हजारों रामभक्त सनातनियों में अयोध्या में राम मंदिर बनने और 22 जनवरी को प्रस्तावित प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर अपार हर्ष है। हमें इतनी खुशी है कि इसे हम शब्दों में बयां नहीं कर सकते हैं।

गृहमंत्री जी हम एनआरआई लोगों की अभिलाषा है कि, राम मंदिर में ऐतिहासिक प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव को अधिक यादगार बनाने के लिए 22 जनवरी 2024 को पूरे भारत में राष्ट्रीय अवकाश घोषित कर दिया जाये। इससे करोड़ों रामभक्तों की खुशियाँ दुगनी होंगी और वे ज्यादा सुगमता से यह उत्सव दीपावली जैसा मना सकेंगे।

यह प्राण-प्रतिष्ठा का अवसर वैसा ही है जैसा 14 वर्षों के वनवास के बाद प्रभु राम का अयोध्या आगमन हुआ था, तो लोगों ने घर-घर में दीप जला कर प्रकाश उत्सव मनाया था। इस प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर भी देश और दुनिया भर के रामभक्त अपने घरों में दीपावली जैसा उत्सव मनाएंगे। अतः मेरी आपसे अयोध्या राम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा को देखते हुए 22 जनवरी 2024 को राष्ट्रीय अवकाश घोषित करने की विनम्र प्रार्थना है।

स्वास्थ्य लाभ कार्ड से आमजन को मिल रही है मदद- रेखा शाक्य

रमेश कुमार

हरियाणा: समाजसेविका रेखा शाक्य ने जनहित ट्रस्ट द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बतौर अतिथि शिरकत की और रेखा शाक्य ने कहा कि, जनहित ट्रस्ट लंबे समय से लोगों की सेवा, मदद, सहयोग करती आ रही है। रेखा शाक्य ने बताया वहीं अब जनहित ट्रस्ट आमजन के फ्री में स्वास्थ्य लाभ कार्ड बना रही है। जिससे आमजन को बहुत मदद मिल रही है। रेखा शाक्य ने अच्छे और नेक कार्यो के लिए जनहित ट्रस्ट टीम के सदस्यों की सराहना की। जिला परिषद के मेंबर रामकुमार गोदारा ने भी ट्रस्ट को लोगों का हितैषी बताया। ट्रस्ट के चेयरमैन रमेश शाक्य ने ट्रस्ट की लाभकारी योजनाओं और स्वास्थ्य लाभ कार्ड की विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर गुरुदेव सिंह, सतनाम लालका, संदीप थिदं, बाबा जसविदर सिह, विक्रम राम, भजन राम, वीना वर्मा, राज रानी और अन्य लोग मौजूद थे।

वियो-शराब मामले मे कैमूर पुलिस पहुंची हरियाणा

मो. तुराब खान

बिहार: कैमूर-जिले के दुर्गावती थाना की पुलिस ने शराब के मामले में आरोपी के घर हरियाणा पहुंच गई। कैमूर पुलिस अधीक्षक ललित मोहन शर्मा के निर्देश पर अवैध शराब मामले को लेकर दुर्गावती पुलिस हरियाणा पहुंची। जहां फरार चल रहे 2 साल से आरोपित के घर इश्तेहार चिपकाया। अवैध शराब के मामले में फरार चल रहा अभियुक्त दिनेश कुमार जो 163 डीसी कॉलोनी थाना-सिटी फतेहाबाद जिला-फतेहाबाद हरियाणा का रहने वाला बताया जा रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार स्थानीय पुलिस के सहयोग से अवैध शराब के मामले में फरार अभियुक्त के घर इश्तिहार चिपकाया गया। वहीं दुर्गावती पुलिस के आरोपी के घर के पास माइक के जरिए कहा गया कि, अभियुक्त जल्द से जल्द कैमूर में पहुंचकर आत्म समर्पण करें अन्यथा चल संपत्ति की जल्द ही कुर्क कर ली जाएगी।

मैट्रो में हुये हजारो करोड़ रुपयों के भ्रष्टाचार से पर्दा हटाने के लिए कराएं सीबीआई जाँच

सुधीर संतोष धुरिया

महाराष्ट्र: नागपूर जिले में छत्रपती चौक खामला स्थित मैट्रो रेल के गेस्ट हाउस के गेट के पास वरून कुमार वैश, उपमुख्य अभियंता पोस्ट का व्यक्ति पिछले 38 दिनों से अपने हक और मैट्रो में हुये हजारो करोड़ रुपयो के भ्रष्टाचार कि चौकशी की मांग को लेकर धरना देकर बैठा है। वरून कुमार के कहने के मुताबिक मैट्रो रेल के बड़े अधिकारियों द्वारा 3 हजार करोड़ के उपर का घोटाला हुआ है। इस भ्रष्टाचार कि जांच करवाने की मांग करने पर उन्हें, ना हक तरीके से परेशान कर किया जा रहा है।

उनका कहना था कि, यह जनता के टॅक्स का पैसा है। जो जनता गाव, शहर, राज्य के विकास के लिए देती है। जिसका सही इस्तेमाल किया जाना चाहिए, पर उन ऑफिसर भ्रष्टाचार कर दुर उपयोग कर अपना और अपने परिवार का भविष्य बना रहे हैं। और इन्हें पॉलटीकल सपोर्ट भी सपोर्ट किया जा रहा है। इस लिए उन्होंने पीएमओ, गृह मंत्रालय, राष्ट्रपति ऑफिस, उप राष्ट्रपति और इनसे संबंधित सभी ऑफिसों में मेल द्वारा कंप्लेंट कर दी है।

इसलिए उन्हें ज्यादा ही मेंटली हरेस्मेंट किया जा रहा है। ना ना तरीके के केस में फसाने कि कोशिश की जा रही है। सुधीर धुरिया, पंकज सोर, आकाश उके, गणेश मुदलियार हम भारत सकार और महाराष्ट्र सरकार से यही कहना चाहते हैं कि, उस व्यक्ति के मांगों को ध्यान में रखते हुए, ईडी या सीबीआई से जांच करवाकर इस भ्रष्टाचार से परदा उठाये। जिससे 'दुध का दुध, और पानी का पानी हो जाये'। जिससे जनता के सामने सच्चाई आ सके और दोषियों पर कारवाई कर जनता के पैसो रिकवरी हो सके। और जब तक जांच चल रही है। तब तक उस व्यक्ति को सुरक्षा, रहने की व्यवस्था और आर्थिक मदत की जाये, अगर उस व्यक्ति को कुछ भी होता है तो इसके जिम्मेदारी भारत सकार, महाराष्ट्र सरकार और पुलिस प्रशासन कि होगी। जल्द से जल्द इसकि जाँच कर व्यक्ति और जनता को न्याय दे।

विधायक कुंवर सुशांत सिंह ने गोशाला का हवन पूजन के साथ फीता काटकर किया शुभारंभ

हफीजुर्रहमान

उत्तर प्रदेशः तुरतपुर ग्राम पंचायत में खंड विकास अफजलगढ़ की ओर से 30 लाख की लागत से बनी अस्थाई गोशाला का क्षेत्रीय विधायक कुंवर सुशांत सिंह, ब्लाक प्रमुख प्रदीप कुमार, बबली खंड विकास अधिकारी दिनेश शर्मा व प्रधान सुरेंद्र सिंह ने शुक्रवार को हवन पूजन के साथ सीता काट कर शुभारंभ किया।

क्षेत्रीय विधायक कुंवर सुशांत सिंह ने कहा है कि, गोवंश की सुरक्षा व संरक्षण के लिए प्रदेश सरकार द्वारा विशेष ध्यान दिया जा रहा है। समाज के लोगों को गो सेवा में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। क्षेत्रीय विधायक को सुशांत सिंह, ब्लॉक प्रमुख प्रदीप कुमार बबली खंड विकास अधिकारी दिनेश शर्मा प्रधान सुरेंद्र सिंह एडीओ पंचायत ललित प्रताप सिंह के अलावा अल्पसंख्यक मोर्चा बिजनौर के जिला अध्यक्ष सरदार मलकीत सिंह आदि ने मंत्रोचार के बीच हवन में आहुतियां दी ।

फीता काटकर गोशाला का सुभारंभ किया। क्षेत्रीय विधायक कुंवर सुशांत सिंह ने बताया कि गौ सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। हम सभी को आज यह संकल्प लेना चाहिए कि, हम सभी इस दयोदय गौशाला के संचालन में तन मन धन से सहयोग करेंगे। इस दौरान खंड विकास अधिकारी दिनेश शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि, तुरतपुर ग्राम पंचायत में खंड विकास अफजलगढ़ की ओर से लगभग 27 लाख 40 हजार की लागत से बनी अस्थाई गौशाला आज क्षेत्रीय विधायक कुंवर सुशांत सिंह के द्वारा शुभारंभ किया गया।

इस अस्थाई गौशाला में एक टीन सेट बना हुआ है। इसकी क्षमता 50 गोवंश को रखने की है। इसके अलावा भूमि पर चारा उगाकर संरक्षित गोवंशों को उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि गो संरक्षण बिना जन सहयोग के संभव नहीं है। किसान इससे जुड़े और एक कुंतल भूसा भी दान में दें। गौशाला की व्यवस्था शीघ्र ही किसी संस्था को सौंप जाएगी । अस्थाई गौशाला का संचालन खंड विकास अफजलगढ़ अपनी देखरेख में करेगी।

प्रधान सुरेंद्र सिंह ने आसपास के ग्रामीणों से पहली रोटी गाय के नाम दान करने की अपील की है। उन्होंने उम्मीद जताई की गौशाला निर्माण से गांव के लोगों के अलावा अन्य लोगों को भी बेसहारा मवेशियों से राहत मिलेगी। गौशाला की व्यवस्था शीघ्र किसी संस्था को सौंप जाएगी। अस्थाई गौशाला का संचालन खंड विकास अफजलगढ़ अपनी देखरेख में करेगी । इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक कुंवर सुशांत सिंह के अलावा ब्लॉक प्रमुख प्रदीप कुमार बबली बीडी ओ दिनेश शर्मा, अल्पसंख्यक मोर्चा बिजनौर के जिला अध्यक्ष सरदार मलकीत सिंह, किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष खेल सिंह राजपुत, विधायक प्रतिनिधि नितिन चौहान, राहुल ठाकुर प्रधान, मनित प्रताप सिंह, प्रधान संघ के अध्यक्ष रमेश चौहान, प्रधान सुरेंद्र सिंह, प्रधान पति रईस वकील, प्रधान पति तसव्वर कुरैशी, पूर्व चेयरपर्सन पति सलीम अंसारी, एडवोकेट प्रधान गुरु वचन सिंह, प्रधान कैलाश चंद्र चौधरी, तेजपाल सिंह, प्रधान पति जितेंद्र चौधरी, पूर्व चेयरमैन भूपेंद्र सिंह, प्रधान कपिल कुमार, बिजेंदर चौधरी, पूर्व प्रधान रामनाथ सिंह चौहान, समाजसेवी अतुल अग्रवाल, बसंत कुमार, पूर्व प्रधान चिरंजीलाल, सचिव इरफान अली तथा रोजगार सेवक सत्य प्रकाश आदि उपस्थित रहे।

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में 10-13 जनवरी तक होगी हैंडबाल प्रतियोगिता

मुकेश हरियाणी

मध्य प्रदेशः डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के शारीरिक शिक्षा विभाग के तत्त्वावधान में विश्वविद्यालय के अब्दुल गनी खान स्टेडियम में पश्चिम क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालय हैंडबाल (पुरुष) प्रतियोगिता 2023-24 का आयोजन दिनांक 10 जनवरी से 13 जनवरी 2024 तक किया जा रहा है।

उक्त प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु विभिन्न समितियों की बैठक प्रभारी कुलपति प्रो. पी के कठल की अध्यक्षता में गौर समिति कक्ष में आयोजित की गई। उन्होंने आयोजन के समस्त मुद्दों पर चर्चा कर महत्त्वपूर्ण सुझाव दिए।

बैठक में शारीरिक शिक्षा विभाग के निदेशक डॉ. विवेक बी साठे ने बताया कि, प्रतियोगिता में पश्चिम क्षेत्र के राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, गोवा सहित कई राज्यों से लगभग एक हजार से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे । खेल मैदान में ग्राउंड निर्माण का काम तेजी से चल रहा है। बैठक में खिलाड़ियों के आवास, भोजन, यात्रा, चिकित्सा, रजिस्ट्रेशन, सुरक्षा जैसी व्यवस्थाओं की चर्चा की गई। इसके साथ ही खेल से जुड़े अन्य तकनीकी मुद्दों पर भी चर्चा की गई। आयोजन समिति के सदस्यों द्वारा खेल मैदान का भी जायजा लिया गया।

स्पोर्ट्स एंड गेम्स बोर्ड के चेयरमैन डॉ गिरीश मोहन दुबे ने बताया कि, हमारी तैयारी पूरी है. विश्वविद्यालय के साथ-साथ सागर शहर के लिए यह हर्ष का विषय है कि, चार दिवसीय प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। शहर के लोग भी मैच देखने के लिए आमंत्रित हैं। हमारा पूरा प्रयास है कि, हम बाहर से आने वाले खिलाड़ियों, उनके कोच और मैच निर्णायकों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराएं। ताकि कोई असुविधा न हो। ग्राउंड की तैयारी अंतिम चरण में है। बैठक में डॉ राकेश सोनी, डॉ राजेंद्र यादव, डॉ सुमन पटेल, राहुल गिरी गोस्वामी, डॉ. पंकज तिवारी, डॉ. आशुतोष, डॉ. हिमांशु, डॉ. भूपेन्द्र पटेल सहित कई शिक्षक, अधिकारी मौजूद थे।

चंदवाजी बाल सम्बल आवासीय विद्यालय में रह रहे निराश्रित बच्चों को मिला मुफ्त शिक्षा का नव वर्ष तोहफा

प्रमोद कुमार बंसल, राजस्थानः चंदवाजी निम्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के निदेशक, भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं डा. पंकज सिंह फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. पंकज सिंह ने बाल सम्बल आवासीय विद्यालय में रह रहे निराश्रित बच्चों को नव वर्ष के उपलक्ष्य में खाने के पेकेट और जूस वितरित किया।

निम्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के निदेशक, भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं डॉ. पंकज सिंह फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. पंकज सिंह ने बच्चों को आश्वासन दिया कि वे अपने को अकेला महसूस न करें। वे उनके पिता और भाई होने की पूरी जिम्मेदारी निभाएंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि बाल सम्बल के बच्चों को निम्स विश्वविद्यालय में शिक्षा निःशुल्क दी जाएगी। इसके अलावा यहां के हर छात्र एवं स्टाफ को निम्स हॉस्पीटल स्वास्थ्य कार्ड उपलब्ध कराएगा जिससे उनका इलाज निःशुल्क किया जाएगा।

भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रवक्ता सर्वेश्वर शर्मा ने डा. पंकज सिंह फाउंडेशन की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि डा. पंकज सिंह समाज सेवा का पर्याय बन कर उभर रहे हैं। वे शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

बाल संबल के प्रबंधक मेवाराम गुर्जर ने डा. पंकज सिंह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका स्नेह हमारे बच्चों पर सदा रहा है।

इस दौरान प्रधानाचार्य बाबू लाल मीणा, अध्यापक श्योजीराम, नरसीराम गुर्जर, रवि गुप्ता आदि का सराहनीय सहयोग रहा।

पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक ने थाना जाखलौन का किया आकस्मिक निरीक्षण

अशोक कुमार

उत्तर प्रदेशः पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक ने थाना जाखलौन का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सम्पूर्ण थाना परिसर का भ्रमण करते हुए कार्यालय, हवालात, कंप्यूटर कक्ष, महिला हेल्पडेस्क, ड्यूटी रजिस्टर, सीसीटीवी कैमरे, बैरक आदि का निरीक्षण किया गया तथा सम्पूर्ण थाना परिसर में साफ-सफाई हेतु निर्देशित किया गया। थाना कार्यालय, महिला हेल्प डेस्क के रजिस्टरों को चेक कर व्यवस्थित रखरखाव हेतु निर्देश दिये गये। मुकदमों से संबंधित मालो का विधिक निस्तारण एवं सही रखरखाव, शस्त्रों की नियमित साफ-सफाई रखने हेतु प्रभारी निरीक्षक जाखलौन को निर्देशित किया गया।

थाने में लम्बित विवेचनाओं का गुण दोष के आधार पर विधिक निस्तारण करने व थाना क्षेत्र के वांछित अभियुक्तों, वारंटियों की गिरफ्तारी, अवैध शराब, मादक पदार्थों, पशु तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा थाने पर आने वाले शिकायतों का शत-प्रतिशत निस्तारण करने जाने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। प्रभारी निरीक्षक थाना जाखलौन को निर्देशित किया गया कि, प्रतिदिन थाने पर आने वाले फरियादियों की शत-प्रतिशत जन सुनवाई कर उनकी समस्याओं का विधिक निस्तारण किया जाये।

थाना क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाये। महिला सम्बन्धी अपराधों पर रोकथाम और जमीनी संबंधी प्रकरणों में राजस्व विभाग के सहयोग से गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया। एसपी द्वारा प्रभारी निरीक्षक जाखलौन को निर्देशित किया गया कि, यातायात नियमों का विशेष रूप से पालन कराना सुनिश्चित करें एवं चेकिंग के दौरान शराब पीकर वाहन चलाने वाले व्यक्तियों की चेकिंग कर आवश्यक कार्यवाही की जाये।

पैदल गस्त कर व्यापारियों और आमजन मानस से संवाद किया गया एवं समस्याओं के बारे में जानकारी की गयी। साथ ही दुकानों पर स्वेच्छा से सीसीटीवी कैमरे लगवाने हेतु प्रेरित किया गया। व्यापारियों, आमजन मानस में सुरक्षा का भाव जागृत कर त्यौहारों में शान्ति व्यवस्था बनाये रखने व सुरक्षा व्यवस्था के प्रति आश्वस्त कराया गया।

एक नजर

शमसान के रस्ते में छोड़ा कचड़ा, लोगों को आने-जाने में परेशानी

रोहित गुप्ता, राजस्थानः पुराने शहर में स्थित रामद्वारा मोक्षधाम जहां पर शहर के लोग अंतिम संस्कार के लिए जाते हैं तो लोगों को वहां पर पड़े कचरे की बदबू के बीच से गुजरना पड़ता है। जिसमें आम जनता को काफी परेशानी होती है, और कचरे को कचरे के ढेर मे ना डालने की जगह कचरे को सारी तरफ फैला दिया जाता है।

जिससे कचरा नाली मे भी भर जाता है और नाली का पानी रोड पर आ जाता है जिससे अंतिम संस्कार करने जाने वाले लोगो को काफी ज्यादा समस्या का सामना करना पड़ता है, और यहाँ पर सर्व समाज के लोग अंतिम संस्कार करने के लिए जाते है।

एक झोपड़ी में रह रहे व्यक्ति की सिर कटी लाश मिलने से क्षेत्र में फैली सनसनी

शेख इमामुद्दीन, उत्तर प्रदेशः कुशीनगर जनपद के विशुनपुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत तिलका पट्टी बड़ी गंडक नहर पर बने एक झोपड़ी में रह रहे व्यक्ति का सिर कटी लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। घटना की सूचना पर पहुंची स्थानीय विशुनपुरा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम में भेज दिया है। तथा स्थानीय पुलिस की सूचना पर उच्च अधिकारियों ने भी घटना स्थल का दौरा कर मामले की छानबीन में जुट गई है। मृतक की पहचान शर्मा पुत्र कृपाल निवासी तिलका पट्टी के रूप में हुई है। तो वहीं घटना की सूचना पर मौके पर लोगो की भारी भिंड जुट गई।

मिशन कर्मयोगी कार्यक्रम के तहत 10 बैचों में 300 सरकारी कर्मचारियों को दिया जाएगा प्रशिक्षण- डी एस यादव

सतीश, हरियाणाः हरियाणा सरकार के मिशन कर्मयोगी कार्यक्रम के तहत राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक संस्कृति स्कूल में सरकारी कर्मचारियों को दिए जाने वाले प्रशिक्षण का गत दिवस शुभारंभ किया गया। यह प्रशिक्षण आगामी 16 जनवरी तक चलेगा। इसमें 10 बैचों में 300 सरकारी कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

यह जानकारी देते हुए मिशन कर्मयोगी कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डीएस यादव ने बताया कि, यह प्रशिक्षण राज्य सरकार द्वारा शुरू किए गए मिशन कर्मयोगी अभियान के तहत शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक बैच में जिले के विभिन्न विभागों से अलग-अलग श्रेणी के 30 प्रतिभागी सरकारी कर्मचारी होंगे। गत माह हरियाणा इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन गुरुग्राम में दो दिन राज्य के अन्य अधिकारीयों के साथ उक्त मिशन की ट्रेनिंग दी गयी थी।

मध्यप्रदेशः शहडोल जिला अधिकारी ने पीएम जनमन योजन के तहत की बैठक

दिशेन्द्र विश्वकर्मा

मध्यप्रदेशः पीएम जनमन योजना के क्रियान्वयन हेतु बैठक संपन्न शहडोल 6 जनवरी 2024- प्रधानमंत्री जनमन योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर वंदना वैद्य की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि बैगा बाहुल्य क्षेत्र में योजनाओं के प्रति जागरूक करने एवं लाभ दिलाने हेतु विशेष अभियान चलाएं।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पीएम जनमन (ढट-खअठटअठ) अंतर्गत क्रियान्वित की जाने वाली समस्त हितग्राही मूलक योजनाओं यथा "आधार कार्ड, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, पीएम उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत कार्ड, पीएम किसान सम्मान निधि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), पीएम जन धन योजना, पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना, पीएम सुरक्षा बीमा, पीएम विश्वकर्मा, सुकन्या स्मृद्धि योजना, पीएम मातृ वंदना योजना, पीएम सुरक्षित मातृत्व अभियान, पीएम राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम, सिकल सेल मिशन, राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम" के सफल क्रियान्वयन हेतु विशेष अभियान चलाकर शतप्रतिशत लक्ष्य 15 जनवरी 2024 के पूर्व अनिवार्य रूप से प्राप्त करने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाए।

पीएम जनमन अंतर्गत सम्मिलित समस्त हितग्राही मूलक योजनाओं के सफल क्रियान्वयन एवं शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति हेतु स्वयं स्थल भ्रमण के साथ ही कैम्प आयोजित कर शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया जाना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही सभी पीवीटीजी ग्राम, बसाहटों का शत प्रतिशत सर्वेक्षण, सत्यापन भी कराया जाए। बैठक में अपर कलेक्टर रोमो नुस टोप्पो,अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अरविंद शाह, प्रगति वर्मा, ज्योति सिंह परस्ते सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

रामटौरिया में धूमधाम से निकाली गई अक्षत कलश यात्रा

मध्य प्रदेशः रामटौरिया में श्रीराम जानकी रमण मंदिर रामबाट प्रांगण से प्रतिष्ठा कार्यक्रम के उपलक्ष्य में कलश यात्रा का अयोजन किया गया।

अयोध्या में मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के भव्य मंदिर एवं रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के उपलक्ष्य में आज ग्राम पंचायत रामटौरिया में कलश यात्रा निकाली गई। अक्षत कलशयात्रा श्रीराम जानकी मंदिर से गांव के गली चौराहे से होकर गुजरी। महिला एवं पुरुषों में काफी उत्साह दिखाई दिया।

बच्चे युवा पुरुष हाथ में केसरिया ध्वज लेकर जय श्री राम के नारे लगाते हुए चल रहे थे। अयोध्या में 22 जनवरी को प्रधानमंत्री द्वारा रामलला की मूर्ति स्थापित होने पर हर्ष जताते हुए घर घर दीप जलाकर हर्षोल्लास के साथ रामचन्द्र जी के मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के लिए घर घर आह्वान किया। इसके साथ ही कलश यात्रा में चारो ओर पुलिस की सुरक्षा रही। इसमें आरक्षक अशोक आठिया की अहम भूमिका रहीं।

मध्य प्रदेशः "किसी वस्तु के नहीं भाव के भूखे होते हैं अतः श्रद्धा से भगवान की आराधना"- कथावाचक प्रभु प्रिया

गोवर्धन कुम्भकर

मध्य प्रदेशः कानड़ नगर से 3 किलोमीटर दूर देवनारायण मंदिर देव डूंगरी पर चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन कथा प्रवक्ता बाल विधुषी श्री प्रभुप्रियाजी ने विदुर प्रसंग सुनाते हुए कहा कि, भगवान भाव के भूखे होते है। आपकी किसी वस्तु के भूखे नही है भगवान। भक्ति के निष्कपट्ट निश्चल भाव से की गई भक्ति से प्रसन्न होते हैं। छल कपट राग द्वेष इन से वह नाराज होते हैं। अतः हमेशा व्यक्ति को श्रद्धा से प्रभु स्मरण करना चाहिए। राग द्वेष से बचना चाहिए तभी इस जीवन का जीने का सार है। अतः यहां आप लोग जो कथा सुनकर जाते हैं। उसे कथा को सुनकर अपने घर जाकर उसे पर मंथन करें। वह कथा के उपदेश पर चलने का प्रयास करें। निश्चित रूप से आपके द्वारा सुनी गई कथा तभी सार्थक होगी।

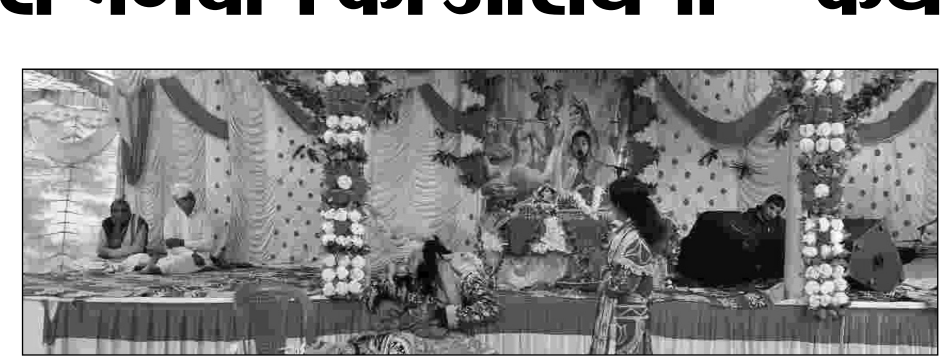

भजन करने की कोई उम्र नही होती है। भजन करने का कोई समय नही होता। आप किसी भी समय भगवान का भजन कर सकते है। इसके उपरांत प्रभुप्रिया जी ने भक्त प्रहलाद बहिर्ना कश्यप कथा का वृतांत सुनाया और हिरण्य कश्यप किस तरह से भक्त प्रहलाद को भगवान नारायण के लिए की उपासना के लिए नाराज होता था। लेकिन भक्त प्रहलाद ने भगवान नरसिंह की भक्ति नहीं छोड़ी भगवान भक्त प्रहलाद की भक्ति से प्रसन्न होकर उन्होंने भक्त प्रहलाद की रक्षा की और हिरण्यकश्यप का वध किया। इस प्रसंग को सुनाते हुए उन्होंने सचित्र भगवान नरसिंह भक्त प्रहलाद हिरण्यकश्यप को सचित्र कथा पंडाल में दिखाए कथा के मध्य क्रम में भजन 'मुझे लगी श्याम से प्रीत दुनिया, क्या जाने रे भक्ति' गीत पर पंडाल में महिलाएं झूमने लगी।

आज होगा श्री कृष्ण जन्म उत्सव चौथे दिन कथा स्थल पर भगवान श्री कृष्ण जन्म उत्सव मनाया जाएगा। जिसमें भगवान कृष्ण की बाल लीलाओं से लेकर उनके जीवन पर प्रकाश डाला जाएगा। इस बिगड़े मौसम में घने कोहरे एवं ठिठुरन भरे मौसम में श्रद्धालुओं की भक्ति को देखा गया और बड़ी संख्या में पहाड़ी क्षेत्र में स्थित नगर से लगभग 4 किलोमीटर दूर इस भगवान देवनारायण मंदिर जो पहाड़ी क्षेत्र में बना हुआ है। वहां कथा श्रवण करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और उन्होंने कथा को श्रवण किया। जो एक धर्म के प्रति अतः श्रद्धा को दशार्ता है।

आय से ज्यादा सम्पत्ति का मामला सामने आते ही थाने से फरार हुआ दरोगा

आकिल अली

उत्तर प्रदेश: जनपद बिजनौर के नूरपुर थाने में तैनात कस्बा इंचार्ज अनोखे लाल गंगवार के खिलाफ आय से अधिक सम्पत्ति के मामलें में भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत सम्भल में मुकदमा दर्ज होने का मामला प्रकाश में आया है। मुकदमा दर्ज होने की भनक मिलते ही आरोपी उप निरीक्षक अनोखे लाल गंगवार नूरपुर थाने से फरार हो गया है और मोबाइल नंबर भी नहीं मिल रहा जो बन्द हैं।

थाना प्रभारी निरीक्षक रविन्द्र कुमार वशिष्ठ ने बिना बताएं ड्यूटी से फरार उप निरीक्षक की गैर हाजिर की रिपोर्ट पुलिस अधीक्षक को भेजने की बात कही है।

भ्रष्टाचार निवारण संगठन मुरादाबाद के निरीक्षक मोहम्मद इश्तियाक की ओर से नूरपुर कस्बा इंचार्ज अनोखे लाल गंगवार पुत्र

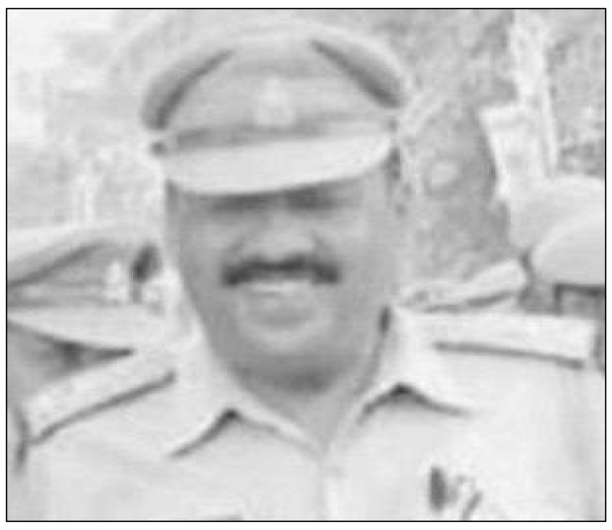

होरीलाल निवासी ग्राम नवदिया रघुनाथ थाना हाफिज गंज बरेली के विरुद्ध संभल जनपद के थाना जुनावई में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक जनपद सम्भल में तैनाती के दौरान उप निरीक्षक अनोखे लाल गंगवार के खिलाफ आय से अधिक सम्पत्ति जुटाने की लोक शिकायत की गई थी। अपर पुलिस महानिदेशक (लोक शिकायत) मुख्यालय पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस उप महानिरीक्षक ने उप निरीक्षक अनोखे लाल गंगवार के खिलाफ अवैध रूप से अर्जित सम्पत्तियों की जाँच भ्रष्टाचार निवारण संगठन से कराई गई थीं।

इस मामले की जांच निरीक्षक मोहम्मद इश्तियाक ने की। जांच में उप निरीक्षक अनोखे लाल गंगवार को निर्धारित चौक अवधि 1 मार्च 2016 से 13 अगस्त 2020 तक समस्त ज्ञात आय के वैध स्त्रोतों से कुल रुपये 33 लाख 81 हजार 703 रुपये की आय हुई।

तथा इसी अवधि में आरोपी उप निरीक्षक ने पारिवारिक भरण पोषण, भूमि प्लाटों के क्रय एवं वाहन क्रय करने पर कुल 65 लाख 72 हजार 190 रुपये व्यय किए जो आय की तुलना में 31 लाख 90 हजार 487 रुपये अधिक है।

तथा अनोखे लाल गंगवार जाँच के दौरान अर्जित अधिक धन के स्त्रोतों के विषय में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सकें। मामले के जांच अधिकारी मोहम्मद इश्तियाक ने सोमवार को उप निरीक्षक के खिलाफ धारा 13 (1) बी सपठित धारा 13 (2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज करा दिया।

मुकदमा दर्ज होने की जानकारी होते ही आरोपी उप निरीक्षक अनोखे लाल गंगवार नूरपुर थाने से बिना बताएं फरार हो गये। थाना प्रभारी निरीक्षक रविंद्र कुमार वशिष्ठ ने उप निरीक्षक के ड्यूटी से बिना बताएं की फरार होने की पुष्टि करते हुए गैर हाजिर की रिपोर्ट पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन को भेजने की बात कही है।

डॉ. पंकज सिंह ने बांटे जच्चा बच्चा कल्याण योजना के तहत 12 लाख के चेक

प्रमोद कुमार बंसल

राजस्थान: चंदवाजी निम्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की लॉबी में शुक्रवार को 109 माताओं को 12 लाख रुपये से अधिक के चेक बांटे गए। ये चेक उन माताओं को दिए जाते हैं, जिनके बच्चे निम्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में पैदा होते हैं। उन बेटियों को निम्स स्कूल में शिक्षा भी निःशुल्क दी जाती है।

मुख्य अतिथि के रूप में निम्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के निदेशक, भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं डॉ. पंकज सिंह फाउंडेशन के अध्यक्ष डा. पंकज सिंह ने माताओं को ग्यारह-ग्यारह हजार रुपये के चेक वितरित करते हुए कहा कि यह निम्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की एक कल्याणकारी योजना है।

उन्होंने कहा कि, इस योजना के जरिए समाज में समानता, समरसता पैदा करने और लिंग-भेद दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बेटे और बेटी में भेदभाव को सामाजिक बुराई बताते हुए भ्रूण हत्या रोकने पर बल दिया।

भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रवक्ता सर्वेश्वर शर्मा ने योजना की सराहना करते हुए निम्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में पैदा होने वाले बच्चे और उनकी मां को पौष्टिक आहार एवं मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए रुपए 11000 का चेक दिया जाता है। उनकी डिलीवरी का खर्च भी हॉस्पीटल द्वारा ही वहन किया जाता है। साथ ही निम्स में पैदा होने वाले बच्चे की पढ़ाई भी निःशुल्क कराई जाएगी।

न्यायाधीश राजपाल मीना ने असहाय व्यक्तियों के लिए संचालित रैनबसेरे का किया औचक निरीक्षण

गोवर्धन सिंह

राजस्थान: राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण झालावाड़ के निदेर्शानुसार व ताल्लुका विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष न्यायाधीश राजपाल मीना द्वारा शुक्रवार रात्रि 9 बजे चोमहला कस्बे के बस स्टेण्ड क्षेत्र में बेघर व असहाय व्यक्तियों हेतु संचालित रैनबसेरे का औचक निरीक्षण किया गया।

न्यायाधीश ने रैनबसेरे में व्यवस्थाओं पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि, रैनबसेरे में निरीक्षण करने पर पाया गया कि, उक्त रैनबसेरे में मात्र दो व्यक्ति ही नजर आये, जिनसे न्यायाधीश ने सुविधाओं के बारे में पूछताछ की।

राज्य सरकार द्वारा जारी निर्धारित मापदण्डों के अनुसार उक्त रैनबसेरे में महिलाओं व पुरूषो के पृथक-पृथक सोने की व्यवस्था नहीं की गयी है। मौके पर कोई केयर टेकर नहीं पाया गया ना ही आने-जाने वाले व्यक्तियों के

इन्द्राज हेतु कोई रजिस्टर संधारित करना पाया गया। शौचालय पर ताला लटका हुआ पाया गया तथा शौचालय की टंकियों में पानी नहीं पाया गया। उक्त रैनबसेरे में कोई प्राथमिक चिकित्सा किट नहीं पाया गया।

उक्त रैनबसेरे की व्यवस्थाओं को लेकर न्यायाधीश ने उपखण्ड अधिकारी से दूरभाष पर वार्ता कर सम्बन्धित से व्यवस्थाएं दूरूस्त करवाने बाबत निर्देशित किया तथा कस्बे के प्रमुख चोराहों पर उक्त रैनबसेरे के प्रचार-प्रसार हेतु फ्लेक्स लगवाने बाबत निर्देश प्रदान किये तथा आमजन से भी सोशल मीडिया के माध्यम से अपील की जाती है कि आपके आस-पास अगर कोई बेसहारा व असहाय व्यक्ति इस कड़ाके की ठण्ड से परेशान है, तो उसे आप रैनबसेरे में पहुंचाने में मदद करें, ताकि किसी भी व्यक्ति की ठण्ड के कारण मृत्यु ना हो। मौके पर विधिक सचिव दीपक प्रजापति, पीएलवी संजय राठौर, कानि0 विनोद कुमार उपस्थित रहे।

हरियाणा सरकार और शिक्षा विभाग के संयुक्त प्रयास से आई रोशनी: 'सुपर हंड्रेड' और 'मिशन बुनियाद'

राहुल शर्मा

सुपर हंड्रेड: इस परियोजना का उद्देश्य 2018 में शुरू होने वाले सुपर हंड्रेड के माध्यम से 11वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों को आईआईटी और मेडिकल की कोचिंग प्रदान करना है। इस प्रोग्राम ने पिछले चार वर्षों में 160 से अधिक छात्रों को आईआईटी, एनआईटी और सरकारी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश दिलाने में सफलता प्राप्त करवाई है।

मिशन बुनियाद: "मिशन बुनियाद" के अंतर्गत, नवमी और दसवीं कक्षा के छात्रों के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म की शुरूआत की गई है। इस प्रोग्राम का उद्देश्य है बच्चों के बीच में एक स्वतंत्र, सकारात्मक और प्रतिस्पर्धी भावना बढ़ाना, ताकि वे अपने आगामी जीवन की चुनौतियों का सामना कर सकें।

जागरूकता और सेमिनार: हरियाणा सरकार और शिक्षा विभाग ने ब्लॉक लेवल पर सेमिनारों का आयोजन किया है ताकि स्कूलों के छात्रों को इन प्रोग्रामों के फायदों के बारे में जागरूकता हो सके। इस सेमिनार के माध्यम से बच्चों को सरकारी स्कीमों के लाभ के बारे में समझाया जा रहा है और उन्हें इसमें भाग लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

छात्रों को मोटिवेट करने के लिए: इस प्रयास के पीछे एक महत्वपूर्ण मंच है, जो बच्चों को अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए संघर्ष करने के लिए प्रेरित कर रहा है। यह सेमिनार बच्चों को बता रहा है कि, कैसे वे इस प्रोग्राम के माध्यम से अपनी क्षमताओं को निखार सकते हैं और अपने सपनों को हकीकत में बदल सकते हैं।

नई दिशा, नई ऊँचाई: इस परियोजना के माध्यम से हरियाणा सरकार और शिक्षा विभाग ने शिक्षा में नई दिशा प्रदान करने का संकल्प लिया है, ताकि हर एक छात्र अपने सपनों की पूर्ति की दिशा में कदम बढ़ा सके।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने परिवहन विभाग की समीक्षा कर दिए निर्देश

हरीश उपाध्याय

उत्तराखंड: उत्तराखंड राज्य के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने परिवहन विभाग की समीक्षा तथा यातायात नियमों के प्रति जन जागरूकता के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिया कि, बस स्टेशनों को साफ तथा सुख सुविधा से संयुक्त बनाया जाए, दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में क्रॉस बैरियर तथा सड़कों के किनारे वृक्षारोपण किया जाए, दुर्घटनाओं को रोकने के लिए फिटनेस सेटिंग का ध्यान रखा जाए। वाहन चालकों के परीक्षण मेडिकल की भी सुविधा की जाए। ज्ञापन नियमों के निरंतर लोगों को जागरूक किया जाए। रोडवेज की बसों के द्वारा सरकार के महत्वपूर्ण योजनाओं का प्रचार किया जाए।

सुरक्षा की दृष्टि से पर्वतीय क्षेत्रों में निर्देश भी जारी किए।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को सचिवालय में परिवहन की विभाग की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा उत्तराखंड में श्रद्धालु तथा पर्यटकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। जहां पर नए बस स्टेशन बनाए जा रहे हैं। वहां पर श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं का फोन ध्यान रखा जाए। जैसे पेयजल और मोर्भुत सुविधाओं का ध्यान रखा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि, अयोध्या के लिए देहरादून हल्द्वानी और हरिद्वार से बस सेवाओं को संचालित किया जाए।

बेसन के पर्यटन नंबर स्पष्ट होनी चाहिए। प्लेट नंबरों से अगर कोई छेड़खानी की तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी तथा यह जानकारी भी दी गई की उत्तराखंड परिवहन निगम की स्थिति में पिछले दो वर्षों से काफी सुधार आया है। इसमें परिवहन विभाग उत्तराखंड सच्चा परिवार विभाग निगम के अधिकारी उपस्थित रहे।

अनूपशहर बार एसोसिएशन नवनिर्वाचित पदाधिकारीयों का शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन

रविन्द्र कुमार सिंह

उत्तर प्रदेश: अनूपशहर बार एसोसिएशन नवनिर्वाचित पदाधिकारीयों का शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन हुआ। तहसील सभागार में बार एसोसिएशन नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुरेश सिंह चौहान एवं सचिव प्रमोद राजोरा आदि को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद न्यायाधीश बुलंदशहर पंकज कुमार सिंह ने गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। मुख्य अतिथि न्यायाधीश पंकज कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा, बार की सभी समस्याओं का अति शीघ्र निस्तारण किया जाएगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता एल्डर कमेटी के चेयरमैन राधेश्याम एवं संचालक जावेद अख्तर एडवोकेट ने किया। बार के एडवोकेट हरिश्चंद्र सुरेंद्र भारतीय पूर्व अध्यक्ष

कमलचंद बंसल, शरद चंद्र कौशिक, पूर्व अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, बालियान पीयूष मिश्रा, सचिव प्रमोद राजोरा। अध्यक्ष सुरेश चौहान आदि ने अपने-अपने विचार रख बार की समस्याओं से अवगत कराया।

इस अवसर पर विशेष अतिथिगण अपर जिला जज ज्ञान प्रकाश तिवारी, एसीजेएम अनूपशहर विनय कुमार, उप जिलाधिकारी नवीन कुमार, तहसीलदार अजय कुमार, नगर पालिका अध्यक्ष बृजेश गोयल आदि उपस्थित रहे।

भारतीय किसान संघ शुजालपुर ने किसानों की समस्याओं के निराकरण के लिए एक ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम एस डी एम सत्येन्द्र प्रताप सिंह को सौंपा

बृज कुमार राठौर

मध्य प्रदेश: भारतीय किसान संघ शुजालपुर द्वारा किसानों की समस्याओं के निराकरण हेतु एक ज्ञापन मुख्यमंत्री और कलेक्टर के नाम एस डी एम सत्येन्द्र प्रताप सिंह को सौंपा। जिसमें क्षेत्र में किसानों द्वारा बोई गई मसूर फसल मौसम खराब होने से नष्ट हुई की राहत राशि और बीमा राशि मांग की। सोयाबीन फसल कौड़ियों की दाम बिक रही है। इस पर भी संगठन ने सरकार को कोसा और उचित धाम दिलाने की मांग की। तहसील में सिंचाई के लिए पानी का कोई बड़ा और स्त्रोत नहीं है। इसलिए सरकार द्वारा स्वीकृत नर्मदा सिंचाई परियोजना से पाइपलाइन द्वारा

किसानों के खेतों को पानी दिया जाए। यह मांग भी संगठन ने रखते हुए किसान सम्मान निधि बढ़ाने के साथ इस योजना से छूटे हुए किसानों और लाडली बहना योजना में वंचित बहनों को जोड़ने की बात भी ज्ञापन में रखी गई।

गेहूं का घोषित समर्थन मूल्य 2275 के साथ 425 रुपए बोनस की राशि सहित 2700 रुपए प्रति क्विंटल की राशि एक मुस्त किसानों के खाते में डालने के लिए अवगत कराया। प्याज निर्यात पर लगा प्रतिबंध हटाने और जंगली जानवरों से फसल में हो रहे नुकसान के कारण जानवरों को पकड़ने के साथ दूध उत्पादक किसानों के दूध का भाव बढ़ाने आदि विषयों की मांग ज्ञापन में की गई। जिसमें जिला कोषाध्यक्ष सोहन सिंह सिसोदिया।

उपाध्यक्ष राधेश्याम। धनगर तहसील अध्यक्ष चन्दर सिंह सिसोदिया। उपाध्यक्ष दिनेश जाट सुभाकसिह मेवाडा। चेनसिह पटेल मंत्री राजेंद्र मेवाड़ा। सहमंत्री नरेंद्र। पाटीदार युवा वाहिनी अभिषेक जोशी सहित तहसील सदस्यों के साथ क्षेत्र के सैकड़ों किसानों की उपस्थिति रही।

युको बैंक डेलांग शाखा की ओर से धूमधाम से मनाया गया 82वां स्थापना दिवस समारोह

लक्ष्मीनारायण पथी

ओडिशा: डेलांग प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत युको बैंक डेलांग शाखा की ओर से 6 जनवरी को 82वां स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया । इस उपलक्ष्य बैंक की अंदर व वाहर परिसर को वेलुन और फूलों से सजाया गया। बैंक की अंदर फर्श पर रंगवेरंग चित्रांकन का आयोजन हुआ था । इस अवसर पर स्वच्छता के प्रति विशेष ध्यान दिया गया । बैंक को गये हुए खाताधारकों को चकोलेट, मिष्ठान्न और नया साल की कैलेंडर आदि देकर सम्मानित किया गया ।

इस अवसर पर स्थानीय युको बैंक की प्रबंधक योगेश कुमार प्रधान ने समस्त खाताधारकों को बैंक के प्रति उनके अटल विश्वास

और समर्थन के लिए धन्यवाद ज्ञापन किए । भविष्य में बैंक को इस तरह लोगों की सहयोग की उन्होने आग्रह की । इस स्थापना दिवस की वर्षगांठ पर बैंक की सजावट से लेकर खाताधारकों को धन्यवाद देने तक बैंक की समस्त कर्मकर्ता सहकारी प्रबंधक देवव्रत कुंडु, कृषि क्षेत्र अधिकारी सुनील मिश्र, स्केल वान अधिकारी बिघ्नेश प्रसाद विश्वाल, खजांची सरस्वती पंडा, वसंत वारिक, आयुवर्ग खान, ज्योतिर्मय पात्र और दीपक वेहेरा के विशेष सहयोग रहा।

संपादकीय

एमएसपी गारंटी दे सरकार

एक बार फिर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और सरकार की खरीद नीति का विश्लेषण जरूरी हो गया है, क्योंकि इन दोनों से, एक हद तक, कुछ खास फसलों को ही फायदा है। ये नीतियां बाजार में विकृतियां पैदा कर रही हैं। तेल के बीज और दालों के किसानों को दो स्तरों पर नीतिगत भेदभाव झेलना पड़ रहा है। उनके एमएसपी कागजों पर ही लिखे हैं, जबकि धान, गेहूं और गन्ने के साथ ऐसा नहीं है। इन फसलों को या तो सरकार प्रत्यक्ष तौर पर खरीदती है अथवा गन्ने के लिए चीनी मिलों को भुगतान करने को बाध्य करती है। राजस्थान में सरसों करीब 5000 रुपए प्रति क्विंटल के भाव बेचा जा रहा है और महाराष्ट्र में चने के दाम 4700 रुपए प्रति क्विंटल हैं। नीतिगत भेदभाव यह है कि सरसों का एमएसपी 5650 रुपए और चने का 5440 रुपए प्रति क्विंटल है।

किसानों के लिए गारंटीशुदा एमएसपी और फसलों के घोषित मूल्य पर उनकी खरीद के दोनों मुद्दे अनंत और प्राचीन लगते हैं, क्योंकि बीते 50 साल में किसी भी सरकार ने इनके नीतिगत समाधान की सार्थक कोशिश नहीं की है। मौजूदा सरकार से अंतिम अपेक्षा इसलिए है, क्योंकि लोकसभा चुनाव मात्र तीन माह दूर ही हैं। किसान आंदोलन जब खत्म हुआ था, तब सरकार ने एक विशेष समिति का गठन किया था। उसमें कुछ कथित किसानों को भी रखा गया था। एमएसपी के मुद्दे पर उसने क्या विमर्श किया और किस बिंदु तक पहुंची है, इसका कोई भी खुलासा देश के सामने नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने जिन चार महत्वपूर्ण जातीय वर्गों की घोषणा की थी, किसान उनमें एक हैं। भारत सरकार के विज्ञापन आजकल खूब प्रसारित कराए जा रहे हैं कि कितने करोड़ किसानों को 'सम्मान राशि' के तौर पर कितने लाख करोड़ रुपए आवंटित किए जा चुके हैं। जिन फसलों का आज हम उल्लेख कर रहे हैं, वे खेतों में हैं और दो माह की अवधि में ही उन्हें बाजार में बेचना अनिवार्य है।

दूसरा बिंदु आयात का है। गेहूं, मिलों के चावल और चीनी की आयात-दरें बहुत ज्यादा हैं। सोयाबीन और सूरजमुखी सरीखे खाद्य-तेलों की आयात-दर शून्य है। ऐसा ही अधिकतर दालों के संदर्भ में है। गेहूं और धान के उत्पादन में भारत विश्व के अग्रणी देशों में है। चीनी उत्पादन में भी हम विश्व में दूसरे स्थान पर हैं। यदि सरकार फसलों के एमएसपी को कानूनन सुनिश्चित करा दे और एमएसपी पर खरीद के दायरे में अधिक किसान और 23 से अधिक फसलें लाई जाएं, तो किसानों की आमदनी का मुद्दा बहुत हद तक हल किया जा सकता है। किसान इतना कर्जदार भी नहीं रहेगा। अब भी किसान पर औसतन कर्ज करीब 75, 000 रुपए का है, जबकि केंद्र और राज्य सरकारें कर्ज माफी के दावे करती रही हैं। बहरहाल कृषि का इतना परिदृश्य जरूर बदला है कि दालों का आयात काफी कम हुआ है, लेकिन खाद्य-तेलों का आयात बढ़ाना पड़ा है। चूंकि मोदी सरकार ने फसल उत्पादक समर्थक से उपभोक्ता समर्थक की नीति बदली है, नतीजतन आयात फिर बढ़ता दिख रहा है।

पीएम पद और सीट शेयरिंग बड़ी बाधा

> इंडिया गठबंधन की बैठक में शिवसेना ने 23 सीटों पर अपना दावा किया। उद्धव गुट ने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में उनके उम्मीदवारों ने काफी सीटें जीती थी, लेकिन अभी ज्यादातर उम्मीदवार एकनाथ शिंदे कैंप में जा चुके हैं। कांग्रेस ने अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए महाराष्ट्र में 23 सीटों की सहयोगी शिवसेना (यूबीटी) की मांग को खारिज कर दिया।

-योगेंद्र योगी-

विपक्षी दल इंडिया एलायंस की चार बैठकों के बावजूद सीटों के तालमेल और प्रधानमंत्री पद की दावेदारी का मुद्दा उलझने से लोकसभा चुनाव में भाजपा से मजबूती से संयुक्त रूप से मुकाबला करने पर संशय बना हुआ है। गठबंधन के दल अपनी सुविधा के हिसाब से चुनावी गणित लगा रहे हैं। क्षेत्रीय दल राज्यों के हिसाब से सीटों की दावेदारी जता रहे हैं। कोई भी दल यह नहीं चाहता कि उसके प्रभाव वाले राज्य में कांग्रेस या अन्य दलों से सीटों की शेयरिंग की जाए। यही कारण है कि विपक्षी एकता पर अभी तक सवालिया निशान लगे हुए हैं। इंडिया गठबंधन की बैठक में शिवसेना ने 23 सीटों पर अपना दावा किया। उद्धव गुट ने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में उनके उम्मीदवारों ने काफी सीटें जीती थी, लेकिन अभी ज्यादातर उम्मीदवार एकनाथ शिंदे कैंप में जा चुके हैं। कांग्रेस ने अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए महाराष्ट्र में 23 सीटों की सहयोगी शिवसेना (यूबीटी) की मांग को खारिज कर दिया। महाराष्ट्र के कांग्रेस नेताओं का कहना था कि शरद पवार की एनसीपी और उद्धव ठाकरे की शिवसेना में बगावत होने के बाद कांग्रेस ही राज्य में सबसे पुरानी पार्टी बची है। पूर्व मुख्यमंत्री और महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक चव्हाण ने कहा कि पार्टियों के बीच समायोजन की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हालांकि हर पार्टी सीटों की बड़ी हिस्सेदारी चाहती है, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए शिवसेना की 23 सीटों की मांग काफी ज्यादा है। कांग्रेस नेता संजय निरूपम ने उद्धव ठाकरे की यूबीटी की 23 संसदीय सीटों की मांग पर तंज कसते हुए कहा कि शिवसेना 23 सीटों की मांग कर सकती है, लेकिन वे उनका क्या करेंगे?

शिवसेना के नेता चले गए हैं, जिससे संकट पैदा हो गया है। उम्मीदवारों की कमी शिवसेना के लिए एक समस्या है। वर्ष 2019 में अविभाजित शिवसेना बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन का हिस्सा थी। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी अब एमवीए का हिस्सा है, जिसमें कांग्रेस और एनसीपी शामिल हैं। जून 2022 में एकनाथ शिंदे और 40 अन्य विधायकों ने शिवसेना नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह कर दिया, जिससे पार्टी में विभाजन हो गया और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार गिर गई। इसके बाद शिंदे ने राज्य में सरकार बनाने के लिए बीजेपी से हाथ मिला लिया। इंडिया गठबंधन में सीट शेयिरिंग का इंतजार किए बगैर ही समाजवादी पार्टी भी उत्तर प्रदेश में इलेक्शन की तैयारी कर रही है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इंडिया गठबंधन की जीत को लेकर बड़ा दावा कर दिया। अखिलेश यादव के मुताबिक अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटों पर जीत दर्ज करेगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटी हुई है। इंडिया गठबंधन उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटें जीतेगा। पूर्व सीएम ने यह भी कहा कि 80 सीटें जीतकर बीजेपी को सत्ता से बाहर करना है। सपा अध्यक्ष के बयान से जाहिर है कि उत्तरप्रदेश में कांग्रेस के लिए कोई स्थान नहीं बचा है। अर्थात कांग्रेस को अखिलेश यादव ने उत्तरप्रदेश से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। हालांकि कांग्रेस ने अभी तक इस पर कोई प्रतिक्रिया जाहिर नहीं की है। लेकिन यह निश्चित है कि अखिलेश यादव आसानी से कांग्रेस से सीट शेयरिंग करने को तैयार नहीं होंगे। दरअसल कांग्रेस नहीं चाहती कि बैठक में कोई ठोस निर्णय से पहले किसी तरह की जल्दबाजी करे। ऐसे में विपक्ष की एकता के बिखराव का ठीकरा कांग्रेस के सिर फूटेगा। इसी से कांग्रेस फिलहाल बचना चाहती है। सीट शेयरिंग का मुद्दा इंडिया गठबंधन के लिए सुलझाना आसान नहीं है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) अध्यक्ष ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन को लेकर कहा कि इंडिया गठबंधन देशभर में बीजेपी से मुकाबला करेगा। बंगाल में इस लड़ाई का नेतृत्व टीएमसी करेगी। इससे जाहिर है कि ममता ने कांग्रेस को साफ संदेश दे दिया है कि पश्चिम बंगाल में सीट शेयरिंग का मुगालता नहीं पाले। इस पर भी कांग्रेस की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। कांग्रेस के बिहार में भी सीट शेयरिंग के दरवाजे आसानी से खुलने की संभावना नहीं है। ममता और अखिलेश की तरह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी इस बात के समर्थक रहे हैं कि जिन राज्यों में जिन दलों का प्रभाव है, अर्थात पिछले लोकसभा चुनाव में जिस दल की सीटें जितनी हैं, उस हिसाब से सीट शेयरिंग की जाए। ऐसे में बिहार में कांग्रेस के लिए तालमेल बिठाना मुश्किल है। कमोबेश यही स्थिति अरविंद केजरीवाल की पार्टी आप की है। केजरीवाल भी कांग्रेस को दिल्ली और पंजाब से बाहर रखना चाहते हैं। केजरीवाल की पार्टी के अन्य नेता इस बात के संकेत दे चुके हैं, यदि समझौता हुआ भी तो कांग्रेस के हिस्से में नाममात्र की सीटें ही आएंगी। सीट शेयरिंग की तरह ही प्रधानमंत्री पद का मुद्दा भी विपक्षी एकता की कवायद को आगे बढ़ाने में मुश्किल पैदा कर रहा है। हालांकि यह मुद्दा तुलनात्मक रूप से फिलहाल इतना बड़ा नहीं है। दिल्ली में हुई बैठक में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और ममता बनर्जी द्वारा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे का नाम प्रधानमंत्री पद के लिए प्रस्तावित करने पर यह मुद्दा गरमा गया।

हालांकि खडगे ने प्रधानमंत्री पद का दावेदार होने से इंकार कर दिया। खडगे ने प्रधानमंत्री पद के चेहरे के मुद्दे को ठंडे बस्ते में रखने की इच्छा व्यक्त की थी और इस बात पर जोर दिया था कि इंडिया गठबंधन को पहले पर्याप्त संख्या में लोकसभा सीटें जीतने की जरूरत है। ममता और केजरीवाल ने खडगे के नाम का दाव बड़ा सोच समझ कर चला। इससे राहुल गांधी के लिए परेशानी बढ़ सकती है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि 1977 का लोकसभा चुनाव विपक्ष ने मोरारजी देसाई को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किए बिना लड़ा था। पवार ने यह भी भरोसा जताया कि अगले आम चुनाव के लिए इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) एक व्यवहार्य विकल्प के रूप में उभरेगा। उन्होंने कहा कि 1977 का लोकसभा चुनाव विपक्ष ने बिना प्रधानमंत्री पद का चेहरा पेश किए लड़ा था। चुनाव में विपक्ष की जीत के बाद मोरारजी देसाई को इस पद के लिए चुना गया। पवार ने कहा कि राज्यों में हाल के विधानसभा चुनावों में खराब नतीजों के बावजूद हमें विश्वास है कि लोग इंडिया गठबंधन को एक व्यवहार्य विकल्प के रूप में स्वीकार करेंगे। हम सभी एहतियात बरत रहे हैं। अभी तक सीट बंटवारे पर कोई बातचीत नहीं हुई है। लेकिन सर्वसम्मति बनाने और मतभेदों को सुलझाने के लिए बातचीत शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री पद की दावेदारी के बीच इस बात के कयास लगाए गए कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार खडगे का नाम आगे बढ़ाए जाने से नाराज हैं। नीतीश कुमार ने उन अटकलों को खारिज कर दिया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे को प्रधानमंत्री पद का चेहरा बनाने का सुझाव और उन्हें गठबंधन का संयोजक नहीं बनाए जाने के कारण उन्हें मायूसी हुई और इसको लेकर उन्हें नाराजगी है। खडगे के नाम प्रस्तावित किए जाने के बारे में उन्होंने कहा कि बैठक में मुद्दा (एक नेता के नाम का) आया। मैंने शुरू में ही स्पष्ट कर दिया था कि हमारी अपनी कोई इच्छा नहीं है। सब लोग साथ मिलकर चलें, यही हम चाहते हैं। फिर एक और नाम प्रस्तावित किया गया, मैंने कहा कि यह ठीक है। यह बात दीगर है कि नीतीश की पार्टी के कई नेता उनका नाम प्रधानमंत्री पद के लिए बता चुके हैं। इंडिया गठबंधन की चार बैठकों के बावजूद सीट शेयरिंग को लेकर कोई नतीजा नहीं निकलने से इस बात के साफ संकेत हैं कि यह मुद्दा बोतल के जिन्न की तरह है, जिसके निकलते ही दलों की एकता के भंग होने का खतरा है। सभी दल सीट शेयरिंग के लिए आसानी से तैयार नहीं होंगे।

(स्वतंत्र लेखक)

जमीनी हकीकत से अंजान अहंकारी निर्णय ठीक नहीं होते

-चैतन्य भट्ट-

पिछले दिनों दिल्ली, यूपी, बिहार, गुजरात समेत अन्य राज्यों में जनजीवन ट्रक और बस ड्राइवरों की अचानक हुई हड़ताल से थम सा गया। पेट्रोल, डीजल, दूध, खाद्यान्न समेत सारी आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई चरमराती दिखी और पब्लिक ट्रांसपोर्ट पूरी तरह ठप हो गया। लोग छोटी मोटी दूरियों का सफर करने में भी परेशान हो गए। शुक्र है कि परिस्थितियां त्राहि-त्राहि मचने के पहले ही संभल गईं।

हड़ताल का कारण पिछले हफ्ते लागू नए आपराधिक न्याय विधेयक के प्रावधान रहे जिनके तहत लापरवाही या तेज स्पीड से गाड़ी चलाते दुर्घटना होने और पुलिस को बताए बिना फरार हो जाने पर ड्राइवर को 10 साल की सजा और 7 लाख जुमार्ना हो सकता है। न भागने पर भी पांच साल की सजा हो सकती है। दोनों ही मामले गैर-जमानती भी हैं यानी थाने से जमानत नहीं मिलेगी। पुराने कानून के मुताबिक अधिकतम दो साल की सजा है और थाने से जमानत भी मिल जाती है।

हड़ताली ड्राइवरों का कहना है कि वह जानबूझकर हादसों को न्योता नहीं देते। ज्यादातर दुर्घटनाएं छोटी गाड़ी वालों की गलती से होती हैं मगर भीड़ उन पर टूट पड़ती है और मारपीट तो छोड़िए हत्या तक पर उतारू हो जाती है। ऐसे में अगर वो दुर्घटना के बाद रुके तो भीड़ उन्हें मार डालेगी और अगर नहीं रुकते हैं तो सरकार मार डालेगी। 10-15 हजार रुपये महिना कमाने वाले ड्राईवर सात लाख रुपये का जुमार्ना कहां से देंगे। ऐसी दुर्घटनाओं से संबंधित खबरों का इतिहास टटोलें तो लगेगा की ड्राइवरों की बातों में सच्चाई है। दुर्घटना हुई नहीं कि छुटभैये नेता गुस्साई भीड़ का निजाम अपने हाथों में थाम लेते हैं और वाहनों को आग लगाने, ड्राइवर को अधमरा होने तक पीटने जैसी घटनाएं हो जाती हैं।

सच कहें तो देश की आपूर्ति व्यवस्था की जीवन रेखा कहे जाने वाले लगभग 80 लाख ड्राइवरों की हालत दयनीय है। हफ्तों घर परिवार से दूर देश भर की खाक छानने वाले इन ड्राइवरों की मासिक आमदनी 25 हजार से भी कम है। सेवलाईफ फाउंडेशन का सर्वे बताता है कि आधे से अधिक ड्राइवर अन्य विकल्प न होने के कारण यह काम करने पर मजबूर हैं। उनमें असंतोष के प्रमुख कारणों में पुलिस/आरटीओ की गुंडागर्दी, परिवार के साथ वक्त बिताने के बहुत कम मौके, ऐक्सिडेंट की आशंका में जिंदगी का खतरा और काम की कोई निश्चित समय-सीमा नहीं होना शामिल हैं।

बहरहाल अखिल भारतीय परिवहन कांग्रेस (एआईएमटीसी) और गृह मंत्रालय के बीच लंबी बातचीत हुई और सरकार ने उन्हें आश्वासन दिया कि कानून अभी लागू नहीं हुआ है। नए प्रावधान लागू करने से पहले अखिल भारतीय परिवहन कांग्रेस से विचार विमर्श किया जाएगा। इस आश्वासन के बाद हड़ताल वापस हुई और जनता ने राहत की सांस ली।

दबाव के आगे न झुकने की छवि वाली सरकार के दो ही दिनों में झुक जाने के राजनीतिक मायने भी निकाले गए। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सरकार ने समझौते का रास्ता ही ठीक समझा। हड़ताल जारी रहने की स्थिति में उत्तर भारतीय राज्यों के नजरिए से महत्वपूर्ण 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की चर्चा नेपथ्य में जाने का खतरा था। आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बाधित होने से कीमतें बढ़ने और अर्थव्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित होने की परिस्थितियां भी बन सकती थीं जो आसन्न लोकसभा चुनावों में पार्टी की विजय के लिए खतरनाक होतीं।

इस बीच शाजापुर कलेक्टर का कारनामा भी चर्चा में रहा। साहब हड़ताल तोड़ने और व्यवस्था पुनर्स्थापित करने की महत्वपूर्ण कोशिश के लिए ड्राइवरों से बात करते करते अचानक तैश में आ गए और एक ड्राइवर को उसकी औकात याद दिला बैठे। चालक ने भी कह दिया : औकात ही तो नहीं है हमारी, वही बनाने की कोशिश तो कर रहे हैं। बात पते की थी। शासकीय परिभाषा में जनसेवक कहलाए जाने वाले कलेक्टर की बात निहायत शर्मनाक तो थी ही, गंभीर परिस्थितियों में रास्ता निकालने की उनकी मूलभूत शासकीय जिम्मेदारी के भी सर्वथा विपरीत थी। भला हो मुख्यमंत्री का कि घटना का तत्काल संज्ञान लिया और कलेक्ट्री के जलवे बिखेरने वाले साहब खेद प्रकट करने और लाइन अटैच हो कर कुर्सी तोड़ने पर मजबूर हो गए। अफसर सरकार चला रही राजनीतिक पार्टी का सार्वजनिक चेहरा होते हैं।

नीतीश का शह-मात का खेल

-अजीत द्विवेदी-

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लोकसभा चुनाव से पहले अपना बड़ा दांव चल दिया है। पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह की जगह जब नीतीश कुमार ने खुद राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने का फैसला किया तो मीडिया में जो विमर्श बना वह एकतरफा था। हर जगह यह माना और कहा गया कि अब नीतीश कुमार ने फिर से भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में लौटने का फैसला कर लिया है और इसलिए राजद समर्थक दिख रहे राष्ट्रीय अध्यक्ष को हटा दिया है। इस विश्लेषण में कुछ भी गलत नहीं है। लेकिन इस पूरे प्रयोग को दूसरे पहलुओं से भी देखने की जरुरत है। दूसरे पहलुओं में बिहार की जमीनी राजनीति में नीतीश की पार्टी की हैसियत, उनके वोट आधार और सामाजिक समीकरण पर खास तौर से ध्यान देने की जरुरत है। ध्यान रहे नीतीश की पार्टी पिछले 20 साल में सबसे कमजोर स्थिति में है। लगातार दो विधानसभा चुनावों में उनकी पार्टी की सीटें कम हुई हैं और कुछ घटनाएं ऐसी हुई हैं, जिनसे उनकी मानसिक सेहत को लेकर सवाल उठे हैं। तभी उन्होंने राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में एक दांव से नया विमर्श गढ? और अपने समर्थक मतदाताओं को सकारात्मक संदेश देने का प्रयास किया हैइसमें कोई संदेह नहीं है कि विधायकों की संख्या के लिहाज से जनता दल यू तीसरे नंबर की पार्टी है। लेकिन वह इसलिए है क्योंकि पिछले विधानसभा चुनाव में साथ होने के बावजूद भाजपा ने जनता दल यू को कमजोर करने की परोक्ष राजनीति की थी। भाजपा की शह पर चिराग पासवान ने नीतीश को खत्म करने का बीड़ा उठाया था और उनके हिस्से की हर सीट पर अपना उम्मीदवार उतारा था। भाजपा की ओर से बार बार कहा जाता है कि चिराग ने यह काम अपनी मर्जी से किया था। लेकिन हकीकत सबको पता है। भाजपा के कई दिग्गज नेता 2020 में चिराग की पार्टी की टिकट पर लड़े थे और बाद में भाजपा में लौट गए थे। सोचें, 2019 में भाजपा, जदयू और लोजपा का परफेक्ट गठबंधन था। तीनों ने मिल कर 40 में से 39 लोकसभा सीटें जीती थीं तो 2020 में ऐसा क्या हो गया कि चिराग अलग लड? चले गए और नीतीश को खत्म करने का संकल्प कर लिया? वह भी तब जब उनके पिता रामविलास पासवान जीवित थे!बहरहाल, भाजपा के इस दांव के बावजूद संयोग ऐसा हुआ कि नीतीश खत्म नहीं हुए। उनकी पार्टी को 43 सीटें मिल गईं और विधानसभा की संरचना ऐसी बनी कि उनके बगैर किसी की सरकार नहीं बन सकती थी। चूंकि भाजपा उनके चेहरे पर चुनाव लड़ी थी इसलिए मजबूरी हो गई कि उनको सीएम बनाया जाए। लेकिन नीतीश ने गांठ बांधी ली थी भाजपा से बदला निकालने की।

तभी भाजपा के साथ करीब दो साल सरकार चलाने के बाद वे मंडल की राजनीति को जिंदा करने के लिए राजद के साथ चले गए। उसके बाद से भाजपा ने उनको राजनीतिक रूप से कमजोर करने का दूसरा अभियान शुरू किया। इसके तहत उनके आधार वोट को तोड? का प्रयास हो रहा है। इससे पहले तक भाजपा लालू प्रसाद के आधार वोट में सेंध लगाने का प्रयास कर रही थी। लेकिन दूसरे चरण में उसने नीतीश को निशाना बनाया। इसके लिए कोईरी जाति के मजबूत नेता सम्राट चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। ध्यान रहे नीतीश की राजनीति का कोर वोट आधार कोईरी-कुर्मी-धानुक का है। इसमें उन्होंने बड़ी होशियारी से अत्यंत पिछड़ी जातियों और महादलित को जोड़ा है और सामान्य वर्ग के सहयोग से एक मजबूत आधार तैयार किया है। सम्राट चौधरी को अध्यक्ष बनाने के बाद भाजपा ने उनकी जगह हरि सहनी को विधान परिषद में अपना नेता बनाया, जो अत्यंत पिछड़ी जाति से आते हैं और सामान्य वर्ग के विजय सिन्हा को विधानसभा में नेता विपक्ष बनाया। इस तरह भाजपा ने नीतीश के लव-कुश और अत्यंत पिछड़ा व सवर्ण के समीकरण की तरह अपना जातीय समीकरण तैयार किया।तभी नीतीश कुमार के लिए यह जरूरी हो गया था कि वे अपने वोट आधार को टूटने से बचाने के लिए कोई पहल करें। ललन सिंह के अध्यक्ष रहते यह संभव नहीं था क्योंकि उनकी वजह से जदयू के पूरी तरह से राजद समर्थक और भाजपा-मोदी विरोधी पार्टी बन जाने की छवि बन रही थी। सो, ललन सिंह की जगह अध्यक्ष बन कर नीतीश ने एक तीर से कई शिकार किए हैं। उन्होंने पार्टी के राजद समर्थक होने की धारणा तोड़ी है। ध्यान रहे बिहार में राजद समर्थक होने का एक फायदा है कि मुस्लिम-यादव का 32 फीसदी वोट मिल जाता है लेकिन नुकसान बहुत ज्यादा है। बाकी 68 फीसदी वोट में नाराजगी का खतरा पैदा होता है। आज भी राजद को लेकर बिहार का बड़ा तबका आशंकित रहता है, जिसमें अत्यंत पिछड़ी जातियां हैं, दलित हैं और सवर्ण हैं। दूसरी मझोली जातियां जैसे कोईरी-कुर्मी आशंकित नहीं रहते हैं लेकिन वे भी राजद विरोधी हैं क्योंकि ये जातियां अब सत्ता पर अपना अधिकार चाहती हैं। इसलिए नीतीश ने अध्यक्ष बन कर पहला काम तो यह किया कि राजद विरोधी वोट में मैसेज बनवाया कि वे राजद के आगे समर्पण नहीं कर चुके हैं और उनका अपना नेतृत्व कायम है। ध्यान रहे बिहार में कमजोर और वंचित जातीय समूहों, सवर्णों और महिलाओं में नीतीश के प्रति बहुत लगाव रहा है और तमाम प्रचार के बावजूद वह खत्म नहीं हुआ है। नीतीश ने उसे फिर से जिंदा करने का प्रयास किया है।इसी दांव से उन्होंने जदयू के भाजपा विरोधी होने की छवि को तोड? का प्रयास भी किया है। गौरतलब है कि ललन सिंह की वजह से जदयू के बारे में यह धारणा बनी थी कि वह भाजपा और नरेंद्र मोदी की घनघोर विरोधी पार्टी हो गई है। संसद में दिया गया ललन सिंह का भाषण हो या बाहर के भी बयान हों। जैसे जैसे वे राजद के नजदीक पार्टी को ले जा रहे थे वैसे वैसे भाजपा से कटुता बढ़ रही थी। नीतीश को पता है कि बिहार में एक बड़ा वर्ग ऐसा है, जो केंद्र में नरेंद्र मोदी का समर्थन करता है लेकिन बिहार में नीतीश को देखना चाहता है। ललन सिंह की राजनीति से ऐसे वर्ग में नीतीश विरोधी धारणा बन रही थी।

इजराइल ने अरौरी को मार बदला लिया?

-श्रुति व्यास-

इजराइल ने अपना पहला बड़ा इंतकाम ले लिया है।एक भयावह और विनाशकारी युद्ध झ्र जिसमें मरने वालों में से ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं झ्र शुरू करने के तीन महीने बाद इजराइल को अपने एक बड़े शिकार का पता मिला और कहते है एक हवाई सर्जिकल स्ट्राइक में उसे खत्म कर दिया गया। सालेह अल-अरौरी, जो हमास का दूसरे नंबर का सबसे बड़ा नेता था, बेरूत में एक ड्रोन हमले में मारा गया है। यदि इजरायली अधिकारियों के दावों पर भरोसा किया जाए तो अरौरी ही इजराइल पर 7 अक्टूबर को हुए हमले का मास्टरमाईंड था। उसका इजराइल के कब्जे वाले पश्चिमी किनारे में भी काफी दबदबा था, जहाँ हाल के महीनों में हिंसा में बढ़ोत्तरी हुई है। वह उसी इलाके में जन्मा था।पिछले कुछ सालों से अरौरी ज्यादातर समय बेरूत में ही रहता था। वहां वह एक तरह से हिजबुल्लाह के लिए हमास के दूत की भूमिका में था। स्थानीय सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार वह हमास और हिजबुल्लाह के बीच नजदीकी रिश्ते कायम करने का काम करता था। उसे गाजा में हमास के नेता याहया सिनवर का काफी नजदीकी माना जाता था।पहले इंतिफादा के बाद हमास की स्थापना के कुछ ही समय बाद अरौरी उसमें शामिल हुआ था। उसने हमास की सैन्य शाखा इज्जेदीन अल-कसम ब्रिगेड के गठन में सहायता की थी। पहले सीरिया, उसके बाद कतर और अब लेबनान में रह रहे अरौरी की छवि पूरे मध्यपूर्व और विशेषकर ईरान में ढेर सारे संपर्कों वाले एक चतुर ऑपरेटिव की थी। उसने पश्चिमी किनारे में हमास का नेटवर्क एवं प्रभाव बढ़ाया और फिलिस्तीनी अथॉरिटी में वर्चस्व रखने वाले धर्मनिरपेक्ष दल फतह से वाताएं कीं। सन्‍ 2014 में, जब अरौरी हमास में एक कमांडर था, इजराइल ने उस पर पश्चिमी किनारे में तीन इजरयाली किशोरों के अपहरण और उनकी हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया था। इसी वर्ष, जब वह तुर्की में निर्वासन में था, इजराइल ने उस पर फिलिस्तीनी अथॉरिटी के राष्ट्रपति महमूद अब्बास, जो इजराइल के कब्जे वाले पश्चिमी किनारे के एक भाग में राज करते हैं, के तख्तापलट का षड?ंत्र करने का आरोप लगाया।सन्‍ 2017 में अरौरी हमास के राजनैतिक विभाग का उपाध्यक्ष चुना गया। विश्लेषकों और इजरायली अधिकारियों का मानना है कि उनके चुनाव से हमास और हिजबुल्लाह के रिश्ते और गहरे होने की प्रक्रिया शुरू हुई। चुने जाने के कुछ दिन बाद वह ईरान से संबंध मजबूत करने के उद्धेश्य से तेहरान की यात्रा पर गया। उसके ठीक बाद, फिलिस्तीनी मीडिया के अनुसार, उन्होंने सार्वजनिक रूप से हिजबुललाह के प्रमुख हसन नसरल्ला से मुलाकात की और उनके साथ सहयोग बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया। अमरीकी विदेश मंत्रालय ने कई सालों से अरौरी का अता-पता बताने वाले को 50 लाख डालर का इनाम देने की घोषणा कर रखी थी।सात अक्टूबर को इजराइल पर हुए हमलों और अपहरणों के कुछ समय बाद अरौरी ने अल जजीरा से कहा था "हमारे हासिल में जो कुछ है, उसके जरिए हमारे सारे कैदी रिहा हो जाएंगे" ।उन्होंने हिजबुल्लाह के नेता हसन नसरल्ला से मुलाकात की और "इजराइल के साथ युद्ध में असली जीत हासिल करने" की रणनीति पर चर्चा की। इन दोनों के बातचीत करते हुए जो फोटो जारी किये गए। उनमें ऐसा दिखाया गया है कि वह ईरान के पहले सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह खौमेनी और वर्तमान नेता अली खौमेनी के पोट्रेटों के नीचे खड़े हैं।हाल में कतर की मध्यस्थता में बंधकों को लेकर हुई वाताओं में अरौरी ने अपरिहार्यझ्र भूमिका अदा की। इजरायली विशेषज्ञों का मानना है कि इस अनुभवी वाताकार ने ही दोनों पक्षों द्वारा रिहा किए जाने वाले व्यक्तियों की सूची तैयार की।अरौरी की हत्या से इजराइल को ऐसा लग सकता है कि उसने अपना बदला ले लिया है। वह खुश भी हो सकता है। लेकिन विदेशी जमीन पर की गई इस हत्या से बीबी और इजराइल के लिए और भी अधिक जटिल और अप्रिय स्थिति उत्पन्न हो सकती है। अगस्त में हिजबुल्लाह के नेता हसन नसरल्ला ने कहा था "लेबनान की जमीन पर किसी लेबनानी, सीरियाई, ईरानी या फिलिस्तीनी की हत्या का निर्णायक जवाब दिया जाएगा। हम यह बर्दाश्त नहीं करेंगे, और हम लेबनान को इजराइल का नया कत्लखाना नहीं बनने देंगे" ।लेबनान के प्रधानमंत्री नजीब मिकाती ने भी बेरूत के एक उपनगर में हुए इस हमले की निंदा करते हुए कहा "यह इजराइल का नया जुर्म है" और लेबनान को युद्ध में घसीटने का प्रयास है।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार प्रात: 9:00 से सायं 9:00

फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर, कच्चा तेल 76 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में गिरावट का रुख है। पिछले 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड का मूल्य करीब 2 डॉलर घटकर 76 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 71 डॉलर प्रति बैरल के करीब आ गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने बुधवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई फेरबदल नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 90.08 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये,

कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के तीसरे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड 0.06 डॉलर यानी 0.08 फीसदी की गिरावट के साथ 75.83 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.02 डॉलर यानी 0.03 फीसदी लुढ़ककर 72.73 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

10 करोड़ डॉलर की मार्केट वैल्यू वाली आईटी फर्म ने 33फीसदी हिस्सेदारी कर्मचारियों को दी, 50 लोगों को कार भी

नई दिल्ली। एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए, तकनीकी फर्म आइडियाज 2आईटी ने घोषणा की है कि 100 मिलियन डॉलर की कंपनी के स्वामित्व का 33फीसदी उसके कर्मचारियों को हस्तांतरित किया जाएगा। कंपनी में 33फीसदी हिस्सेदारी में से, 5फीसदी 40 चुनिंदा कर्मचारियों को दिया जाएगा जो इसकी स्थापना (2009 में) के बाद से फर्म के साथ हैं

और बाकी शेष 700 कर्मियों के बीच वितरित किए जाएंगे। इसके अलावा कंपनी फर्म के 50 कर्मचारियों को 50 कारें भी दे रही है, जिन्होंने पांच साल से अधिक समय तक उनके साथ सेवा की है।

भारत से हर कोई चाहता है मुक्त व्यापार समझौता, एफटीए से भारतीय बाजार तक बढ़ेगी देशों की पहुंच

लंदन। यूरोप और ब्रिटेन जैसी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से लेकर ओमान व पेरू जैसे कई छोटे देश भी भारत के तेजी से बढ़ते बाजार के कारण उसके साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) करना चाहते हैं। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भारत के साथ एफटीए करने से ये देश कम या बिना किसी आयात शुल्क के बड़े खरीदारों वाले भारतीय बाजार तक पहुंच कायम कर सकते हैं। इससे उन देशों की कंपनियों को भारतीय बाजार में अपने उत्पादों की बिक्री करने में दूसरों के मुकाबले काफी बढ़त मिल सकती है।

बिना एफटीए वाले देशों से 75 फीसदी से ज्यादा आयात: भारत वर्तमान में अधिकतर आयात (75 फीसदी से अधिक) उन देशों से करता है, जिनसे उसका एफटीए नहीं है। इसलिए ये समझौते आकर्षक हैं क्योंकि वे भारत में महत्वपूर्ण नए बाजार अवसर प्रदान करते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के साथ एफटीए की सबसे बड़ी वजह यहां का उच्च आयात शुल्क है।?इस शुल्क की वजह से इन देशों के लिए भारत के बड़े व तेजी से बढ़ते बाजार तक पहुंच मुश्किल हो जाती है। जीटीआरआई के सह-संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, ब्रिटेन का आयात शुल्क 4.1 फीसदी, कनाडा का 3.3 फीसदी व अमेरिका का 2.3 फीसदी है। वहीं, भारत का आयात शुल्क 12.6 फीसदी से अधिक है। ब्रिटेन व कनाडा को एफटीए से अधिक लाभ हो सकता है, क्योंकि वे भारत में अपने उत्पाद उन उच्च शुल्कों के बिना बेचने में सक्षम होंगे। हालांकि, भारत को प्रस्तावित एफटीए से निर्यात में बड़ी वृद्धि मिलने की उम्मीद कम है क्योंकि जिन देशों के साथ समझौते पर बातचीत कर रहा है, वहां पहले से ही आयात शुल्क कम है।

सर्राफा बाजार में सपाट कारोबार, सोना-चांदी की कीमत बदलाव नहीं

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार होता नजर आ रहा है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज सोना और चांदी मंगलवार के भाव के आसपास ही है। इसकी वजह से कारोबारी सोना (24 कैरेट) आज भी 64 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बना हुआ है। जेवराती सोना (22 कैरेट) भी 59 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के आसपास बना हुआ है। इसी तरह चांदी में भी आज कोई हलचल नहीं है। दिल्ली के सर्राफा बाजार में चांदी आज 78,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 64,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 58,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 64,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 58,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 64,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 59,200 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख

शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 64,140 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 58,800 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 64,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 58,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 64,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 58,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 64,140 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 58,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 64,240 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 58,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में कोई बदलाव नहीं आया है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 64,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना आज 58,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

वित्त मंत्री को जीआईसी सीएमडी ने 1083.60 करोड़ रुपये का लाभांश चेक सौंपा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की साधारण बीमा कंपनी जनरल इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (जीआईसी रे) ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 1083.60 करोड़ रुपये का लाभांश चेक सौंपा।

वित्त मंत्री कार्यालय ने एक्स पूर्व में (ट्विटर) पर जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जनरल इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) रामास्वामी नारायणन से वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 1083.60 करोड़ रुपये का लाभांश चेक प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि जनरल

इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड को संक्षिप्त रूप में जीआईसी रे कहा जाता है। ये भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की पुनर्बीमा कंपनी है, जिसका पंजीकृत कार्यालय और मुख्यालय मुंबई में है। इसे 22 नवंबर, 1972 को कंपनी अधिनियम, 1956 के तहत शामिल किया गया था।

तमिलनाडु में स्टरलाइट कॉपर इकाई बंद करने का मामला, वेदांता की याचिका पर सुनवाई करेगा न्यायालय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय तमिलनाडु के तूतुकुड़ि में वेदांता समूह की स्टरलाइट कॉपर इकाई को बंद करने से संबंधित याचिका पर सुनवाई पर विचार करने के लिए सहमत हो गया। भारत के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने वेदांता समूह की कंपनी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान की दलीलों पर ध्यान दिया जिसमें कहा गया था कि मामले में सुनवाई की जरूरत है। वरिष्ठ वकील ने कहा कि मामले में सुनवाई 22 जनवरी को सूचीबद्ध की गई है। उन्होंने पीठ से आग्रह किया कि उसी दिन मामले की सुनवाई की जाए। सीजेआई ने कहा कि दिन के दौरान

यह सुनिश्चित करने के बाद कि क्या कोई संवैधानिक पीठ का मामला सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है, पार्टियों के वकील को इस बारे में जानकारी दे दी जाएगी। इससे पहले, शीर्ष अदालत ने कहा था कि उसने रजिस्ट्रार को वेदांता समूह की याचिका पर सुनवाई के लिए 'दो विशेष तिथियां' आवंटित करने का निर्देश दिया है। उच्चतम न्यायालय ने मई में तमिलनाडु सरकार से शीर्ष अदालत के 10 अप्रैल के उस निर्देश के अनुपालन के तहत एक जून तक उचित फैसला करने को कहा, जिसमें उसने वेदांता समूह को स्थानीय स्तर की निगरानी समिति की देखरेख में तूतुकुड़ि में अपनी स्टरलाइट कॉपर इकाई के रखरखाव की अनुमति दी थी।

मुनाफावसूली के दबाव में लुढ़का शेयर बाजार, 72 हजार के नीचे बंद हुआ सेंसेक्स

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज मुनाफावसूली का दबाव बना रहा। कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। दिन के कारोबार में बिकवाली का दबाव बन गया। हालांकि दोपहर 11 बजे के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिसके कारण शेयर बाजार दिन के निचले स्तर से कुछ हद तक रिकवरी करने में सफल रहा। दिन भर के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.53 प्रतिशत और निफ्टी 0.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज के कारोबार के दौरान आईटी, ऑटोमोबाइल, बैंकिंग और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह एफएमसीजी और इंफ्रास्ट्रक्चर इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। एनर्जी, फार्मास्यूटिकल और मेटल इंडेक्स बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। सेक्टोरल फ्रंट पर देखें तो फार्मास्यूटिकल इंडेक्स 2.50 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। बैंक, ऑटोमोबाइल और आईटी इंडेक्स 1 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज सपाट स्तर पर

कारोबार होता रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉल कैप इंडेक्स ने 0.03 प्रतिशत कमजोर होकर आज के कारोबार का अंत किया। आज बाजार में आई गिरावट के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 68 हजार करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 365.21 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 365.89 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 68 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 3,929 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,994 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए जबकि 1,810 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 125 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,158 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,010 शेयर मुनाफा कमाकर हरे निशान में और 1,148 शेयर नुकसान उठाकर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 7 शेयर बढ़त के साथ और 23 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल शेयरों में से 20 शेयर हरे निशान में और 30 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 60.90 अंक की तेजी के साथ 72,332.85 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से ये सूचकांक तेजी से नीचे गिरता चला गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 11 बजे के करीब ये सूचकांक 658.20 अंक टूट कर 71,613.74 अंक के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिसकी वजह से इस सूचकांक की स्थिति में कुछ सुधार होना शुरू हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 379.46 अंक की कमजोरी के साथ 71,892.48 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

दिसंबर में कोयला उत्पादन 10.75 फीसदी बढ़कर 92.87 मिलियन टन पर पहुंचा

नई दिल्ली। देश का कोयला उत्पादन पिछले साल दिसंबर में 10.75 फीसदी बढ़कर 92.87 मिलियन टन (एमटी) पर पहुंच गया है। इसके साथ ही चालू वित्त वर्ष 2023-24 में दिसंबर तक संचयी कोयला उत्पादन 12.47 फीसदी बढ़कर 684.31 मीट्रिक टन हो गया है, जबकि वित्त वर्ष 2022-23 की समान अवधि के दौरान यह

कोयला मंत्रालय
MINISTRY OF COAL
सत्यमेव जयते

608.34 मिलियन टन रहा था। कोयला मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि देश का कोयला उत्पादन दिसंबर, 2023 में सालाना आधार पर 10.75 फीसदी बढ़कर 92.87 मिलियन टन (एमटी) रहा है। इससे पिछले वर्ष के समान अवधि में कोयला का उत्पादन 83.86 मिलियन टन रहा था। मंत्रालय के मुताबिक कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का उत्पादन दिसंबर में 8.27 फीसदी की वृद्धि के साथ 71.86 मिलियन टन हो गया है, जबकि दिसंबर, 2022 में यह 66.37 मिलियन टन रहा था। मंत्रालय के मुताबिक दिसंबर में कोयले का डिस्पैच (प्रेषण) 8.36 फीसदी की वृद्धि के साथ 86.23 मिलियन टन तक पहुंच गया, जो दिसंबर 2022 में 79.58 मिलियन टन था। इसी तरह कोल इंडिया लिमिटेड का प्रेषण दिसंबर 2023 में 66.10 मिलियन टन रहा, जबकि दिसंबर 2022 में 62.66 मिलियन टन था, जो 5.49 फीसदी की वृद्धि है। इसके अलावा वित्त वर्ष 2023-24 में संचयी कोयला प्रेषण (दिसंबर 2023 तक) 11.36 फीसदी की वृद्धि के साथ 709.80 मिलियन टन हो गया है, जबकि वित्त वर्ष 2022-23 की इसी अवधि के दौरान यह 637.40 मिलियन टन था।

सरकार ने कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स एक हजार रुपये प्रति टन बढ़ाया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश में उत्पादित कच्चे तेल पर लगने वाले अप्रत्याशित लाभ कर (विंडफ़ॉल टैक्स) में एक हजार रुपये प्रति टन का इजाफा किया है। डीज़ल और विमान टरबाइन ईंधन (एटीएफ़) के निर्यात पर लगने वाली अतिरिक्त शुल्क को शून्य कर दिया है। नई दरें (आज)लागू हो गई हैं। सरकार की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक देश में उत्पादित कच्चे तेल पर विंडफ़ॉल टैक्स की मौजूदा दर 1,300 रुपये प्रति टन से बढ़कर अब 2,300 रुपये प्रति टन हो गया है। डीजल के निर्यात पर लगने वाला विशेष अतिरिक्त

उत्पाद शुल्क (एसएईडी 0.50 रुपये प्रति लीटर को खत्म कर दिया गया है। एटीएफ़ के निर्यात पर लगने वाली अतिरिक्त ड्यूटी को शून्य कर दिया गया है, जबकि पेट्रोल पर टैक्स पहले से ही शून्य है।

इससे पहले सरकार ने 18 दिसंबर, 2023 को घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर लागू विंडफ़ॉल टैक्स को पांच हजार रुपये प्रति टन से घटाकर 1,300 रुपये प्रति टन कर दिया था। इसके अलावा डीजल के निर्यात पर एसएईडी को एक रुपये प्रति लीटर से घटाकर 50 पैसे प्रति लीटर कर दिया था। गौरतलब है कि सरकार ने पहली बार एक जुलाई, 2022 को घरेलू कच्चे तेल पर विंडफ़ॉल टैक्स लगाया था।

पीएनबी और ICICI सहित चार बैंकों ने महंगा किया कर्ज, एक जनवरी से लागू हुआ नियम

नई दिल्ली। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के मुताबिक, एक महीने के कर्ज पर ब्याज दर 8.25 से बढ़कर अब 8.30 फीसदी हो गई है। एक साल की दर 8.70 फीसदी होगी, जो पहले 8.65 फीसदी थी। बैंक ने कई और अवधि वाले कर्जों की भी ब्याज दरें बढ़ाई हैं।

पीएनबी समेत चार बैंकों ने कर्ज महंगा कर दिया है।? आईसीआईसीआई बैंक ने सबसे अधिक 0.10 फीसदी की बढ़ोतरी की है। चारों बैंकों की नई दरें एक जनवरी से लागू हो गई हैं। अगर आप कर्ज लेने की योजना बना रहे हैं तो 0.10 फीसदी तक ज्यादा ब्याज चुकाना होगा। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के मुताबिक, एक महीने के कर्ज पर ब्याज दर 8.25 से बढ़कर अब 8.30 फीसदी हो गई?है। एक

साल की दर 8.70 फीसदी होगी, जो पहले 8.65 फीसदी थी। बैंक ने कई और अवधि वाले कर्जों की भी ब्याज दरें बढ़ाई हैं। साथ ही, बैंक ने जमा पर भी ब्याज दरों में इजाफा किया है।?इसके तहत 180 से 270 दिन के लिए?दो करोड़ से कम जमा पर 0.45 फीसदी अधिक ब्याज मिलेगा। 271 दिन से एक साल से कम के जमा पर 6.25 फीसदी ब्याज मिलेगा। 400 दिनों वाले जमा पर 6.80 फीसदी की जगह 7.25 फीसदी ब्याज मिलेगा।

आईसीआईसीआई बैंक

बैंक की वेबसाइट के अनुसार, एक महीने की अवधि वाले कर्ज पर ब्याज दर 8.5 फीसदी से बढ़कर 8.6 फीसदी हो गई है। एक साल वाले कर्ज के लिए ग्राहकों को 9 फीसदी की जगह 9.10 फीसदी ब्याज देना होगा।

बैंक ऑफ इंडिया व यस बैंक ने भी बढ़ाईदर

बैंक ऑफ इंडिया की वेबसाइट से मिली जानकारी के मुताबिक, छह महीने की अवधि के लिए?कर्ज लेने पर अब 8.60 फीसदी ब्याज देना होगा।?एक साल की अवधि वाले कर्ज की दर अब 8.80 फीसदी होगी। एक रात वाले कर्ज के लिए?बैंक के ग्राहकों को 8 फीसदी दर से ब्याज भरना होगा।

यस बैंक का कर्ज सबसे महंगा:यस बैंक की वेबसाइट के मुताबिक, एक साल की अवधि वाले कर्ज के लिए ग्राहकों को अब 10.5 फीसदी ब्याज देना होगा। एक रात के कर्ज की ब्याज दर 9.20 फीसदी होगी। छह महीने की अवधि वाले कर्ज पर ब्याज दर 10.25 फीसदी कर दी गई है। बैंकिंग उद्योग में यस बैंक का कर्ज काफी महंगा है।

वोडाफोन आइडिया ने मस्क के स्टारलिंक से साझेदारी की खबरों को नकारा, कंपनी के शेयर पांच फीसदी फिसले

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया ने मीडिया में आई उन खबरों का खंडन किया जिनमें दावा किया गया था कि कंपनी एलन मस्क की स्टारलिंक के साथ साझेदारी पर बातचीत कर रही है। समाचार आउटलेट बिजनेसवर्ल्ड ने 29 दिसंबर को बताया था कि मस्क 10 जनवरी को होने वाले वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन के दौरान अरबपति व्यवसायी मस्क के स्टारलिंक के साथ गठजोड़ पर बातचीत कर कर सकते हैं।

रिपोर्ट में दावा किया गया था कि वोडाफोन आइडिया स्टारलिंक के साथ साझेदारी पर दांव लगा सकती है क्योंकि स्टारलिंक भारतीय बाजार में प्रवेश करना चाहती है। इसके बाद बंबई शेयर बाजार (बीएसई) ने सोमवार को कंपनी से इस बारे में स्पष्टीकरण मांगा था।

इसके बाद वोडाफोन आइडिया ने अपने बयान में कहा इस संबंध में, हम बताना चाहते हैं कि कंपनी नामित पक्ष के साथ ऐसी कोई भी चर्चा नहीं हो रही है। वोडाफोन आइडिया ने एक बयान में कहा, हमें इस खबर के आधार के बारे में जानकारी नहीं है। कंपनी की ओर से इस मामले में स्पष्टीकरण जारी करने के बाद वोडाफोन आइडिया के शेयरों में गिरावट आई और मंगलवार को कंपनी के शेयर 0.95 रुपये यानी 5.59फीसदी की गिरावट के साथ

16.05 रुपये के भाव पर बंद हुए। भारतीय मीडिया में जुलाई 2023 में खबर आई थी किस्टारलिंक ने अर्थ स्टेशन स्थापित करने के लिए मंजूरी हासिल करने के लिए इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथराइजेशन सेंटर (इन-स्पेस) में आवेदन किया था। स्टारलिंक को 2022 में देश में उस समय उपभोक्ताओं को प्री-बुकिंग का पैसा लौटाने के लिए मजबूर होना पड़ा था जब डीओटी ने उसे अपनी सेवाओं के लिए कोई भी प्री-ऑर्डर लेने से पहले नियामक अनुमोदन लेने को कहा था। इसके बाद कंपनी ने प्री-ऑर्डर के लिए जारी अपना प्रचार वापस ले लिया। उसके बाद आवश्यक नियामकीय अनुमोदन प्राप्त करने के लिए आवेदन किया गया। पिछले हफ्ते आई खबरों में कहा गया था कि मस्क की जनवरी 2024 में गुजरात यात्रा के दौरान कंपनी कंपनी भारत में कारखाना लगाने की घोषणा सार्वजनिक कर सकती है।

केपटाउन जीत सर्वश्रेष्ठ टेस्ट जीतो में से एक : रोहित शर्मा

केपटाउन, एजेंसी। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि केपटाउन में मिली जीत हमारी सर्वश्रेष्ठ टेस्ट मैच जीत में से एक है। उन्होंने जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के गेंदबाजी आक्रमण का सराहना की। भारत को कल सात विकेट से मिली जीत के बाद रोहित ने कहा, यह हमारी सर्वश्रेष्ठ टेस्ट मैच जीत में से एक है। केपटाउन में इससे पहले कोई भी टेस्ट नहीं जीत पाने के कारण अन्य टेस्ट जीत की तुलना में यह काफी खास है। ऐसे तो हर टेस्ट मैच का अपना अलग महत्व होता है और उनकी तुलना करना भी काफी कठिन है। गाबा में भी हमने जो टेस्ट मैच जीता था, वह भी काफी खास था। उस मैदान पर उससे पहले ऑस्ट्रेलिया को हरा पाना काफी कठिन था। वहां उन्हें आखिरी बार 1988 में किसी टेस्ट में पराजय मिली थी। 23, 24 साल (32 साल) बाद हमने वहां टेस्ट मैच जीता। यह एक प्रकार से उनका किला बन गया। वे वहां कभी कोई टेस्ट मैच नहीं हारते।

उन्होंने कहा कि जिस तरह से हमने वह टेस्ट मैच जीता वह काफी महत्वपूर्ण था। उस सीरीज में हम 0-1 से पीछे चल रहे थे। इसके बाद हम मेलबर्न में जीते और फिर हमने सिडनी में टेस्ट मैच ड्रा कराया। फिर अंत में ब्रिस्बेन में जीत हासिल की। यह जरूर है कि हम टेस्ट जीत की रैंकिंग नहीं कर सकते लेकिन केपटाउन में मिली जीत बहुत ही ज्यादा खास है, क्योंकि इससे पहले हमने कभी भी यहां पर कोई टेस्ट मैच नहीं जीता था। उन्होंने कहा, हमें पता था कि यह बड़े स्कोर वाला मैच नहीं होगा। इसी कारण से हम अपनी गेंदबाजी में अनुशासित रहना चाह रहे थे। हम ज्यादा प्रयोग नहीं करते हुए चीजो को आसान रखने का प्रयास कर रहे थे। एक बार जब हमने उन्हें 55 रन पर ऑलआउट कर दिया, तो हमने बल्लेबाजों से बात की और उन्हें बताया कि हमें इस मैच में छोटे-छोटे योगदान की जरूरत है। ईमानदारी से कहूं तो शीर्ष चार या पांच बल्लेबाजो ने काफी धैर्य दिखाया। हम जानते थे कि यहां पहली पारी की बढ़त महत्वपूर्ण होने वाली थी।

उन्होंने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि हम बिना रन बनाये छह विकेट खो देंगे। यह थोड़ा निराशाजनक था लेकिन क्रिकेट में ऐसा होता रहता है। हालांकि जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने हमारी गेंदबाजी आक्रमण का बेहतरीन नेतृत्व किया। उन्होंने गेंद को सही क्षेत्र में डाला और पिच को बाकी काम करने दिया और उन्हें इसका इनाम भी मिला। रोहित ने कहा, उस पिच पर कोई भी स्कोर बनाना चुनौतीपूर्ण था। यशस्वी जयसवाल ने काफी खुलकर खेला। हमने इस बारे में चर्चा भी की थी कि अगर गेंद हमारे पाले में रही तो हमें अपने शॉट खेलने हैं।

रोहित शर्मा ने कहा, ह्लजब हम आज मैदान पर आए तो हमें पता था कि अगर हमने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया तो दक्षिण अफ्रीका की टीम अच्छे स्कोर तक पहुंच सकती है। हालांकि हमने अच्छी शुरूआत की और हमें पहले ही ओवर में विकेट मिल गया। इसके बाद हमारे पास एडेन मारक्रम के खिलाफ कुछ योजना थी लेकिन उन्होंने शानदार पारी खेली। उन्होंने कहा, ह्लहम बुमराह के क्लास को जानते हैं। हमें पता है कि वह टीम में किस प्रकार की गुणवत्ता लेकर आते हैं। उन्होंने छह विकेट हासिल करते हुए हमें मैच में बनाये रखने का काम किया।

रोहित ने सकारात्मक मानसिकता बनाए रखने में मदद की : यशस्वी जायसवाल

केपटाउन, एजेंसी। यशस्वी जायसवाल को यह स्वीकार करने में कोई झिझक नहीं है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला चुनौतीपूर्ण थी और उन्होंने कहा कि भारतीय कप्तान कप्तान रोहित शर्मा ने उन्हें सकारात्मक मानसिकता बनाए रखने में मदद की। सेंचुरियन के सुपरस्पोर्ट पार्क और केपटाउन के न्यूलैंड्स की उछालभरी पिचों पर जायसवाल चार पारियों में केवल 50 रन ही बना सके। दो टेस्ट मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर रही।

दूसरे टेस्ट की दूसरी पारी में 79 रन के लक्ष्य का पीछा करने के दौरान 23 गेंद में 28 रन की तेज पारी खेलने वाले जायसवाल ने कहा, "रोहित शर्मा मुझे सकारात्मक मानसिकता बनाए रखने में मदद करते हैं और हमें नई गेंद के खिलाफ तेजी से रन बनाने की जरूरत है।" उन्होंने कहा, "मैं बस अच्छी शुरूआत देना चाहता था और मेरे दिमाग में यही सब था क्योंकि हमें मैच जीतना था। पिछली तीन पारियों में और इस पारी में भी मैंने यही किया।"

यह 22 वर्षीय खिलाड़ी जानता है कि उछाल और पिच से मिलने वाली मूवमेंट से निपटने के लिए सुधार करने की जरूरत है। जयसवाल ने कहा, "हां, यह दौरा मेरे लिए सीखने वाला अनुभव रहा है। अलग माहौल और हर मायने में यह एक सुखद अनुभव रहा है। उन सुधारों के बारे में सीखा जो मुझे करने की जरूरत है।"

उन्होंने कहा, "यहां गेंद अलग तरह से आती है और मैंने अपना सब कुछ देने की कोशिश की लेकिन मैं स्वीकार करता हूं कि चुनौतियां थीं। यह अनुभव मुझे अच्छी स्थिति में रखेगा क्योंकि मैं सीख रहा हूं और अगली श्रृंखला के दौरान सुधार करने का प्रयास करूंगा।"

यह पूछे जाने पर कि क्या वह इंग्लैंड के खिलाफ हैदराबाद में 25 जनवरी से शुरू होने वाली आगामी टेस्ट श्रृंखला में बल्लेबाजी की अपनी आक्रामक शैली बरकरार रखेंगे तो जायसवाल ने कहा, "ऐसी कोई विशेष शैली नहीं है जिसका मैं पालन करना चाहता हूं और ऐसा नहीं है कि मेरा खेल केवल आक्रामक है। मैं टीम की जरूरत के अनुसार अपना खेल बदल सकता हूं।"

उन्होंने कहा, "अगर यह पहला दिन है तो मैं अलग तरह से बल्लेबाजी करूंगा और अगर यह अंतिम सत्र है और 70 रनों की जरूरत है तो अलग तरह से बल्लेबाजी करूंगा। मैं टीम की जरूरत के अनुसार अपने खेल को बदलने की कोशिश करता हूं।"

जायसवाल को कप्तान रोहित और विराट कोहली जैसे सीनियर खिलाड़ियों से नियमित रूप से सुझाव मिलते हैं कि स्थिति के अनुसार अपने खेल में कैसे बदलाव किया जाए जबकि कोच राहुल द्रविड़ ने उनसे विशिष्ट तकनीकी पहलुओं के बारे में बात की।

उन्होंने कहा, "राहुल सर ने मुझसे कहा कि चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अगर आप शॉट खेलने से चूकते हैं या गेंद आपको लगती है और फिर भी आप क्रीज पर खड़े हैं तो आप अच्छा कर रहे हैं।" कोच की ओर से सबसे अच्छी सलाह क्या रही, इस पर जायसवाल ने कहा, "असल में वह चाहते हैं कि मैं खुलकर और हमेशा मुस्कुराते हुए बल्लेबाजी करूं।"

प्रज्ञानांनदा की सफलता भारत के अनगिनत युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत : गौतम अडाणी

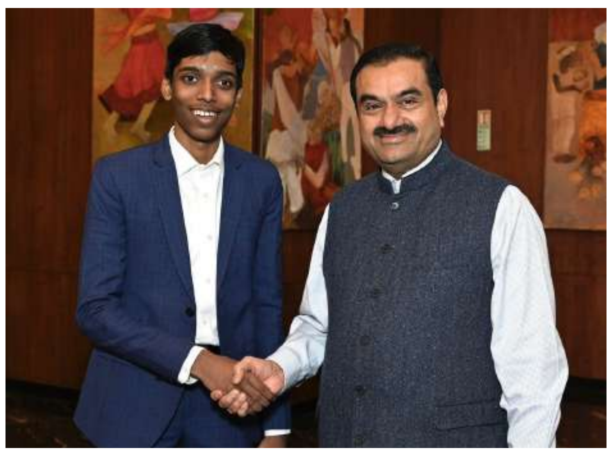

चेन्नई, एजेंसी। भारतीय शतरंज प्रतिभा आर प्रज्ञानानंदा को दिग्गज व्यवसायी गौतम अडाणी के रूप में नया प्रशंसक मिला जिन्होंने गुरुवार को इस 18 वर्षीय ग्रैंडमास्टर का सहयोग करने के फैसले की घोषणा की। अडाणी ने 'एक्स' पर प्रज्ञानांनदा के साथ मुलाकात की अपनी फोटो साझा की जिसमें उन्होंने चेन्नई के इस स्टार खिलाड़ी को भारत के अनगिनत युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत करार दिया।

अडाणी ने लिखा, "प्रज्ञानानंदा का समर्थन करना सौभाग्य की बात है, वह शतरंज की दुनिया में लगातार परचम लहरा रहे हैं और भारत को गौरवान्वित कर रहे हैं।" उन्होंने लिखा, "उनकी सफलता अनगिनत युवा भारतीयों के लिए यह भरोसा दिलाने के लिए प्रेरणा है कि पोडियम पर खड़े होकर देश की महानता का जश्न मनाने से ज्यादा संतुष्टिदायक कुछ भी नहीं है।" उन्होंने लिखा, "भारत क्या कर सकता है और क्या होगा, प्रज्ञानानंदा इसका प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। मैं उन्हें शुभकामनायें देता हूं।"

प्रज्ञानानंदा पांचवें सबसे कम उम्र के ग्रैंडमास्टर हैं। उन्होंने 2018 में 12 साल की उम्र में यह रैंक हासिल की थी। 2019 में उन्होंने डेनमार्क में एक्स्ट्राकॉन शतरंज ओपन जीता और इसी साल विश्व युवा चैम्पियनशिप में अंडर -18 वर्ग खिताब जीता था। प्रज्ञानानंदा ने दिसंबर 2019 में 2,600 ईएलओ रेटिंग हासिल की, तब उनकी उम्र 14 साल, तीन महीने और 24 दिन थी। इससे वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने।

प्रज्ञानानंदा ने 2022 में विश्व चैम्पियन मैग्नस कार्लसन को हराया जिससे वह महान विश्वनाथन आनंद और पी हरिकृष्णा के बाद ऐसा करने वाले तीसरे भारतीय बने। उन्होंने इसी साल कार्लसन को चार बार हराया था। वह 2023 में बाकू में शतरंज विश्व कप में कार्लसन के बाद उपविजेता रहे। इसमें वह फाइनल में पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने और आनंद के बाद ऐसा करने वाले दूसरे भारतीय बने। विश्व कप में उप विजेता रहने से उन्होंने कैंडिडेट्स टूनार्मेंट में स्थान पक्का किया जो इस साल अप्रैल में कनाडा के टोरंटो में होगा। इससे चीन के विश्व चैम्पियन डिंग लिरेन के लिए चैलेंजर तय होगा।

अल्टीमेट खो-खो: तेलुगु का लक्ष्य चेन्नई क्विक गन्स की अजेय लय को तोड़ना

कटक, एजेंसी। शुक्रवार शाम यहां खेले जाने वाले अल्टीमेट खो-खो सीजन 2 के 21वें मैच में जीएमआर समूह के स्वामित्व वाली फ्रेंचाइजी तेलुगु योद्धास का मुकाबला टेबल टॉपर्स चेन्नई क्विक गन्स से जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में होगा।

तेलुगु योद्धास, जो वर्तमान में 15 अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर हैं। योद्धास, क्विक गन्स से आगे निकल सकते हैं। जो वर्तमान में जीत के साथ 16 अंकों के साथ पहले स्थान पर हैं। क्विक गन्स ने क्रिसमस के दिन रिवर्स मैच में योद्धास पर 38-32 की जीत हासिल की थी। योद्धास लगातार तीन जीत के साथ सकारात्मक परिणाम लेकर आगे बढ़ना चाहेगी।

तेलुगू योद्धास ने अपने आखिरी मुकाबले में मुंबई खिलाड़ीस के खिलाफ 40-22 से शानदार जीत दर्ज की थी, जबकि सीजन में अजेय रही चेन्नई क्विक गन्स ने ओडिशा जगरनॉट्स के खिलाफ अपना पिछला मैच 30-30 से बराबर किया था।

मैच से पहले, तेलुगु के कप्तान प्रतीक वाइकर ने कहा, "हम जीत की लय जारी रखना के साथ आकर्षक खो-खो खेलना चाहते हैं। हम चेन्नई का सामना करते समय पिछले परिणामों के बारे में सोच रहे हैं क्योंकि हर मैच एक नई चुनौती है। हम प्रत्येक मैच को एक समय पर लेते हैं। हम अपने खेल को लेकर आश्वस्त हैं और हमें सकारात्मक परिणाम आने की उम्मीद है।" योद्धास वर्तमान में टीम टोटल पॉइंट्स (243) और टीम अटैकिंग पॉइंट्स (218) में लीग का नेतृत्व करते हुए एक प्रमुख शक्ति के रूप में अपनी स्थिति सुरक्षित कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, वे 96 अंकों के साथ टीम टच पॉइंट चार्ट में दूसरे स्थान पर हैं। मैट पर उल्लेखनीय निरंतरता का प्रदर्शन करते हुए, कप्तान प्रतीक वाइकर न केवल 42 अंकों के साथ टॉप वजीर तालिका में शीर्ष पर हैं।

आस्ट्रेलिया ने टेस्ट रैंकिंग में भारत को शीर्ष स्थान से हटाया

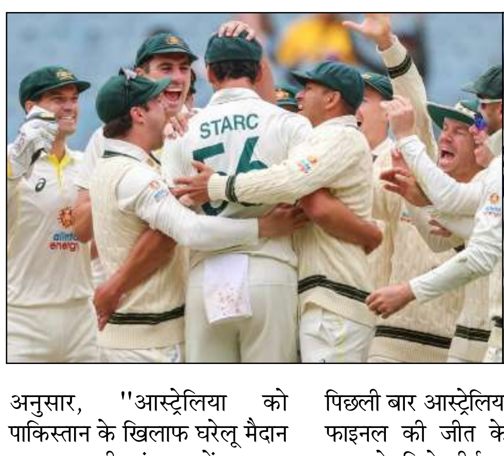

दुबई, एजेंसी। केपटाउन में सात विकेट की जीत से दक्षिण अफ्रीका से दो मैच की श्रृंखला ड्रा कराने के बावजूद भारत को शुक्रवार को जारी आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में आस्ट्रेलिया ने शीर्ष स्थान से हटा दिया।

आस्ट्रेलिया ने अपनी सरजमीं पर चल रही तीन मैच की श्रृंखला में पाकिस्तान पर 2-0 की अजेय बढ़त बनायी हुई है जिसकी मदद से टीम रैंकिंग में पहले स्थान पर पहुंचने में सफल रही। श्रृंखला का तीसरा मैच सिडनी में खेला जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की विज्ञप्ति के अनुसार, "आस्ट्रेलिया को पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू मैदान पर चल रही श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन ने एक बार फिर नंबर एक टेस्ट टीम बनने में मदद की। पिछली बार आस्ट्रेलिया डब्ल्यूटीसी फाइनल की जीत के बाद थोड़े समय के लिये शीर्ष पर रहा था।"

रैंकिंग में पिछले अपडेट में भारत के पास आस्ट्रेलिया के साथ 118 रेटिंग अंक बराबर होने के बावजूद ज्यादा अंक थे। लेकिन दक्षिण अफ्रीका से दो मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर रहने के कारण भारतीय टीम आस्ट्रेलिया से पिछड़ गयी।

आईसीसी ने कहा, "दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर होने और आस्ट्रेलिया के पाकिस्तान के खिलाफ दो मैच में जीत से पैट कमिंस की टीम टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गयी। विज्ञप्ति के अनुसार, "यह आस्ट्रेलिया के लिए साल की ताजा उपलब्धि है, उसने आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में और आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप में जीत हासिल की थी।"

भारत हालांकि न्यूलैंड्स में जीत के बाद चार टेस्ट में 54.16 प्रतिशत अंक के साथ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप अंक तालिका में शीर्ष पर है। इन चार टेस्ट में दो जीत, एक हार और एक ड्रा शामिल है। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप में दक्षिण अफ्रीका दूसरे, न्यूजीलैंड तीसरे और आस्ट्रेलिया चौथे स्थान पर है। प्रत्येक टीम के 50 प्रतिशत अंक हैं।

आईसीसी ने साथ ही कहा, "आस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच चल रहा तीसरा टेस्ट तथा भारत और इंग्लैंड के बीच होने वाली पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला से टेस्ट टीम रैंकिंग में और बदलाव होगा जिसमें महत्वपूर्ण आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप अंक और शीर्ष स्थान भी शामिल हैं।

एक नजर

अरूणाचल प्रदेश का तवांग पांच फरवरी से करेगा कयाकिंग टूनार्मेंट की मेजबानी

तवांग, एजेंसी। अरुणाचल प्रदेश के तवांग में अगले महीने तवांग चू नदी पर पूर्वोत्तर के सबसे बड़े कयाकिंग टूनार्मेंट का आयोजन किया जायेगा। तिब्बत की दो नदियां इस तवांग चू नदी में मिलती हैं जिसके बाद यह भूटान में जाने के बाद अंत में ब्रह्मपुत्र में विलीन हो जाती है। टूनार्मेंट के आयोजकों द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार कयाकिंग टूनार्मेंट 'तवांगचू टाइड्स' पांच फरवरी से शुरू होगा और छह दिन की रोमांचक प्रतिस्पर्धा के बाद 10 फरवरी को समाप्त होगा। तवांग समुद्र तल से 10,000 से ज्यादा फीट की ऊंचाई पर और चीन की सीमा के करीब स्थित है और यहां होने वाले कयाकिंग टूनार्मेंट में दुनिया भर के 130 खिलाड़ियों के हिस्सा लेने की उम्मीद है। एक कयाकर (कयाकिंग खिलाड़ी) के कौशल और शैली की परीक्षा के लिए नौ स्पर्धा वर्ग होंगे।

ऑस्ट्रेलिया में भारतीय टीम की अगुआई करेंगी अवनि प्रशांत

मेलबर्न, एजेंसी। प्रतिभावान गोल्फर अवनि प्रशांत इस महीने होने वाले प्रतिष्ठित ऑस्ट्रेलियन मास्टर्स ऑफ एमेच्योर चैंपियनशिप और ऑस्ट्रेलियन एमेच्योर चैंपियनशिप में भारत की चार सदस्यीय टीम की अगुआई करेंगी जिसमें दो पुरुष और दो महिला गोल्फर शामिल हैं। पेशवर बनने की अपनी योजना को कुछ समय के लिए टालने वाली 17 साल की अवनि दोनों प्रतियोगिताओं में हीना कांग के साथ खेलेंगी जबकि पुरुष वर्ग में संदीप यादव और रोहित चुनौती पेश करेंगे। भारतीय टीम सदर्न गोल्फ क्लब में नौ से 12 जनवरी तक होने वाले वार्षिक ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स ऑफ एमेच्योर चैंपियनशिप में हिस्सा लेगी जिसके बाद चारों भारतीय गोल्फर 16 से 19 जनवरी तक होने वाली प्रतिष्ठित ऑस्ट्रेलियन एमेच्योर चैंपियनशिप में शिरकत करेंगे। अवनि शीर्ष 50 में शामिल एकमात्र भारतीय हैं और कई मौकों पर देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। वह क्वीन सिरिकिट कप भी जीत चुकी हैं।

मुंबई मैराथन का आकर्षण होंगे गत चैंपियन हेले लेमी बरहानु, एंचियालेम हेमानोट

मुंबई, एजेंसी। गत चैंपियन और प्रतियोगिता के रिकॉर्ड धारक इथोपिया के हेले लेमी बरहानु और एंचियालेम हेमानोट 21 जनवरी को यहां होने वाली टाटा मुंबई मैराथन के 19वें सत्र का आकर्षण होंगे। मुंबई मैराथन विश्व एथलेटिक्स की गोल्ड लेबल की रोड रेस है। पिछले साल बरहानु ने दो घंटे सात मिनट 32 सेकेंड के समय के साथ खिताब जीता था। महिला वर्ग में हेमानोव ने पहली बार इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेते हुए दो घंटे 24 मिनट 15 सेकेंड के टूनार्मेंट के रिकॉर्ड समय के साथ खिताब अपने नाम किया था। हालांकि दोनों धावकों के लिए 2024 में फिर से खिताब जीतना आसान काम नहीं होगा। इस बार छह अन्य पुरुष तथा दो अन्य महिला धावक ऐसे हैं जिनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन वर्तमान के मुंबई के कोर्स रिकॉर्ड से बेहतर है। प्रतियोगिता की कुल इनामी राशि चार लाख पांच हजार डॉलर है। पुरुष और महिला वर्ग के विजेताओं को 50 हजार डॉलर की समान इनामी राशि मिलेगी जबकि दूसरे स्थान पर आने वाले धावकों को 25 हजार डॉलर मिलेंगे। तीसरे स्थान पर रहने वाले धावकों के खाते में 10 हजार डॉलर की राशि आएगी। प्रतियोगिता का मौजूदा रिकॉर्ड तोड़ने वाले धावक को 15 हजार डॉलर का अतिरिक्त बोनस मिलेगा।

वर्ष 2023 के विश्व के सर्वश्रेष्ठ रेफरी चुने गये पोलैंड के सिजमोन मार्सिनियाक

वारसॉ, एजेंसी। पोलैंड के सिजमोन मार्सिनियाक को गुरुवार को इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ फुटबॉल हिस्टोरियंस एंड स्टैटिस्टिक्स (आईएफएफएचएस) द्वारा वर्ष 2023 का विश्व का सर्वश्रेष्ठ पुरुष रेफरी चुना गया है। 42 वर्षीय सिजमोन ने 175 अंकों के साथ पुरस्कार जीता, दूसरे नंबर पर इटली के डेनियल ओर्सटो (95 अंक) और तीसरे स्थान पर 64 अंकों के साथ फ्रांस के क्लेमेंट टर्पिन रहे।

2022 फीफा विश्व कप फाइनल में अंपायरिंग के प्रदर्शन के बाद मार्सिनियाक ने 2022 का पुरस्कार भी जीता था। 2023 में, उन्होंने इस्तांबुल में मैनचेस्टर सिटी और इंटर मिलान के बीच यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल में बतौर रेफरी उतरे।

पुरस्कार जीतने के बाद मार्सिनियाक ने कहा, खूबसूरत मैचों और अच्छे फैसलों के साथ यह एक शानदार साल था, लेकिन जैसा कि रेफरींग में होता है, ऐसे फैसले भी थे जो बेहतर होने चाहिए थे। उन्होंने अंत में कहा, मैं अपनी टीम, अपने परिवार और सभी दोस्तों को हमेशा और हर जगह मेरा समर्थन करने के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं सभी फुटबॉल प्रशंसकों को नए साल की शुभकामनाएं देता हूं। याद रखें कि रेफरी के बिना कोई फुटबॉल नहीं है, इसलिए हमारा सम्मान करें।

अफ्रीका कप ऑफ नेशंस : फ्रेंकोइस-रेगिस मुघे की जगह मौमी नगामालेउ कैमरून टीम में शामिल

याउंडे, एजेंसी। डायनामो मॉस्को के विंगर मौमी नगामालेउ की अगले सप्ताह कोटे डी आइवर में शुरू होने वाले अफ्रीका कप ऑफ नेशंस (एएफसीओएन) से पहले गुरुवार को कैमरून की राष्ट्रीय टीम में वापसी हुई है। नगामालेउ ने फ्रेंकोइस-रेगिस मुघे की जगह ली है, जिन्होंने अपने क्लब मार्सिले के लिए खेलने को प्राथमिकता देने के लिए एएफसीओएन में भाग लेने से इनकार कर दिया था। 29 वर्षीय नगामालेउ कैमरून टीम का हिस्सा थे, जो मिस्त्र द्वारा बाहर किए जाने से पहले घरेलू धरती पर 2021 एएफसीओएन सेमीफाइनल में पहुंची थी। उम्मीद है कि वह शुक्रवार की सुबह सऊदी अरब के जेद्दा में अदम्य लायंस टीम के बाकी सदस्यों में शामिल हो जाएंगे, जहां टीम वर्तमान में मौजूद है। कैमरून के 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन सोमवार को जाम्बिया के खिलाफ एक दोस्ताना मैच से होगा। पांच बार के एएफसीओएन चैंपियन को गिनी, गाम्बिया और मौजूदा चैंपियन सेनेगल के साथ ग्रुप सी में शामिल किया गया है। कैमरून द्विवार्षिक फुटबॉल टूनार्मेंट के 34वें संस्करण की शुरूआत 15 जनवरी को यामूसोक्रो के चार्ल्स कोनन बन्नी स्टेडियम में गिनी के खिलाफ करेगा। यह टूनार्मेंट 13 जनवरी से 11 फरवरी तक चलेगा।

वार्नर की 'बैगी ग्रीन' कैप मिली

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने राहत की सांस ली और आभार व्यक्त करते हुए शुक्रवार को खुलासा किया कि उनकी 'बैगी ग्रीन' (ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट बल्लेबाज को मिलने वाली कैप) यहां रहस्यमयी तरीके से टीम होटल में मिल गई। ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर तीसरे दिन के खेल की शुरूआत से पहले वार्नर ने इंस्टाग्राम पर खुलासा किया कि उनकी दो बैगी ग्रीन कैप मिल गई हैं।

वार्नर ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो में कहा, "सभी को नमस्कार, मैं आप सभी को यह बताते हुए बेहद खुशी और राहत महसूस कर रहा हूं कि मेरी बैगी ग्रीन मिल गई हैं।" उन्हेंने कहा, "कोई भी क्रिकेटर जानता है कि वह टोपी कितनी खास है और मैं इसे जीवन भर संजोकर रखूंगा। मैं इसे ढूंढने में शामिल सभी लोगों का बहुत आभारी हूं।" उन्होंने कहा, "पिछले कुछ दिनों से मेरे कंधों पर बोझ था जो उतर गया है इसलिए मैं इसकी सराहना करता हूं। इसमें शामिल सभी लोगों को धन्यवाद।"

सुंदर हैंडराइटिंग भी दिलाती है नंबर

हिन्दी में केवल पढ़ना या रटना पर्याप्त नहीं है। लेखन का अभ्यास बेहद जरूरी है। नियमित लेखन से लिखाई तो सुन्दर होगी ही, वर्तनी की त्रुटियां भी सुधरेंगी और विषय-वस्तु भी भली-भांति समझ आएगी। ध्यान रहे, हिन्दी के प्रश्न का दारोमदार मुख्यतः आपके स्पष्टीकरण और बढ़िया प्रेजेंटेशन पर टिका है। हिन्दी की तैयारी के लिए छात्रों को 2013 के प्रश्न पत्र के प्रारूप एवं अंक योजना में आए परिवर्तनों का पता होना भी बेहद जरूरी है। इसके अलावा सीबीएसई की वेबसाइट पर 2013 में टॉप पर रहे कुछ विद्यार्थियों की आंसरशीट भी डाली गई हैं, ताकि आगामी एग्जाम में बैठने वाले छात्रों को उनके द्वारा लिखे गए प्रश्नों के उत्तर और खास प्रेजेंटेशन के बारे में मालूम हो सके। कुछ मॉडल पेपर्स भी जरूर तैयार करें, क्योंकि ये मॉडल पेपर सीबीएसई एक्सपर्ट द्वारा ही बनाए जाते हैं और उसी तरह के प्रश्नों को 12वीं बोर्ड परीक्षा में पूछा जाता है।

प्रश्नों के उत्तर लिखने का तरीका

अध्ययन की कमी के कारण कुछ छात्रों के उत्तर 'टू दि प्वाइंट' नहीं होते। न तो वह पैराग्राफ बदलते हैं और न ही उनके लेखन में क्रमबद्धता होती है। इसके अलावा अन्य प्रश्नों में परीक्षक आपके विचार, आपके लिखने की शैली, लेखन क्षमता के तौर-तरीके व स्टेपवाइज दिए गए आंसर की परख करता है। थोड़ा आपके लेखन से भी प्रभावित होता है एग्जामिनर।

काव्य और गद्य इस तरह करें

काव्य खंड को हल करते समय छात्र इस बात का अवश्य ध्यान रखें कि व्याख्या वाले प्रश्न में पहले, प्रसंग में कवि और कविता का नाम तथा व्याख्या में प्रसंगानुसार छात्र के विचार तथा विशेष में अलंकार, भाषा और शिल्प सौंदर्य को सिर्फ एक-एक लाइन में लिखें।

इसी तरह गद्यांश की व्याख्या में रचानाकार की मूलकृति तथा उसमें दिए गए 'मूल भाव' का याद करना और समझना बेहद जरूरी है। गद्यांश में परीक्षक यह देखता है कि छात्र को दी गई विषय-वस्तु की कितनी जानकारी है। इसमें छात्रों को भाव-विचार व शिल्प सौंदर्य को अवश्य तैयार करना चाहिए। ऐसा करने से ऐसे प्रश्नों में पूरे अंक मिलते हैं। दूसरा साहित्यकार का परिचय देते समय तीन उप शीर्षक जरूरी हैं। पहला संक्षिप्त जीवन परिचय, रचनाएं व भाषागत विशेषताएं। चरित्र-चित्रण वाले प्रश्नों को हल करते समय उन्हें अलग-अलग शीर्षकों में लिखें। अपठित काव्यांश व गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देते समय सबसे पहले दो-तीन बार ध्यानपूर्वक पढ़ना चाहिए। गद्यांश व पद्यांश की पंक्तियों को ज्यों का त्यों न लिख कर सीधी-सरल भाषा में संक्षिप्त व सटीक उत्तर देने चाहिए।

हॉट्स प्रश्न ऐसे सॉल्व करें

जो प्रश्न अधिक अंकों के हैं, उन्हें हॉट्स क्वेश्चन कहते हैं। उन्हें स्टेपवाइज हल करें, क्योंकि ऐसे प्रश्नों में एक प्रश्न में ही भिन्न-भिन्न चीजों को लिखना होता है। कम अंक वाले प्रश्नों को कम से कम दो बार पढ़ कर 'टू दि प्वाइंट' लिखें। 6 से 8 अंकों के प्रश्नों का उत्तर 150 शब्दों से ज्यादा न हो और 6 अंकों के प्रश्नों का उत्तर 100 शब्दों तथा 2 और 4 अंकों के प्रश्नों का उत्तर दो लाइन और 50 और 60 शब्दों में दिया हो।

ऐसे करें निबंध और पत्र की तैयारी

छात्रों को परीक्षा की तैयारी करते समय निबंध, पत्र व अपठित बोध की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। नए पाठय़क्रम में निबंध लेखन के अन्तर्गत परम्परागत विषयों पर नहीं, बल्कि करंट अफेयर्स व व्यावहारिक (practical subjects) विषयों पर पूछे जाते हैं। जैसे - उत्तराखण्ड त्रासदी, भ्रष्टाचार, लोकपाल बिल, भारतीय चुनाव प्रणाली में सुधार, जैसे महत्वपूर्ण विषयों को तैयार करके अलग नोटबुक पर लिख कर अभ्यास करें। अभ्यास करने से छात्रों में आत्मविश्वास व राइटिंग स्पीड में वृद्धि होती है। छात्रों को इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए कि वो बड़े-बड़े वाक्य न बनाएं, बल्कि छोटे-छोटे व सरल वाक्यों का प्रयोग करें। हिन्दी में पत्र लेखन के लिए कुछ समाचार पत्रों और उनके संपादकों के नाम, प्रकाशन कार्यलय आदि के नाम जरूर याद करें। पत्रों में औपचारिक तथा अनौपचारिक पत्रों का लिखित अभ्यास करें।

कुछ महत्वपूर्ण बिंदू

उत्तर पुस्तिका में उत्तरों का प्रस्तुतीकरण ढंग से करें। 2. कम से कम तीन मॉडल पेपर (सीबीएसई) हल जरूर करें। 3. जिन प्रश्नों को प्वाइंट्स में लिखा जा सकता हो, वहां और किसी तकनीक का प्रयोग न करें। 4. सीबीएसई की अंक योजना के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दें। 5. व्याख्या वाले प्रश्नों में प्रसंग, व्याख्या व सौंदर्य बोध या विशेष को अलग-अलग रेखांकित करें। 6. जीवनी वाले प्रश्नों में छात्रों, लेखकों या कवियों में से उनकी विचारधारा, समय, रचनाएं व भाषा शैली जरूर लिखें।

पिछले एक दशक में देश में कंप्यूटर का चलन तेजी से बढ़ा है. बड़ी से बड़ी कंपनी और छोटे से छोटे ऑफिस तक की सारी गोपनीय जानकारियां कंप्यूटर में रखी जा रही हैं. सुरक्षा को ध्यान में रख कर कंप्यूटर पर पासवर्ड सेट किये जा रहे हैं. पासवर्ड ज्यादा सुरक्षित हों, इसके भी तरीके उजागर किये जा रहे हैं.

बनें साइबर सुरक्षा के मास्टर

साइबर सुरक्षा के तमाम उपाय करते हुए भी उनकी जानकारियां पलक झपकते ही सात समंदर पार बैठे लोगों तक आसानी से पहुंच जा रही हैं. यह काम कंप्यूटर के जानकारों द्वारा ही किया जाता है. इन्हें रोकने का जिम्मा एथिकल हैकर का होता है और इस पूरी प्रक्रिया को एथिकल हैकिंग का नाम दिया गया है. हालिया कुछ वर्षों में इमेल हैकिंग, गोपनीय दस्तावेज लीक होने, आतंकी हमले आदि की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं. इससे व्यक्ति विशेष, संस्थान के अलावा पूरे देश की सुरक्षा को खतरा उत्पन्न होने की संभावना भी बढ़ी है.

क्यों पड़ी इसकी जरूरत

नासकॉम की एक रिपोर्ट की मानें, तो देश में 77 हजार एथिकल हैकरों की प्रतिवर्ष आवश्यकता है, जबकि सिर्फ 25-30 हजार प्रोफेशनल्स प्रतिवर्ष सामने आ रहे हैं. यानी इसकी जरूरत से काफी कम लोग हर साल यह कोर्स कर रहे हैं. रिपोर्ट के अनुसार, एथिकल हैकर की मांग आनेवाले समय में और अधिक बढ़ने की उम्मीद है, क्योंकि हर क्षेत्र में कंप्यूटर का दखल बढ़ता जा रहा है और लोग अपनी सारी गोपनीय जानकारियां कंप्यूटर में ही रखना चाह रहे हैं.

कब करें यह कोर्स

एथिकल हैकिंग से संबंधित बैचलर, मास्टर, पीजी डिप्लोमा और डिप्लोमा कई तरह के कोर्स मौजूद हैं. कुछ कोर्स ऐसे भी हैं, जिनमें एथिकल हैकिंग एक विषय के रूप में पढ़ाया जाता है. बैचलर कोर्स में दाखिला 12वीं के बाद, मास्टर व पीजी में प्रवेश ग्रेजुएशन के बाद और डिप्लोमा में बारहवीं के बाद प्रवेश ले सकते हैं. इन योग्यताओं के साथ-साथ इसमें कंप्यूटर की जानकारी को सर्वोपरि रखा जाता है. बैचलर व मास्टर कोर्स कंप्यूटर एप्लीकेशन से संबंधित होते हैं. बैचलर कोर्स में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा पास करना जरूरी है. अंकित फाड़िया सर्टिफाइड एथिकल हैकर कोर्स भी प्रचलन में है.

कोर्स से जुड़ी जानकारी

कोर्स के दौरान छात्रों को कंप्यूटर सिक्योरिटी से जुड़ी पूरी जानकारी प्रदान की जाती है. क्लास में प्रेजेंटेशन टेस्ट, गैजेट्स की जानकारी, हैकिंग, पासवर्ड क्रैकिंग, मालवेयर एनालिसिस, पोर्ट स्कैनिंग, बफर ओवरफ्लो आदि के बारे में विस्तार से बताया जाता है. कोर्स के दौरान ही छात्र सिक्योरिटी से संबंधित समस्याओं की रिपोर्ट करने, नियम के दायरे में रह कर काम करने, बायोमेट्रिक्स सिस्टम पर प्रोजेक्ट तैयार करने और हालिया घटित हैकिंग के नये मामलों पर चर्चा करते हैं.

इसमें संभावनाएं हैं अपार

कोर्स समाप्त होने के बाद प्रोफेशनल्स को किसी कंपनी में सिक्योरिटी एनालिस्ट, चीफ इन्फार्मेशन ऑफिसर, प्रेजेंटेशन टेस्टर व नेटवर्किंग स्पेशलिस्ट के रूप में काम करने का अवसर मिलता है. प्रेजेंटेशन टेस्टर के रूप में प्रोफेशनल्स फायरवाल की जांच करते हैं, जिससे कि गैरजरूरी चीजों का प्रवेश रोका जा सके. जबकि नेटवर्किंग स्पेशलिस्ट के अंतर्गत संस्थान के कंप्यूटर नेटवर्क की सुरक्षा, सॉफ्टवेयर आदि की सुरक्षा का जिम्मा होता है. साइबर विशेषज्ञ पवन दुग्गल के अनुसार इस क्षेत्र में शुरुआती दौर में 40 से 60 हजार रुपये प्रतिमाह की सैलरी आसानी से मिलती है. यदि प्रोफेशनल्स के अंदर स्किल्स हैं, तो वे 80 से 90 हजार प्रतिमाह का भी पैकेज पा सकते हैं.

कहां मिलते हैं रोजगार

एथिकल हैकिंग का कोर्स करने के बाद उम्मीदवार बैंक, एयरलाइंस, होटल्स, टेलीकॉम कंपनी, आउटसोर्सिंग यूनिट्स, आइटी सर्विस कंपनी, रिटेल चेन, इंटरनेट फर्म्स आदि में काम कर सकते हैं.

कंप्यूटर नेटवर्किंग नॉलेज है जरूरी

इस प्रोफेशन में सबसे जरूरी है कंप्यूटर नेटवर्किंग नॉलेज. बिना इसके लंबी रेस का घोड़ा नहीं बना जा सकता. इसके अलावा प्रोफेशनल्स को जावा, यूनिक्स व सी++ में भी दक्ष होना जरूरी है. साथ ही उसे अपना दिमाग हमेशा खुला रखना होगा और नेटवर्किंग से जुड़ी हर जानकारी को आत्मसात करना होगा. प्रॉब्लम सॉल्विंग, एनालिटिकल स्किल्स, सिक्योरिटी सिस्टम और कंप्यूटर का गहरा ज्ञान भी काफी ऊंचाई तक ले जा सकता है.

ऊंची उड़ान के लिए कर्मचारियों को रखें प्रोत्साहित

गूगल अपने कर्मचारियों को मुफ्त खाना देता है, पालतु कुत्तों को दफ्तर में लाने की स्वीकृति देता है, आप मानें या न मानें लॉन की घास साफ करने के लिए उन्होंने बकरियां भी रखी हैं। बेशक हर कम्पनी गूगल जैसे सुविधाएं न देना चाहे, सफलता का मंत्र है कि अपने कर्मचारियों को किसी न किसी तरह से प्रोत्साहित तथा खुश रखा जाए ताकि वे दिल लगा कर काम करें।

आज प्रोत्साहन केवल पैसों तक ही सीमित नहीं है, कर्मचारियों के कल्याण के लिए रोज कुछ न कुछ करते रहना जरूरी है। चाहे उनके लिए चाय-पानी का खास इंतजाम किया जाए या इस बात पर ध्यान दिया जाए कि कोई कर्मचारी क्यों ओवरटाइम काम कर रहा है। ऐसे ही कुछ तरीकों के बारे में जानते हैं जिनसे कर्मचारियों को प्रोत्साहित तथा उत्साहित रखा जा सकता है।

उनकी बात सुनें

कर्मचारियों की भावनाओं को जानने का पहला कदम उनकी बात सुनना है ताकि उपयुक्त सुधार किए जा सकें। केवल वही बातें सुनना काफी नहीं हैं जो कर्मचारी कहें, अपनी आंखें खुली रखना भी जरूरी है क्योंकि कई बार कर्मचारी अपने मुंह से कुछ नहीं कहते हैं परंतु उसका असर उनके कामकाज तथा उनके व्यवहार में स्पष्ट जाहिर होता है। उन समस्याओं को समझना तथा दूर करना जरूरी है जो किसी कर्मचारी को प्रभावित करती हों। अच्छी नीतियां तथा अच्छा शासन इस तथ्य से कायम होता है कि प्रबंधन कर्मचारियों की बात सुनता है।

खाओ, खेलें और काम करो

अच्छी तनख्वाह तथा भत्तों के साथ-साथ तनाव दूर करने वाली गतिविधियां, खेल आदि का इंतजाम भी होना चाहिए। दफ्तर के एक हिस्से में कर्मचारियों के हल्के-फुल्के खेल का इंतजाम हो तो तनाव से मुक्ति पाने के साथ-साथ एक-दूसरे को बेहतर ढंग से जाना जा सकता है।

विश्वास कायम करना

कर्मचारियों को इस बात का विश्वास दिलाना भी जरूरी है कि कम्पनी करियर शुरू करने तथा तरक्की करने के लिए एक उत्तम स्थान है। काम से असंतुष्ट होकर कर्मचारियों के कम्पनी छोडऩे का एक कारण अक्सर उनमें विश्वास की कमी होता है। वहां कर्मचारियों के आपस में तथा वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संबंध सही नहीं होते हैं। कई बार तो कर्मचारियों पर बस काम थोप दिया जाता है और उन्हें यह भी पता नहीं होता है कि वे काम क्यों कर रहे हैं। उन्हें कम्पनी के लक्ष्य के साथ जोडऩा अहम है।

भावनाओं पर नियंत्रण

कर्मचारियों को दिए जाने वाले पैसे या भत्तों को अब कई कम्पनियां निवेश के तौर पर देखती हैं। कठिन दौर में सहायता करके कर्मचारियों को कम्पनी के प्रति वफादार बनाया जा सकता है। यही वजह है कि ऐसी इंडस्ट्रीज हैं जिन्होंने मुनाफे में कमी के बावजूद अपने कर्मचारियों के भत्तों में कटौती नहीं की।

करियर की पहली सीढ़ी आवेदन पत्र

आजकल आवेदन पत्रों का स्वरूप काफी विस्तृत हो गया है। आवेदक की योग्यता एवं प्रतिभा का आकलन आज काफी हद तक आवेदन पत्रों में उसके द्वारा भरी हुई जानकारी से ही लगाया जाने लगा है, अतः यह बहुत आवश्यक है कि फार्म भरते समय अत्यंत सावधानी बरती जाए। सैंकड़ों फार्म सिर्फ इसलिए रद्द कर दिए जाते हैं क्योंकि वे सही ढंग से भरे हुए नहीं होते। आवेदन पत्र भरना भी एक कला है। वैसे यदि इस कला को तकनीकी कौशल की संज्ञा दी जाए तो गलत नहीं होगा। प्रभावशाली तरीके से आवेदन पत्र भरने के लिए निम्नलिखित बातों का अवश्य ध्यान रखें

- सर्वप्रथम बाजारों एवं एजैंटों के पास उपलब्ध विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के आवेदन पत्रों को भली-भांति जांच करने के पश्चात ही खरीदें। कभी-कभी फार्म डुप्लीकेट भी मिलते हैं। बेहतर होगा कि रोजगार समाचार में प्रकाशित प्रारूप से आवेदन पत्र का मिलान कर लें।
- किसी भी आवेदन पत्र को भरने से पूर्व उसके साथ संलग्न विवरणिका या नियमावली का गहराई से अध्ययन करें। आवेदन पत्र के ऊपर लिखे निर्देशों को भी ध्यानपूर्वक पढ़ें। जो सूचनाएं आवेदन पत्र में मांगी गई हैं, वे सारी पहले नोट कर लें तथा एक-एक करके सारी सूचनाएं इकट्ठी करें।
- आवेदन पत्र का कोई भी कॉलम जल्दबाजी में न भरें। पहले पढ़ें, फिर सोचें, तभी कलम को हरकत में लाएं।
- आवेदन पत्र को कभी गलत न भरें। विवरण समझ में नहीं आने पर किसी जानकार व्यक्ति या संस्थान से उसको सही ढंग से समझ लें।
- फार्म के सभी कॉलमों को भरते हुए ध्यान रखें कि आपकी जानकारी सही एवं प्रमाणिक होनी चाहिए। बहुत से उम्मीदवार सिर्फ अच्छा प्रभाव डालने के उद्देश्य से कई बार फार्म में गलत जानकारी भी भर देते हैं।
- आवेदन पत्र भरते समय हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि आवेदन पत्र में 'काट-छांट' या 'ओवरराइटिंग' न हो क्योंकि इससे आवेदन पत्र के जांचकर्ता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
- फार्म भरते समय एक ही रंग की स्याही या बॉलपैन का प्रयोग करें और हो सके तो नीले बॉल पैन को ही उपयोग में लाएं। लाल स्याही से तो फार्म कभी भी न भरें।

ऐश्वर्या ने घटाया 7 किलो वजन

रियलिटी शो 'बिग बॉस 17' को 'बेस्?ट डाइटीशियन' बोलते हुए पूर्व प्रतियोगी ऐश्वर्या शर्मा भट्ट ने अपनी यात्रा को याद किया।ऐश्वर्या ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज में खुलासा किया कि यह शो बेस्ट डाइटीशियन है।उन्होंने लिखा, 60 किलो से 53 किलो तक का सफर, बिगबॉस बेस्ट डाइटीशियन।इसके बाद उन्होंने अभिषेक कुमार और समर्थ जुरेल के बीच हुई थप्पड़ की घटना के बारे में बात करते हुए एक और कहानी शेयर की, जब दोनों प्रतियोगी और ईशा मालविया लड़ रहे थे तो उन्होंने अभिषेक कुमार के मुंह में एक टिशू बॉल ठूंस दिया था। उन्होंने लिखा, वाह ईशा इतनी जल्दी तो रोटियां नहीं पलटती जितनी जल्दी आप पलटती हो, ये लड़की किसी की नहीं है, सबने देखा और सबको पता चल गया..। चिंटू के साथ मिलकर इतना पोक किया कि इंसान हाथ उठाने पे मजबूर हो गया, वाह वाह क्या बात है। इतना भी मत गिरो कि उठ के चल ना पाओ... मजबूत रहो भाई।

उर्फी ने अस्पताल से शेयर की फोटो

'बिग बॉस ओटीटी 1' से सुर्खियां बटोरने वालीं उर्फी जावेद हमेशा लाइमलाइट में रहती हैं। उर्फी अपने अजीबोगरीब फैशन स्टेटमेंट के कारण जानी जाती हैं। उर्फी रोजाना इंस्टाग्राम पर अपनी फोटो व वीडियो शेयर करती हैं। अब उर्फी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक ऐसी फोटो शेयर कर दी है, जो टॉकिंग पॉइंट बना हुआ है।वह अस्पताल के बेड पर लेटी नजर आ रही हैं, लेकिन कुछ ही देर बाद उन्होंने इस फोटो को डिलीट कर दिया। फोटो में उर्फी के चेहरे पर ऑक्सीजन मास्क लगा हुआ है।

मौनी रॉय के साथ बैंकॉक में वेकेशन मना रही हैं दिशा

दिशा पाटनी ने नए साल का जश्न खास अंदाज में मनाया है. वह अपनी दोस्त मौनी रॉय के साथ वेकेशन पर गई हुई हैं. जहां ये बेस्टफ्रेंड्स साथ में ढेर सारी मस्ती कर रही हैं.दिशा और मौनी अक्सर साथ में नजर आती हैं. किसी भी इवेंट में ये बेस्टफ्रेंड्स साथ में मस्ती करती नजर आती हैं.अब वेकेशन पर भी साथ में गई हैं. जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं.दिशा ने मौनी के साथ फोटोज शेयर करते हुए लिखा- बैंकॉक. साथ में फ्लावर इमोजी पोस्ट की. दिशा के पोस्ट पर फैंस ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं.मौनी ने भी अपनी बेस्टफ्रेंड के साथ मस्ती करते हुए फोटोज शेयर की हैं. उन्होंने फोटोज शेयर करते हुए लिखा- डी और मौन्जू का एडवेंचर जारी है.फोटोज में कभी दोनों रेंस्तरा में बैठकर खाना खाती नजर आ रही हैं तो कभी कहीं सेल्फी क्लिक करती नजर आ रही हैं.वर्कफ्रंट की बात करें तो दिशा पाटनी जल्द ही सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ फिल्म योद्धा में नजर आने वाली हैं।

रणबीर ने अगली फिल्म के लिए रोहित से मिलाया हाथ

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर ने फिल्म एनिमल से बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। रणबीर कपूर की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ रुपये से यादा का कलेक्शन किया था। फिल्म एनिमल के हिट होने के बाद अब फैंस को उनकी अगली फिल्म का इंतजार है। इसी बीच रणबीर कपूर एक तस्वीर वायरल हो रही है। इस तस्वीर में रणबीर कपूर बॉलीवुड की फिल्मों के जाने-माने डायरेक्टर रोहित शेट्टी के साथ दिखाई दिए। इस तस्वीर में रणबीर कपूर एकदम अलग ही लुक में नजर में आ रहे हैं। जिसके बाद मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जाने लगा है कि रणबीर कपूर रोहित शेट्टी की अगली फिल्म में नजर आ सकते हैं। रणबीर कपूर और रोहित शेट्टी की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। इस वायरल हो रही तस्वीर में रणबीर कपूर पुलिस की वर्दी पहने दिखाई दिए। रणबीर कपूर की ये तस्वीर आते ही सोशल मीडिया पर छा गई है। इस फोटो के वायरल होने के बाद रणबीर कपूर की अगली फिल्म को लेकर भी चर्चा होने लगी है। कई रिपोर्ट्स में दावा किया जाने लगा कि रणबीर कपूर अब रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स का हिस्सा बनने जा रहे हैं। रणबीर कपूर की इस तस्वीर को उनके फैंस जमकर शेयर कर रहे हैं। आपको बता दें कि ये तस्वीरें एक एड शूट के दौरान की हैं। बॉलीवुड के कई स्टार्स रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स का हिस्सा बन चुके हैं। अभी हाल ही में दीपिका पादुकोण भी इसका हिस्सा बनी हैं।

तेजस्वी-करण ने दोस्त की शादी में मचाया धमाल

करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश टीवी इंडस्ट्री के स्टार कपल हैं, जो फैंस को अपनी केमिस्ट्री से खुश कर देते हैं। तेजस्वी और करण को पार्टीज और वेकेशन का काफी शौक हैं। दोनों आए दिनों क्वालिटी टाइम बिताने के लिए कहीं न कहीं निकल जाते हैं। इन दिनों कपल अपने फ्रेंड की शादी में धमाल मचा रहा है। तेजस्वी और करण ने पहले अपने दोस्तों के साथ न्यू ईयर पार्टी में धमाल मचाया। अब दोनों को दोस्त के प्री-वेडिंग फंक्शन शुरू हो गए हैं, जिसमें दोनों धमाल मचा रहे हैं। कपल ने हल्दी सेरेमनी की झलक दिखाई है।करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर हल्दी सेरेमनी की फोटोज शेयर की हैं। इन फोटोज में दोनों ही अपने दोस्त यानी होने वाले दूल्हा और दुल्हन के साथ मस्ती कर रहे हैं। तेजस्वी प्रकाश ने इस मौके पर होने वाली दुल्हन पर खूब सारा प्यार लुटाया। इस तस्वीर में एक्ट्रेस अपने गाल पर किस करती दिख रही हैं।

तेजस्वी प्रकाश ने दोस्त की हल्दी सेरेमनी में जमकर डांस किया, जिसे करण कुंद्रा ने अपने कैमरे में कैद कर लिया। करण ने अपने इंस्टा अकाउंट की स्टोरी पर तेजस्वी के डांस वीडियो शेयर किए हैं।

इस खास मौके पर तेजस्वी प्रकाश थीम के अकॉर्डिंग तैयार दिखीं। एक्ट्रेस ने पीले रंग का शरारा शेट पहना, जिसे कोटी और चुन्नी से ट्रेडिशनल लुक दिया।

इस मौके पर करण कुंद्रा भी ट्रेडिशनल अवतार में किलर लगे। एक्टर ने सी ग्रीन कलर का कुर्ता और पायजामा कैरी किया। करण ने अपना लुक बासकेट से अट्रैक्टिव बनाया। करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश ने इस हल्दी सेरेमनी में अपने लिए टाइम भी निकाला। दोनों ने एक साथ ढेर सारी फोटोज क्लिक करवाई। इस तस्वीर में तेजस्वी अपने बॉयफ्रेंड की बाहों में हैं और दोनों खिलखिलाकर हंस रहे हैं।

करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश की सभी फोटोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इन फोटोज में दोनों परफेक्ट कपल लगे हैं। हर किसी ने दोनों को बुरी नजर से बचाए रखने के बीत की है।तेजस्वी प्रकाश के इस लुक पर फैसं फिदा हो गए हैं।

38 साल की हो गई दीपिका

दीपिका पादुकोण आज 38 साल की हो गई और दुनिया भर से एक्ट्रेस के लिए उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं आ रही हैं. अपने 17 साल के एक्टिंग करियर में दीपिका ने कई पंख जोड़े हैं. वह न केवल लुई वुइटन, कार्टियर, लेविस, कतर एयरवेज आदि जैसे इंटरनेशनल ब्रांडों की हाउस ब्रांड एंबेसडर बनने वाली पहली इंडियन एक्ट्रेस बनीं, बल्कि अपने आकर्षक प्रदर्शन के लिए कई फिल्मफेयर बेस्ट एक्टर अवार्ड भी जीते हैं.उन्होंने ओम शांति ओम में काम करने से पहले एक कन्नड़ फिल्म में काम किया था क्योंकि इसकी निर्देशक फराह खान चाहती थीं कि दीपिका को फिल्म में काम करने के पीरे प्रोसेस के बारे में पता हो, क्योंकि दीपिका इंडस्ट्री से बाहर से थीं और उनके पास फिल्म-सेट का कोई अनुभव नहीं था.कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में सबसे अधिक भुगतान पाने वाले निर्देशकों और अभिनेताओं में से एक, उपेन्द्र राव इस फिल्म में मुख्य अभिनेता थे. वहीं दीपिका पादुकोण की डेब्यू फिल्म में डेजी बोपन्ना ने भी अहम भूमिका निभाई थी.बता दें, ऐश्वर्या 2022 की फिल्म मनमधादु की ऑफिशियल रीमेक है और इसके फ्लैशबैक सीक्वेंस 2005 की फिल्म गजनी से प्रेरित हैं. फिल्म में, उपेन्द्र एक अमीर विज्ञापन कार्यकारी के रूप में दिखाई देते हैं और दीपिका एक मैनेजर के रूप में दिखाई देती हैं. ढेर सारे ऑफिस ड्रामा और रोमांस के बाद, वे फिल्म के क्लाइमेक्स में एक साथ आ जाते हैं।

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। संपादक : मो इस्माईल खान RNI No. DLHIN/2010/37009